Ranchi ● Sunday, 02 February 2025 ● Year : 03 ● Issue : 20 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

बजट 2025-26

5000000.65
करोड़ रुपये का बजट वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने किया पेश

11.21 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय का प्रस्ताव

मिडिल क्लास को 'मनी-मनी'

शनिवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में वित्त वर्ष 2025-26 का आम बजट पेश किया। सुस्त पड़ती आर्थिक वृद्धि को गति देने के मकसद से एक तरफ जहां मध्यम वर्ग और नौकरीपेशा लोगों को बड़ी राहत देते हुए 12 लाख रुपये की सालाना आय पर टैक्स छूट की घोषणा की है, वहीं दूसरी तरफ बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा बढ़ाने समेत अगली पीढ़ी के सुधारों को तेज करने का प्रस्ताव किया है। सीतारमण की इस घोषणा से करीब एक करोड़ और लोग कर के दायरे से बाहर हो जाएंगे। इस बजट से मध्यम वर्ग की बल्ले बल्ले हो गई है। यह उनके लिए मेगा गिफ्ट के समान है। इस वर्ग के लिए इसे 'मनी-मनी' बजट भी कहा जा सकता है, क्योंकि उनकी मनी की बचत तो होगी ही, इससे देश की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। यह निर्मला सीतारमण का लगातार आठवां बजट है। चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा 4.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

- अब 12 लाख रुपये सालाना आय पर नहीं लगेगा कोई टैक्स
- वेतनभोगियों को 75,000 की मानक कटौती के साथ 12.75 लाख रुपये पर कोई कर नहीं
- करीब एक करोड़ और लोग टैक्स के दायरे से हो जाएंगे बाहर
- बजट में अगली पीढ़ी के सुधारों पर जोर
- विकसित भारत के लक्ष्य के लिए चार इंजन- कृषि, एमएसएमई, निवेश और निर्यात चिह्नित
- टैक्स स्लैब में किया गया बड़ा बदलाव
- आयकर छूट में नई कर व्यवस्था का विकल्प चुनने को आयकरदाताओं को मिला अवसर
- बीमा क्षेत्र में एफडीआई की सीमा 74 प्रतिशत से बढ़ाकर की गई 100 फीसद
- इस वित्त वर्ष में कुल व्यय 50.65 लाख करोड़ रुपये रहने का है अनुमान
- चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा 4.8 प्रतिशत रहने का अनुमान
- शुद्ध कर प्राप्तियां 28.37 लाख करोड़ रुपये रहने की संभावना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आम बजट को ऐतिहासिक करार देते हुए कहा कि ये हर भारतीय के सपनों को पूरा करेगा, विकसित भारत ?के मिशन को आगे ले जाएगा और साथ ही विकास, निवेश और उपभोग को कई गुना बढ़ाएगा। आज देश विकास भी, विरासत भी के मंत्र को लेकर चल रहा है और इस बजट में इसके लिए बहुत महत्वपूर्ण और ठोस कदम उठाए गए हैं।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आर्थिक संकट को हल करने के लिए बड़े बदलाव की जरूरत बताई और इसी संदर्भ में शनिवार को संसद में पेश केंद्रीय बजट को गोली के घाव पर केवल मरहम पट्टी करार दिया। उन्होंने यह दावा भी किया कि सरकार विचारों के संदर्भ में दिवालिया हो चुकी है।

राहुल गांधी, एलओपी।

सस्ता
जीवन रक्षक दवाएं, इलेक्ट्रॉनिक सामान एलसीडी-एलईडी टीवी, इलेक्ट्रिक व्हीकल मोबाइल फोन, फुटवियर, फर्नीचर, हैंडबैग।

महंगा
कॉमर्शियल गैस सिलेंडर, सोना, चांदी, दाल, चावल, प्याज, दूध, आटा, सोयाबीन तेल, इंटरेक्टिव फ्लैट, पैनल डिसप्ले।

सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण पर जोर

तेजी से बदल रहे क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य के बीच सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने के बीच भारत ने शनिवार को 2025-26 के लिए रक्षा परिव्यय के रूप में 6,81,210 करोड़ रुपये आवंटित किए, जो चालू वित्त वर्ष के 6.22 लाख करोड़ रुपये के आवंटन की तुलना में मामूली वृद्धि है। पूंजीगत व्यय के लिए कुल 1,92,387 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं जिसमें बड़े पैमाने पर नए हथियार, विमान, युद्धपोत और अन्य सैन्य उपकरण खरीदना शामिल है। वर्ष 2024-25 में पूंजी परिव्यय 1.72 लाख करोड़ रुपये था और संशोधित अनुमान के अनुसार यह राशि 1,59,500 करोड़ रुपये है, जो बताता है कि लगभग 13,500 करोड़ रुपये की राशि अभी तक खर्च नहीं की गई है। अगले वित्त वर्ष के लिए दैनिक कामकाज और वेतन संबंधी राजस्व व्यय 4,88,822 करोड़ रुपये आंका गया है, जिसमें पेंशन के लिए 1,60,795 करोड़ रुपये शामिल हैं।

नए आयकर कानून में 'न्याय' की भावना

कर मोर्चे पर सुधार के तहत सीतारमण ने आयकर प्रावधानों के नियमन संबंधी छह दशक पुराने कानून की जगह एक सरल कानून लाने का प्रस्ताव किया। उन्होंने कहा कि नए आयकर कानून में 'न्याय' की भावना होगी और यह 'पहले विश्वास करो, बाद में जांच करो' के सिद्धांत पर काम करेगा। उन्होंने बजट में की गई तमाम घोषणाओं के बावजूद राजकोषीय मजबूती की राह को नहीं छोड़ा है। वित्त वर्ष 2025-26 में राजकोषीय घाटे के अनुमान को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.4 प्रतिशत पर रखने का लक्ष्य तय किया गया है।

बाजार से 11.54 लाख करोड़ रुपये का कर्ज

राजकोषीय घाटे की भरपाई के लिए सरकार अगले वित्त वर्ष में बाजार से 11.54 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लेगी। वित्त मंत्री ने पूंजीगत व्यय का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार अगले वित्त वर्ष में 11.21 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय करेगी। सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय का बजट अनुमान रखा था लेकिन संशोधित अनुमानों के मुताबिक, व्यय 10.18 लाख करोड़ रुपये रहेगा।

उधारी को छोड़ कुल प्राप्तियां 34.96 लाख करोड़

सीतारमण ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में कुल व्यय 50.65 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। शुद्ध कर प्राप्तियां 28.37 लाख करोड़ रुपये रहने की संभावना है। उधारी को छोड़कर कुल प्राप्तियां 34.96 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। इसके साथ, वित्त वर्ष 2024-25 में कुल व्यय का संशोधित अनुमान 47.16 लाख करोड़ रुपये रखा गया है, जिसमें पूंजीगत व्यय 10.18 लाख करोड़ रुपये है। कर्ज के अलावा कुल प्राप्तियों का संशोधित अनुमान 31.47 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें शुद्ध कर प्राप्तियां 25.57 लाख करोड़ रुपये हैं।

खेल बजट में 350 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी

जमीनी स्तर पर प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की खोज और उन्हें प्रोत्साहित करने की सरकार की प्रमुख योजना खेलो इंडिया को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में सबसे ज्यादा फायदा दिया है। खेलों के लिए आवंटन में 351.98 करोड़ रुपये की भारी बढ़ोतरी की घोषणा की गई है, जिसका सबसे बड़ा हिस्सा खेलो इंडिया कार्यक्रम को मिलेगा। इस महत्वाकांक्षी योजना को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 1,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। यह 2024-25 के 800 करोड़ रुपये के अनुदान से 200 करोड़ रुपये अधिक है। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय को कुल मिलाकर 3,794.30 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। यह रकम पिछले साल की तुलना में 351.98 करोड़ रुपये अधिक है।

बजट की 10 बड़ी बातें...

धन-धान्य कृषि योजना

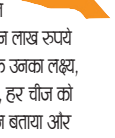

बजट में वित्त मंत्री ने कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के मकसद से छह नई योजनाओं की घोषणा की तथा सब्सिडी वाले किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) से ऋण प्राप्त करने की सीमा को तीन लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दिया। वित्त मंत्री ने कहा कि उनका लक्ष्य, देशभर में रोजगार से लेकर फसल उत्पादकता बढ़ाने तक, हर चीज को बढ़ावा देना है। सीतारमण ने कृषि को वृद्धि का पहला इंजन बताया और प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना का प्रस्ताव किया।

6 क्षेत्रों पर विशेष फोकस

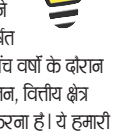

वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार के पिछले 10 साल के विकास के 'ट्रैक रिकॉर्ड' और संरचनात्मक सुधारों ने वैश्विक स्तर पर सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। उन्होंने कहा, इस बजट का लक्ष्य पहले पांच वर्षों के दौरान छह क्षेत्रों- कराधान, बिजली क्षेत्र, शहरी विकास, खनन, वित्तीय क्षेत्र और नियामकीय क्षेत्र में परिवर्तनकारी सुधार शुरू करना है। ये हमारी वृद्धि क्षमता और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाएंगे।

1.7 करोड़ किसानों को लाभ

राज्य सरकारों के साथ साझेदारी में लागू की जाने वाली इस योजना से कृषि उत्पादकता बढ़ने, फसल विविधीकरण और कटाई के बाद के बुनियादी ढांचे में सुधार के जरिये 1.7 करोड़ किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है। ग्रामीण बेरोजगारी को दूर करने के लिए सरकार एक व्यापक ग्रामीण समृद्धि और मजबूती कार्यक्रम लागू करेगी। यह कार्यक्रम विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं, युवा किसानों, ग्रामीण युवाओं, सीमांत और छोटे किसानों और भूमिहीन परिवारों पर केंद्रित होगा।

दालों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता

दलहनों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता के लिए एक बड़े कदम के रूप में छह साल का मिशन अरहर, उड़द और मसूर उत्पादन को बढ़ावा देने पर केंद्रित होगा। इस पहल के तहत, सहकारी संस्थाएं नेफेड और एनसीसीएफ इन एजेंसियों के साथ समझौते करने वाले पंजीकृत किसानों से चार साल तक दालों की खरीद करेंगी।

नया अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र

एक नया अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र मिशन, अधिक उपज, कीट-प्रतिरोधी और प्रतिकूल जलवायु-सहिष्णु बीजों को विकसित करने और प्रचारित करने पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिसमें जुलाई, 2024 से शुरू की गई 100 से अधिक बीज किस्मों को व्यावसायिक रूप से जारी करने की योजना है। इसके अतिरिक्त, एक पांच वर्षीय कपास मिशन उत्पादकता में सुधार और एक्स्ट्रा-लांग स्टेपल कपास किस्मों को बढ़ावा देने पर काम करेगा, जो कपड़ा क्षेत्र के लिए भारत के एकीकृत 5-एफ दृष्टिकोण का समर्थन करेगा।

बिहार में मखाना बोर्ड की स्थापना

बिहार के मखाना क्षेत्र के उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन में सुधार के लिए एक समर्पित मखाना बोर्ड की स्थापना की जाएगी। बोर्ड किसानों को एफपीओ में संगठित करेगा और सरकार योजना के लाभ तक पहुंच सुनिश्चित करते हुए प्रशिक्षण सहायता प्रदान करेगा।

केसीसी लाभ में उल्लेखनीय वृद्धि

बजट में वित्त मंत्री ने केसीसी लाभ में उल्लेखनीय वृद्धि की घोषणा की है। 7.7 करोड़ किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों के लिए सब्सिडी वाले अल्पकालिक ऋण की सीमा तीन लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये करने का प्रस्ताव किया।

समुद्री खाद्य निर्यात

मछली और जलीय कृषि में दूसरे सबसे बड़े वैश्विक उत्पादक के रूप में भारत की स्थिति को मान्यता देते हुए 60,000 करोड़ रुपये के समुद्री खाद्य निर्यात के साथ सरकार भारतीय विशेष आर्थिक क्षेत्र और दूर समुद्र में स्थायी मछली पकड़ने के लिए एक रूपरेखा पेश करेगी और इसके लिए विशेष रूप से अंडमान और निकोबार और लक्षद्वीप द्वीप समूह पर ध्यान केंद्रित करेगी।

सहकारी विकास निगम को बढ़ावा

सहकारी क्षेत्र के ऋण संचालन के लिए राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) को समर्थन बढ़ाने की घोषणा की गई है। बागवानी क्षेत्र में, बढ़ती आय के कारण से प्रेरित बढ़ती खपत पद्धति को ध्यान में रखते हुए, सब्जियां, प्रसंस्करण और लाभकारी कीमतों को सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक कार्यक्रम लागू किया जाएगा।

राष्ट्रीय खेल महासंघों को सहायता

राष्ट्रीय खेल महासंघों को सहायता के लिए निर्धारित राशि को भी 340 करोड़ रुपये से मामूली तौर पर बढ़ाकर 400 करोड़ रुपये कर दिया गया है। भारत वर्तमान में 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए एक महत्वाकांक्षी बोली की तैयारी कर रहा है। भारत ने इसके लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति को एक आशय पत्र प्रस्तुत किया है।

फ्लैट रहा शेयर मार्केट

बजट 2025 पेश होने के बाद 1 फरवरी को सेंसेक्स 5 अंक की तेजी के साथ 77,505 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में 26 अंक की गिरावट रही, ये 23,482 के स्तर पर बंद हुआ। बजट के लिए मार्केट खासतौर पर शनिवार के दिन खुला था। वहीं, बीएसई मिडकैप 212 अंक की गिरावट के साथ 42,884 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 16 में तेजी और 14 में गिरावट रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 29 में गिरावट और 22 में तेजी रही।

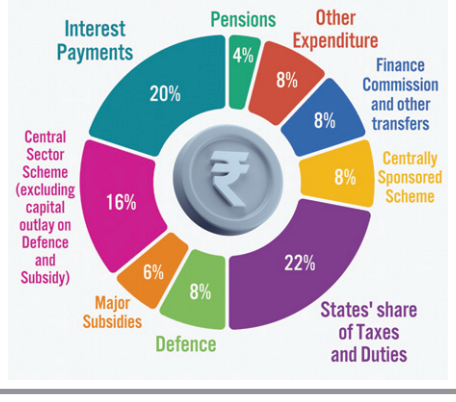

जल जीवन मिशन को प्राथमिकता

बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि जल जीवन मिशन का कुल बजटीय परिव्यय बढ़ाकर 67 हजार करोड़ रुपये कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह मिशन 2028 तक बढ़ा दिया गया है। उन्होंने कहा कि देश की ग्रामीण आबादी के 80 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करने वाले 15 करोड़ लोगों को 2019 से जल जीवन मिशन से फायदा हुआ है। इस मिशन के तहत नल का पेयजल उपलब्ध कराया जाता है और अगले 3 वर्षों में मिशन का लक्ष्य शत-प्रतिशत लोगों को नल का पेयजल उपलब्ध कराना है।

अगले हफ्ते नया आयकर विधेयक पेश करने का प्रस्ताव

बजट पेश करने के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, मैं अगले हफ्ते नया आयकर विधेयक पेश करने का प्रस्ताव करती हूं। वित्तमंत्री ने कहा कि लोकसभा में प्रत्येक बुनियादी ढांचा मंत्रालय पीपीपी मोड में विकसित की जाने वाली परियोजनाओं की तीन साल की पाइपलाइन लेकर आएगा। 50 साल के ब्याज मुक्त ऋण के माध्यम से राज्यों के बुनियादी ढांचे पर खर्च के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपये का परिव्यय प्रस्तावित है। सीतारमण ने कहा, ऋण तक पहुंच में सुधार करने के लिए क्रेडिट गारंटी कवर को बढ़ाया जाएगा। सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए 5 करोड़ से 10 करोड़ रुपये तक, जिससे अगले 5 वर्षों में 1.5 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त ऋण मिलेगा।

विकसित भारत के लिए परमाणु ऊर्जा मिशन

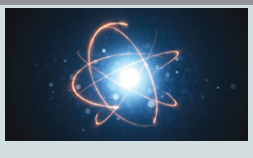

वित्त मंत्री ने कहा कि विकसित भारत के लिए परमाणु ऊर्जा मिशन के तहत 2047 तक कम से कम 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा का विकास हमारे ऊर्जा परिवर्तन के लिए आवश्यक है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निजी क्षेत्रों के साथ सक्रिय भागीदारी के लिए परमाणु ऊर्जा अधिनियम और परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम में संशोधन किए जाएंगे।

बजट-2025-26 : डॉक्टर, चैंबर अधिकारी, शिक्षक व व्यापारियों ने व्यक्त की अपनी राय

केंद्र सरकार के आम बजट को लोगों ने बताया संतुलित, मध्यम वर्ग को राहत

शनिवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मोदी 3.0 सरकार का आम बजट संसद में पेश किया। इसमें वित्त मंत्री ने कई महत्वपूर्ण एलान किए। इसके तहत कृषि, एमएसएमई, निवेश और निर्यात को विकास के चार इंजन बताया। वहीं आयकर स्लैब में बदलाव किए गए हैं, जिसमें 12 लाख रुपये तक की सालाना आय पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। इसके अलावा टैक्स स्लैब में कई और बदलाव किए गए है। वहीं किसानों के लिए प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना का एलान किया गया। इस बजट पर रांची शहर के लोगों ने भी अपनी रहे व्यक्ति की है। इसमें लोगों ने इस सरकार के बजट को संतुलित बताया। वहीं कुछ लोगों ने कहा कि हेल्थ इंश्योरेंस को जीएसटी से मुक्त किया जाना चाहिए

यह बजट आम जनता का बजट है। इसमें हर वर्ग का ध्यान सरकार ने रखा है। आजादी के बाद यह पहली बार है, जब देश के बहुतायत मध्यमवर्ग के लोगों के लिए बजट पेश किया गया है। इसे देश का समावेशी बजट कहा जा सकता है। इनकम टैक्स स्लैब में बड़ा बदलाव किया गया है। जिससे कि मिडिल क्लास वालों को बड़ी राहत मिलेगी। इन्कम टैक्स में न्यूनतम 80 हजार बचत से भारतीय बाजार को मजबूती मिलेगी। सरकार ने किसान, युवा, रोजगार के अलावा मरीजों और बाजार का भी ध्यान रखा है।

अजय कुमार, बीएयू के रिटायर्ड पीआरओ।

बजट में आयकर स्लैब में सुधार से अधिकांश मध्यम वर्ग के कर्मचारियों को महत्वपूर्ण लाभ हुआ है। जो भी सैलरी वाले वर्किंग लोग है उनके लिए टैक्स में राहत दी गई है। नई पालिसी के तहत, जिनकी आय 12 लाख से कम है वे आयकर देने के लिए बाध्य नहीं होंगे। यह नई टैक्स रेजिम अधिकतर लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए डिजाइन की गई है। कृषि बुनियादी ढांचे में सुधार पर ध्यान केंद्रित करते है। शिक्षा के लिए आवंटन बढ़ा है, जो शैक्षिक बुनियादी ढांचे और डिजिटल शिक्षा तक पहुंच में सुधार पर अधिक जोर देता है। कुल मिलाकर, केंद्रीय बजट 2025 अधिक प्रगतिशील और सहायक है।

डॉ. कुमार एएन शाहदेव, एसोसिएट प्रोफेसर, प्राचार्य मांडर कॉलेज मांडर, रांची विश्वविद्यालय।

समृद्ध एवं विकसित भारत के लिए समावेशी बजट है। गरीब, किसान, युवा और महिलाओं का ध्यान रखा गया है। मेडिकल फील्ड में 75 हजार नए एमबीबीएस सीटें, जिसमें 10 हजार इसी वर्ष से बढ़ाई जाएंगी। वहीं 200 सरकारी अस्पतालों में कैंसर डे केयर सेंटर बनाने, मेडिकल टूरिज्म के लिए इजी वीजा, 36 कैंसर की दवा को टैक्स फ्री करना, मेडिकल इक्विपमेंट सस्ता, इंश्योरेंस सेक्टर में 100 प्रतिशत एफडीआइ करने से मेडिकल इंश्योरेंस में लोगों को ज्यादा लाभ मिलेगा।

डॉ. अभिषेक रामाधीन, उपाध्यक्ष, आईएमए, रांची।

केंद्र सरकार की केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश किया। इसमें मिडिल क्लास को रिझाने का काम किया गया है। 12 लाख स्लैब पर टैक्स नहीं लगाने की बात कही गई है। वहीं 75,000 इसके फायदे भी बताए गए हैं। इसे देखकर मिडिल क्लास खुश हो जाएगा। लेकिन, दिल्ली और बिहार में होने वाले चुनावों को देखते हुए सरकार ने इस बजट में पेश किया है। भले ही मिडिल क्लास फैमिली बीजेपी को अपना बहुमत देगी। लेकिन, जनता सब जान चुकी है। महंगाई चरम सीमा पर है। आर्थिक स्थिति चरमराई हुई है। कुल मिलाकर यह चुनाव का लॉलीपॉप है।

राकेश पासवान, अध्यक्ष, जेजेएमजे।

भारत सरकार द्वारा जो आज बजट पेश किया गया है। यह बजट कंफ्यूज करने वाला बजट है। इस बजट में केंद्र सरकार ने सिर्फ पूंजीपतियों ख्याल रखा है। इस बजट पर मध्य वर्ग एवं गरीब परिवार लोगों के लिए किसी प्रकार का राहत देने का कार्य नहीं किया गया। बजट में झारखंड को अनदेखा किया गया है। जिससे साफ है कि सरकार केवल उन्हीं राज्यों में ध्यान देती है जहां भाजपा की सरकार राज्य में भी है।

अर्जुन यादव, पूर्व महानगर अध्यक्ष, राष्ट्रीय जनता दल।

12 लाख रुपये तक को टैक्स से छूट देने के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी को बहुत-बहुत बधाई। सभी वर्ग को ध्यान में रखते हुए यह बजट पारित हुआ है। गरीब, किसान, फसल, स्वास्थ्य शिक्षा, सभी सेक्टर को लेकर सरकार ने योजना तैयार की है। जिससे आने वाले समय में हमारा देश विकास की राह पर आगे बढ़ेगा।

राकेश कुमार सिंह चंदेल, समाजसेवी

आम बजट में हर वर्ग का ख्याल रखा गया है। 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को पूरा करने का रोडमैप है। गरीब, युवा, किसान और नारी शक्ति के साथ मध्यमवर्ग को राहत देने वाले इस बजट के लिए प्रधानमंत्री का आभार। वित्त मंत्री ने विकसित भारत के लक्ष्य को पूर्ण करने में हर वर्ग की सहभागिता को सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा है। यह पहली बार हुआ है, जब जोमैटो, स्विग्गी सहित विभिन्न प्लेटफार्म पर जुड़कर घर-घर सामान पहुंचाने का काम करने वाले युवाओं को अलग से पहचान पत्र देने की बात हुई है। इसके साथ ही भारत सरकार उनका बीमा भी करेगी। यह देश के लाखों युवाओं के लिए कल्याणकारी होगा। 12 लाख तक की आय पर किसी तरह इनकम टैक्स नहीं लगेगा। किसान क्रेडिट कार्ड को 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख तक की गई है।

संजय सेठ, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री-सह-सांसद, रांची।

केंद्र की सरकार ने जो बजट पेश किया है, उसमें कुछ नहीं है। बजट में सब घीसा पीटा हुआ है। आमलोगों के लिए बजट में कुछ नहीं है। किसान के लिए कुछ खास नहीं किया गया है बजट। केंद्र ने गरीब विद्यार्थियों के लिए भी कुछ नहीं किया है। बजट में झारखंड के लोगों को पूरी तरह से दरकिनार किया गया है। आखिर सरकार ने जो बजट पेश किया है वह किसके लिए है। बजट में कई चीजें उलझाने वाली है। टैक्स स्लैब को भले ही बढ़ा दिया गया है। लेकिन पुराने टैक्स स्लैब से परेशानी होगी।

गोपाल पांडे, एआईपीसीसी, झारखंड कांग्रेस।

बजट में सिर्फ आयकर दाताओं को राहत दी गई है। निम्न आय या मध्यम आय वर्ग के लोगों की पूरी उपेक्षा की गई है। आईआईटी, मेडिकल में सीटें बढ़ाने की घोषणा सरकार ने की है। लेकिन इन संस्थाओं से निकले छात्रों के रोजगार के अवसर के संबंध में चर्चा नहीं की गई है। सरकार रोजगार सृजित करने की जगह स्टार्टअप के लिए ऋण का लॉलीपॉप लेकर आई है। यह बजट देश की बदहाल आर्थिक व्यवस्था से ध्यान भटकाने की कोशिश है। टैक्स स्लैब में सिर्फ एक लाख की बढ़ोतरी को छिपा कर सरकार अपनी पीठ खुद थपथपा रही है। उच्चतर संस्थाओं से निकले छात्रों का अधिकतम वेतन 10 वर्ष पूर्व जितना था आज भी उतना ही है। यह सरकार की नाकामी का जीता जागता उदाहरण है। हर बार बजट में कई प्रावधान किए जाते हैं। लेकिन उन प्रावधानों को कूड़े के ढेर में फेंक दिया जाता है।

सोनाल शांति, प्रवक्ता, प्रदेश कांग्रेस कमिटी।

अब तक का सबसे कमजोर बजट है। इस बजट से साफ पता चलता है कि खोदा पहाड़ निकली चुहिया। जिन बैसाखी की बदौलत भाजपा सरकार में है उनको मदद करने के लिए पूरे देश के विकास को ताक पर रख दिया। भाजपा ने एकबार फिर झारखंड को छलने का काम किया। लोगों को उम्मीद थी कि बजट में हमारा एक लाख छत्तीस हजार करोड़ रुपये पर चर्चा होगी, लेकिन कुछ नहीं हुआ। इस राज्य से लोकसभा और राज्यसभा मिलाकर 12 सांसद है जिसमें दो मंत्री। लेकिन इनके नकारापन के कारण झारखंड को आम बजट में हाशिए पर धकेल दिया गया।

राकेश सिन्हा, मीडिया प्रभारी, झारखंड प्रदेश कांग्रेस।

समृद्ध एवं विकसित भारत के लिए संतुलित बजट है। हर वर्ग के लोगों का विशेषकर गरीब, किसान, युवा और महिलाओं का ध्यान रखा गया है। मेडिकल फील्ड में हजारों नये एमबीबीएस सीट की बात की गई है। 200 सरकारी अस्पतालों में कैंसर डे केयर सेंटर बनाए जाएंगे। इसके अलावा मेडिकल टूरिज्म के लिए वीजा का सरलीकरण, कैंसर की 36 दवा को टैक्स फ्री करने जैसी घोषणाएं बड़ा कदम साबित होगी। मेडिकल इक्विपमेंट सस्ता होगा। साथ ही इंश्योरेंस सेक्टर में एफडीआइ 100 परसेंट कर दिया गया है।

डॉ. ठाकुर मृत्युंजय कुमार सिंह, सचिव, झासा, झारखंड।

2025 के केंद्रीय बजट में आयकर स्लैब में सुधार से अधिकांश मध्यम वर्ग के कर्मचारियों को महत्वपूर्ण लाभ हुआ है। नई टैक्स रेजिम के तहत, जिनकी आय 12 लाख से कम है वे आयकर देने के लिए बाध्य नहीं होंगे। यह नई टैक्स रेजिम अधिकतर लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए डिजाइन की गई है। दोनों बजट कृषि बुनियादी ढांचे में सुधार पर ध्यान केंद्रित करते है। शिक्षा के लिए आवंटन बढ़ा है, जो शैक्षिक बुनियादी ढांचे और डिजिटल शिक्षा तक पहुंच में सुधार पर अधिक जोर देता है। कुल मिलाकर, केंद्रीय बजट 2025 अधिक प्रगतिशील और सहायक है।

राजेश कुमार।

सरकार ने बजट में योजनाएं तो ठीक बनाई है। टैक्स स्लैब में बड़ी राहत देने की घोषणा की गई है। लेकिन हेल्थ इंश्योरेंस में जीएसटी से छूट देनी चाहिए थी। इस पर सरकार ने ध्यान नहीं दिया है। टैक्स पॉलिसी को लेकर भी कुछ कंफ्यूजन है। इसमें जबतक सारी चीजें स्पष्ट नहीं होती तो कुछ भी कहना जल्द बाजी होगी। 12 लाख तक टैक्स फ्री तो अच्छा लग रहा है। लेकिन इसके लिए भी क्या शर्तें है इसे भी जानना होगा।

मोनू गुप्ता, व्यवसायी।

सरकार का ये बजट बहुत ही संतुलित बजट है। जिसमें मध्यम वर्गीय लोगों का ध्यान रखा गया है। टैक्स स्लैब से लेकर युवाओं पर सरकार का फोकस है। एमएसएमई को उत्साहित करने के लिए केंद्र सरकार की बजट योजना बहुत अच्छी है। कुल मिलाकर बजट में सभी वर्गों सभी सेक्टर का ध्यान रखा गया है। स्टार्टअप को बढ़ावा देना युवा शक्ति के लिए एक अच्छा अवसर है। इससे युवा खुद से अपने पैरों पर खड़े हो सकेंगे। इसमें उन्हें सरकार का सहयोग भी मिलेगा।

किशोर मंत्री, एफजेसीसीआई

महिलाओं के हाथों को सशक्त बनाने की दिशा में सरकार को सकारात्मक कदम उठाने चाहिए। महिलाओं को हुनरमंद बनाने के लिए प्रशिक्षण देने की जरूरत है। मुफ्त की योजनाओं पर विराम लगाने की जरूरत है। आखिर केंद्र सरकार केवल घोषणाएं करती है। उसे धरातल पर भी उतारने की जरूरत है।

सृष्टि भारतीय

हेल्थ सेक्टर के प्रमुख फैसले स्वागत योग्य हैं। भारत में मेडिकल टूरिज्म के लिए आसान वीजा उपलब्ध करवाया जाएगा। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का इलाज आसान होगा। देश के 200 जिला अस्पतालों में कैंसर डे केयर सेंटर खोले जाएंगे। कैंसर की 36 दवाइयां भी सस्ती हो जाएंगी। इससे मरीजों को राहत मिलेगी। मेडिकल उपकरण सस्ते होंगे। कई दवाइयों पर टैक्स में छूट मिलेगी, जिससे दवाइयां सस्ती होंगी। राज्यों में सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं के बढ़ोतरी को थोड़ा अनदेखा किया गया है। हेल्थ एक प्रमुख विषय हैं।

डॉ. विकास कुमार

मेडिकल उपकरण सस्ते होंगे। 6 जीवनरक्षक दवाओं पर ड्यूटी कम की गई है। 36 दवाओं पर से बेसिक ड्यूटी घटेगी। कैंसर की दवाएं सस्ती की गई है जो स्वागत योग्य है। मिडिल क्लास को सरकार ने बड़ी राहत दी है। बेरोजगारी दूर होगी। टूरिज्म, मेक इन इंडिया के अलावा बेरोजगारी दूर होगी। स्टार्ट अप पर सरकार ने फोकस किया है। छोटे उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। सीनियर सिटीजन को भी राहत दी गई है।

डॉ. प्रदीप कुमार

कहा जा रहा है को बजट मध्यमवर्गीय के लिए बहुत अच्छा है। लेकिन, चौंकाने वाली बात ये है कि 12 लाख आय तक कर से छूट है। आम आदमी की आय इतनी ऊपर तक कहा हो पाती है। मध्यमवर्ग को कोई फर्क नहीं पड़ा बजट से। उनकी उम्मीद जस की तस है। आखिर सरकार ने केवल बजट के नाम पर लॉलीपॉप दिया है। शिक्षा और रोजगार को लेकर भी केवल घोषणाएं हुई है। इसके भविष्य में क्या परिणाम होंगे। इसे देखने वाला कोई नहीं है।

विकास कुमार, शिक्षक

BRIEF NEWS

हरा राशन कार्ड नहीं बांटने वाले डीलरों को शोकॉज

RANCHI : शनिवार को उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी मोनी कुमारी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। इसमें विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और वितरण की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। तत्काल आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए। राशन वितरण से संबंधित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर समीक्षा की गई। सबसे पहले हरा राशन कार्ड के वितरण की स्थिति पर चर्चा की गई। इसमें जनवरी 2025 के वितरण में कुछ डीलरों ने जीरो प्रतिशत वितरण किया है, जबकि कुछ डीलरों ने 100 प्रतिशत वितरण किया। जीरो प्रतिशत वितरण करने वाले डीलरों से स्पष्टीकरण मांगा गया और वितरण में सुधार लाने के निर्देश दिए गए।

मदरसा रहमानिया हिंदपीढ़ी में की गई दुआ की मजलिस

PHOTON NEWS RANCHI :

शनिवार को मदरसा रहमानिया हिंदपीढ़ी में दुआ की मजलिस की गई। मौके पर हाफिज मोहम्मद मिकाइल रहमानी ने कहा कि समीउल हसन आजाद रांची शहर के जाने-माने शख्सियत थे, क्योंकि जब मेरी मुलाकात किसी बात को लेकर हुई थी। फिर इन्होंने मेरी सारी बातें सुनी। कहा, आप बहुत ही अच्छा काम कर रहे हैं। सनम इलाके में यह काबिले तारीफ की बात है और हम लोगों से जो हो सकेगा, हम मदरसा रहमानिया के लिए खड़े रहेंगे। आज से कुछ दिन कबल उनका इंतकाल हो गया है। अल्लाह ताला उनकी मगफिरत फरमाए और उन्हें जन्नतुल फिरदौस में आला से आला मुकाम अता फरमाए। हमेशा उनकी कमी महसूस होगी। मौके पर समीउल हसन आजाद की बेटी शानम ने कहा हमारे वालिद मोहतरम हमेशा नसीहत करते थे। बेटा किसी की जरूरत को पूरी कर देना ही एक इबादत है।

मेदांता को मिला एएचपीआई हेल्थकेयर एक्सीलेंस अवार्ड

- डॉक्टर गिरिधर ज्ञानी बोले- क्रिटिकल केयर सेवाओं और अस्पताल संचालन में उत्कृष्टता के मानकों को सफलतापूर्वक किया पूरा

PHOTON NEWS RANCHI :

एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स ऑफ इंडिया ने मेदांता अब्दुर रज्जाक अंसारी मेमोरियल वीवर्स हॉस्पिटल रांची को क्रिटिकल केयर सेवाओं में उत्कृष्टता के लिए एएचपीआई हेल्थकेयर एक्सीलेंस अवार्ड 2025 से सम्मानित किया। यह पुरस्कार केरल के कोची में आयोजित ग्लोबल कॉन्क्लेव में मेदांता रांची के एसोसिएट हॉस्पिटल डायरेक्टर विश्वजीत कुमार और हेड ऑफ क्रिटिकल केयर डॉक्टर तापस साहू को प्रदान किया गया। डॉक्टर गिरिधर ज्ञानी ने इस सम्मान के दौरान कहा कि मेदांता रांची ने क्रिटिकल केयर सेवाओं और अस्पताल संचालन में उत्कृष्टता के मानकों को सफलतापूर्वक पूरा किया। अस्पताल ने एएचपीआई द्वारा निर्धारित सभी मापदंडों का पालन किया है, जिससे यह स्पष्ट है कि मेदांता रोगियों को उच्चतम चिकित्सा सेवाएं और विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करता है। विश्वजीत कुमार ने कहा यह सम्मान हमारे प्रयासों की पहचान है। हम भविष्य में भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। डॉक्टर तापस साहू ने भी इस उपलब्धि को टीम की मेहनत का परिणाम बताया।

संत माइकल्स के वार्षिक खेल महोत्सव में बच्चों ने किया शानदार प्रदर्शन

PHOTON NEWS RANCHI :

संत माइकल्स कोलंबी में शनिवार को वार्षिक खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें संत माइकल्स प्ले स्कूल के नन्हे छात्रों ने अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरूआत सीनियर स्कूल के प्रधानाचार्य ने किया। जिन्होंने छात्रों को खेल भावना और टीम वर्क के महत्व के बारे में बताया। इस दौरान कलेक्ट द बॉल, फ्रॉग रेस और एम द बॉल इंटू द बास्केट जैसे खेलों का आयोजन किया गया। बच्चों के साथ-साथ अभिभावकों ने भी प्रतियोगिताओं में भाग लिया, जिससे कार्यक्रम और भी रोमांचक बन गया। छात्रों ने ड्रिल्स का प्रदर्शन किया। जिसमें उन्होंने खेल से संबंधित प्रॉप्स और गानों के साथ तालमेल बैठाया। विजेताओं को पुरस्कार देते हुए प्रधानाचार्य ने सभी को उनके प्रयासों के लिए बधाई दी।

पिठोरिया में पुलिस की कार्रवाई, नष्ट की गई दो एकड़ में फैली अफीम की खेती

PHOTON NEWS RANCHI :

पिठोरिया थाना प्रभारी गौतम कुमार राय की अगुवाई में अवैध अफीम की खेती के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो एकड़ में फैली फसल को नष्ट कर दिया। यह अभियान थाना क्षेत्र के पुसु गांव के महुआ जारा चलाया गया। इस मामले में किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। गौरतलब है कि बड़ी मात्रा में अफीम की खेती की जा रही थी। अधिकारियों ने खेतों में खड़ी फसल को नष्ट कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की बात कही है। साथ ही नशे के खिलाफ यह कारवाई निरंतर जारी रहेगी। इस अवैध धंधे में लिप्त लोगों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। स्थानीय प्रशासन ने किसानों और आम जनता से अपील की है कि वे अवैध अफीम की खेती से दूर रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। इस अभियान में थाना प्रभारी गौतम कुमार राय के साथ अवर निरीक्षक सत्यदेव प्रसाद , सुनील दास, एएसआई अमृत प्रसाद मेहता, हवलदार जय कृष्णा राम, विजय सिंह, सुनील टॉपनो, ललित जोजो, सहित सशस्त्र बल की टीम शामिल थी।

एजी चर्च हाई स्कूल में 10वीं के विद्यार्थियों को 9वीं के छात्र-छात्राओं ने दी विदाई

PHOTON NEWS RANCHI :

असेंबली ऑफ गॉड चर्च हाई स्कूल, तिरिल डेला टोली कोकर में शनिवार को कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों ने उन्हें विदाई दी। मुख्य अतिथि रेवरेंट डॉ. जॉन टोप्पो ने छात्रों को अच्छे नागरिक बनने और जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य अजय कुजूर ने छात्रों को आगामी परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं दी। वहीं उप प्राचार्य देवघरिया उरांव ने बच्चों का उत्साहवर्द्धन किया।

फर्स्ट मार्क पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव में बच्चों ने दिखाया हुनर का कमाल

PHOTON NEWS RANCHI :

फर्स्ट मार्क पब्लिक स्कूल ने सोहराई भवन में शनिवार को 13वां वार्षिकोत्सव संस्कृति धूमधाम से मनाया। मुख्य अतिथि के रूप में डीसी रांची मंजुनाथ भजंत्री मौजूद थे। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस दौरान बच्चों ने गणेश वंदना, नागपुरी नृत्य, अंग्रेजी नाटक और भारतीय संस्कृति पर आधारित हिंदी नाटक प्रस्तुत किए। जिनमें बच्चों की प्रतिभा ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। वार्षिक रिपोर्ट में विद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों, खेलकूद गतिविधियों और विभिन्न प्रतियोगिताओं में बच्चों की सफलता का उल्लेख किया गया। श्रेष्ठ अभिभावक पुरस्कार बिनोद कुमार और मो मेराज शम्सी को दिया गया। मुख्य अतिथि ने बच्चों की कला और कौशल की सराहना करते हुए कहा कि ये बच्चे कल के भारत निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रशासक प्रमोद कुमार ने विद्यालय की उपलब्धियों को साझा करते हुए इसे एक वरदान बताया।

सुविचार

चुनें नहीं, जीवन को स्वीकारें, क्योंकि यह अपनी समग्रता में है। – ओशो

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Sunday, 02 February 2025 ● Year : 03 ● Issue : 20 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

12 Priyanka Chopra Recalls A...

SARAFA

सोना	:	7,594
चांदी	:	107.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

पूर्व सीईसी नवीन चावला का निधन

NEW DELHI : पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) नवीन चावला का शनिवार को निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे। चावला के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए निर्वाचन आयोग ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में कई सुधार किए, जिसमें तृतीय लिंग के मतदाताओं को पुरुष या महिला के रूप में मतदान करने के लिए बाध्य करने के बजाय एक नयी श्रेणी अन्य के तहत मतदान करने का प्रावधान करना शामिल है। निर्वाचन आयोग ने कहा कि 16वें सीईसी के तौर पर चावला ने निर्वाचन आयुक्तों को हटाने की प्रक्रिया को सीईसी के समान बनाने के लिए संवैधानिक सुधारों की वकालत की थी। बयान में कहा गया, चुनावी प्रक्रिया के प्रति उनका नेतृत्व और प्रतिबद्धता निर्वाचन आयोग में हमें प्रेरित करती रहेगी।

उपराष्ट्रपति ने संगम में डुबकी लगाई

MAHAKUMBHNAGAR : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को प्रयागराज महाकुंभ में पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ संगम में डुबकी लगाई और सूर्यदेव को अर्घ्य दिया। धनखड़ पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ हेलीकॉप्टर से तीर्थराज प्रयागराज पहुंचे, जहां हेलीपैड पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंगवस्त्र ओढ़ाकर उनका स्वागत किया। यहां से वह अरैल संगम घाट की ओर बढ़े, जहां क्रूज पर सवार होकर उन्होंने नौकायन का आनंद लिया और त्रिवेणी संगम में चिह्नित स्थान पर स्नान किया। धनखड़ ने स्वस्ति वाचन की गूंज के बीच संगम में आस्था की डुबकी लगाई। स्नान के दौरान वृंदावन के मुख्य पुजारी पुंडरीक गोस्वामी ने पूजा-अर्चना की। नौकायन के दौरान साइबेरियन पक्षियों को देखकर उपराष्ट्रपति उत्साहित नजर आए।

यूक्रेन में रूसी हमले में पांच की मौत

KYIV : यूक्रेन के शहरों और नगरों पर रात में रूस के ड्रोन एवं मिसाइल हमलों में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गयी। स्थानीय अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। इस बीच, रूस की सेना यूक्रेन के पूर्वी हिस्से में अपनी आक्रामक बढ़त बनाये हुए है। बताया जा रहा है कि यूक्रेनी पोल्टावा शहर में एक अपार्टमेंट पर रूसी मिसाइल हमले में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। पोल्टावा क्षेत्र के कार्यवाहक गवर्नर वोलोदिमिर कोहुत ने इसकी पुष्टि की।

नौकरशाही

ब्रजेश मिश्र

झारखंड की नौकरशाही वाले मुहल्ले में इन दिनों भूकंप से पहले की शांति है। सबकी निगाहें इस बात पर लगी हैं कि सरकार कब बड़े प्रशासनिक फेरबदल करने का निर्णय लेती है। 2017 बैच के कुछ आईएएस अधिकारी वर्तमान में उपायुक्त के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। जबकि कई अब भी जनपद की कमान पाने की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

मंजिल के मुसाफिर...

गुरु अपने कुछ चेलों को साथ लिए टहल रहे थे। नजदीक पहुंचा तो पता चला वह कसरी कानपुरी का शेर दोहरा रहे हैं :- **कोई मंज़िल के करीब आ के भटक जाता है, कोई मंज़िल पे पहुंचता है भटक जाने से...।** गुरु के मुंह से शेर-ओ-शायरी सुनकर रहा नहीं गया। सो, अपनी उपस्थिति का अहसास कराते हुए पूछ लिया। क्या हुआ गुरु? किसके दर्द को आवाज दे रहे हैं? गुरु बोले, बच्चा ये पंक्तियां इन दिनों झारखंड की नौकरशाही के मौजूदा हालात पर बड़ी मौजूं है। पढ़ाई-लिखाई वाले महकमे की सीढ़ियां उतर रहा था। एक नौजवान को हाथ में फाइल लेकर ऊपर चढ़ते हुए देखा। आगे-आगे वह, पीछे-पीछे बॉडीगार्ड। रहा नहीं गया ये दर्द देखकर। कुछ महीने पहले एक खूबसूरत हवा का झोंका आया, लगा बदरी छंट गई, काली रात गुजर गई। शशि का प्रकाश फैलेगा, लेकिन अचानक से सबकुछ थम गया। इंतजार लंबा होता चला गया। वो भी पूरे पांच महीने। ईश्वर किसी को ऐसा दुख न दें। गुरु के दर्द से पूरी संवेदना जताई। सिर हिलाया, लेकिन दिमाग में नया प्रश्न खड़ा हो गया। क्या ऐसा पहली बार हुआ? गुरु बोले, नहीं। पहले भी ऐसा होता रहा है। बाबानगरी से राजधानी

तक पिछले दो चुनावी समर में कुछ ऐसी ही कहानियां दोहराई गईं। युद्ध के समय सेनापति बदले गए। समर थमते ही फिर चहेते का राजतिलक कर दिया गया। मोर्चे पर लड़ने वाले बंकरों में बैठा दिए गए। गुरु के प्रवचन से शेर की पहली लाइन तो स्पष्ट हो गई, अब बात दूसरी पंक्ति पर ठहर गई। गुरु शायद मौन का अर्थ समझ गए। बोले :- इस कहानी के ठीक उलट कुछ लोग बड़े भाग्यशाली रहे। आनन-फानन में कमान मिली और फिर राजयोग शुरू हो गया। राजतिलक तक तो ठीक, राजयोग? पूछा, गुरु राजयोग किसका? गुरु शिष्य की नासमझी से थोड़े खीझ से गए, बोले, इसी लिए कहता हूं, तुम्हें अभी तंत्र को समझने में बहुत समय लगेगा। अरे भाई, लौहनगरी नरेश को भूल गए। सौम्य, शालीन, मृदुभाषी, सहृदय जैसी अनन्य उपमाओं से विभूषित कार्यपालिका के नवरत्न की बात कर रहा हूं। उथल-पुथल के दौर में भी निष्कंटक भाव से पश्चिम दिशा की कमान संभाले रखी। जैसे ही पूर्व में तूफान मचा, बिना देर किए बागडोर थाम ली। आशंका थी कि मौसम सामान्य होने पर घर वापसी हो जाएगी, लेकिन भाग्य भी कोई चीज होती है। कहने वाले कहते हैं कि नरेश के दांपत्य जीवन की शुरूआत होने के साथ ही सारे ग्रह-नक्षत्र सीधी रेखा में आकर बैठ गए। वह दिन है और आज का दिन है, कभी पीछे मुड़ कर देखने की जरुरत नहीं पड़ी। चाहे बात जनपद के कमान की हो या दिल्ली में सम्मान की। हर जगह साहब का जलवा है।

त्वरित टिप्पणी

वीरेंद्र ओझा

केंद्र सरकार की ओर से पेश किए गए बजट को लेकर अलग-अलग लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं हैं। राजनीतिक दलों के लोग जहां दलगत भावनाओं को ध्यान में रखकर टिप्पणी कर रहे हैं। वहीं अधिकांश आर्थिक जानकार बजट को मध्यम वर्ग के लिए बड़ी सौगात बता रहे हैं।

मोदी ने खोला 'दिल'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट शनिवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेश किया। एक घंटे सत्रह मिनट के लंबे भाषण में कुल करीब 50 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया गया। सत्तापक्ष जहां इस बजट को ऐतिहासिक करार दे रहा है, वहीं विपक्ष घोषणाओं पर सवाल खड़े कर रहा है। इन सबके बीच इस बजट में बहुत कुछ ऐसा है, जो सीधे तौर पर आम लोगों के हितों को प्रभावित करने वाला है। इस बार के बजट में मिडिल क्लास को बहुत बड़ी सौगात मिली है। सरकार के नए फरमान के अनुसार अब 12 लाख तक की कमाई पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। नौकरीपेशा लोगों को 75 हजार रुपये का अतिरिक्त स्टैंडर्ड डिडक्शन भी मिलेगा। यानी 12.75 लाख रुपये तक इनकम टैक्स फ्री। हालांकि इसमें दो शर्तें लगाई गई हैं। उस पर अलग से बहस हो सकती है। इनकम टैक्स पर हुए एलान के बाद केंद्र सरकार को डायरेक्ट टैक्स में 1 लाख करोड़ रुपये, वहीं इनडायरेक्ट टैक्स में 2,600 करोड़ के रेवेन्यू का नुकसान हो सकता है। हालांकि इनमें से एक बड़ा हिस्सा वापस सरकार के पास आ जाएगा। सरकार को उम्मीद है कि टैक्स को लेकर हुए बदलाव के बाद लोगों के पास पैसे बचेंगे और लोग यह पैसे दूसरी चीजों पर खर्च करेंगे। इससे विभिन्न सेक्टर में नई ऊर्जा मिलेगी। इनकम टैक्स में बदलाव से लोगों के हाथ में अतिरिक्त पैसे आएंगे। इनकम टैक्स के अलावा दो और अहम फैसलों की घोषणा की गई है। इसमें टीडीएस यानी टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स और टीसीएस यानी टैक्स कलेक्टेड एट सोर्स शामिल है। धारा 194ए के तहत सीनियर सिटीजन को पहले 50 हजार रुपये तक की इंट्रेस्ट इनकम पर टीडीएस लगता था, जिसे अब बढ़ाकर 1 लाख रुपये कर दिया गया है। वहीं, अन्य लोगों के लिए ये इंट्रेस्ट इनकम पर टैक्स 40,000 से बढ़ा कर 50,000 कर दिया गया है। मोदी सरकार के खिलाफ लगातार आवाज उठाने वाले किसानों की समस्याओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है। सरकार ने एग्रीकल्चर को ह्यसेक्टर ऑफ द फ्यूचरह्व यानी भविष्य का क्षेत्र कहा है। अपने बजट में सरकार ने दाल के लिए मिशन लॉन्च करने की बात कही है। इसके अलावा वित्त मंत्री ने किसान क्रेडिट कार्ड के तहत मिलने वाले लोन की लिमिट 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपये करने का एलान किया है। इसका फायदा 7.7 करोड़ किसानों को मिलेगा। बिहार के लिए बजट में बहुत कुछ दिया गया है। इसे एक तरफ जहां चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ नीतीश कुमार को राजग के पाले में रखने की कोशिश का हिस्सा माना जा रहा है। बजट में बिहार के लिए ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट, पटना आईआईटी का विस्तार, मखाना के लिए अलग से बोर्ड बनाना और मिथिलांचल में बाढ़ से निपटने के लिए नई योजना का एलान किया गया है। विपक्ष का दावा है कि पूंजीगत खर्च में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं दिख रही है।

बीजापुर में मुठभेड़, सुरक्षाबलों ने आठ माओवादियों को मार गिराया

नक्सल विरोधी अभियान में छत्तीसगढ़ पुलिस व सीआरपीएफ को कामयाबी

BIJAPUR (BHASHA) : छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने शनिवार को मुठभेड़ में आठ माओवादियों को मार गिराया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ स्थल से इंसास राइफल और बीजीएल (बैरल ग्रेनेड लॉन्चर) समेत कई हथियार बरामद किए गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, शुक्रवार को गंगालूर में माओवादियों के पश्चिम बस्तर डिवीजन के सशस्त्र माओवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कोबरा बटालियन के दल को माओवादी विरोधी अभियान के लिए रवाना किया गया। अधिकारियों के अनुसार, माओवादियों ने शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे सुरक्षाबलों के संयुक्त दल पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि माओवादी विरोधी अभियान के दौरान सुबह से लेकर दोपहर बाद तक सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच रुक-रुककर कई बार गोलीबारी हुई। अधिकारियों के मुताबिक, मुठभेड़ के बाद जब घटनास्थल की तलाशी ली गई, तब वहां से आठ नक्सलियों के शव और इंसास राइफल व बीजीएल समेत कई हथियार बरामद किए गए। अधिकारियों ने कहा कि मुठभेड़ में कई और माओवादियों के मारे जाने और घायल होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में तलाश अभियान जारी है। इस मुठभेड़ के साथ ही 2025 में छत्तीसगढ़ में अब तक हुई अलग-अलग मुठभेड़ में कम से कम 50 माओवादी मारे जा चुके हैं। राज्य के गरियाबंद जिले में 20-21 जनवरी को हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 16 माओवादियों को मार गिराया था। पिछले साल छत्तीसगढ़ में अलग-अलग मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने 219 माओवादियों को मार गिराया था।

● प्रतीकात्मक तस्वीर

सुरक्षा घेरा तोड़कर कोहली से मिलने मैदान पर पहुंचे प्रशंसक

NEW DELHI (BHASHA) : दिल्ली और रेलवे के बीच यहां अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी मैच के दौरान शनिवार को तब सुरक्षा में बड़ी चूक देखने को मिली जब तीन अति उत्साही प्रशंसक विराट कोहली से मिलने के लिए मैदान में उतर गए। प्रशंसकों के लिए अपने क्रिकेट नायकों से मिलने के लिए सुरक्षा घेरा तोड़ना आम बात है लेकिन ऐसा अक्सर अंतरराष्ट्रीय मैचों में देखने को मिलता है

लेकिन कोहली की रणजी ट्रॉफी में 13 साल बाद वापसी करने के कारण दर्शक यहां स्टेडियम में पहुंच रहे हैं जबकि अमूमन रणजी ट्रॉफी मैच खाली स्टेडियम में खेले जाते रहे हैं। इस मैच में कोहली की उपस्थिति के कारण कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है लेकिन इसके बावजूद तीन प्रशंसक 20 से अधिक गार्डों के समूह को चकमा देकर मैदान पर आने में कामयाब रहे। इन तीनों प्रशंसकों को हालांकि तुरंत ही पकड़ लिया गया और वह कोहली के करीब नहीं जा पाए। दिल्ली के ऑफ स्पिनर शिवम शर्मा ने इस घटना पर कहा, लोगों की विराट भैया के प्रति दीवानगी के कारण ऐसा हुआ। ऐसा नहीं होना चाहिए था।

जमशेदपुर आईएमए के पूर्व सचिव डॉ. मृत्युंजय सिंह हुए निलंबित

पलामू आयुक्त की रिपोर्ट पर हुई कार्रवाई

JAMSHEDPUR : आईएमए, जमशेदपुर के पूर्व सचिव डॉ. मृत्युंजय कुमार सिंह को स्वास्थ्य विभाग में पद से निलंबित कर दिया है। उन पर यह कार्रवाई पलामू प्रमंडल के आयुक्त द्वारा विभाग को भेजी गई जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई है। आयुक्त ने कहा था कि डॉ. मृत्युंजय सिंह अनुमंडल अस्पताल, छतरपुर में चिकित्सा पदाधिकारी के पद पर कार्यरत होते हुए, ड्यूटी से अनुपस्थित रहते थे और गलत

तरीके से उपस्थिति पंजिका में उपस्थिति दर्ज करते थे। इस दौरान वे अपने कार्यस्थल से काफी दूर सरायकेला-खरसावां जिला अंतर्गत आदित्यपुर स्थित दरभंगा मेडिकल स्टोर में प्रैक्टिस करते थे। जांच में इसकी पुष्टि हुई है।

डोनाल्ड ट्रंप ने उपभोक्ता वित्तीय संरक्षण ब्यूरो के निदेशक को किया बर्खास्त

PALM BEACH (BHASHA) : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूर्ववर्ती बाइडन प्रशासन के समय में नियुक्त एक और अधिकारी पर कार्रवाई की है और उपभोक्ता वित्तीय संरक्षण ब्यूरो के निदेशक रोहित चोपड़ा को बर्खास्त कर दिया है। चोपड़ा पूर्ववर्ती डेमोक्रेटिक प्रशासन के अधिक महत्वपूर्ण नियामकों में से एक थे, जो 20 जनवरी को ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के बाद से भी इस पद पर कार्यरत थे। ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान, रिपब्लिकन ने चोपड़ा को संघीय व्यापार आयोग के डेमोक्रेट सदस्य के रूप में चुना था। इस फैसले से परिचित एक अधिकारी ने पहचान गुप्त रखते हुए बताया कि चोपड़ा को व्हाइट हाउस ने एक ईमेल के जरिये उनकी बर्खास्तगी की सूचना दी। चोपड़ा सीनेटर एलिजाबेथ वॉरेन की करीबी माने जाते हैं जो ट्रंप के सबसे अधिक निशाने पर रहे हैं। मैसाचुसेट्स डेमोक्रेट सीनेटर वॉरेन ने एक बयान में कहा था कि चोपड़ा के नेतृत्व वाली एजेंसी ने कड़ी मेहनत करने वाले परिवारों को धोखा देने के लिए वॉल स्ट्रीट को जवाबदेह ठहराया और देश भर में अमेरिकियों की बैंकिंग प्रणाली को बंद होने से रोका, जिसमें ओवरड्राफ्ट शुल्क, धार्मिक संगठन और रूढ़िवादी के कारण वित्तीय प्रणाली से बाहर किए गए उपभोक्ता शामिल हैं। कानून के अनुसार चोपड़ा का कार्यकाल पांच साल था, जिसका मतलब था कि वे सीएफपीबी निदेशक के पद पर बने रह सकते थे, लेकिन उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा था कि अगर नए राष्ट्रपति कहेंगे तो वे अपना पद छोड़ देंगे।

सूडान में हमला 54 लोग मारे गए 158 हुए घायल

KAHIRA : सूडान की सेना के खिलाफ लड़ने वाले एक अर्धसैनिक समूह ने ओमडुरमैन शहर में एक बाजार में हमला किया जिसमें 54 लोग मारे गए। स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि शनिवार को सबरीन मार्केट में रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) द्वारा किए गए हमले में कम से कम 158 अन्य लोग घायल हो गए। आरएसएफ की ओर से इस संबंध में तत्काल कोई टिप्पणी सामने नहीं आई है। संस्कृति मंत्री एवं सरकार के प्रवक्ता खालिद अल-अलीसिर ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि हताहत हुए लोगों में कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हमले से ह्यनिजी और सार्वजनिक संपत्तियों को व्यापक रूप से नुकसान पहुंचा है।

नया अध्ययन | डेवलपमेंटल साइंस में प्रकाशित रिपोर्ट में हुआ खुलासा

चार माह के बच्चे भी बता देंगे, कैसे बनती हैं भाषाओं की ध्वनियां

SYDNEY (BHASHA) : बच्चे, नन्हें जासूस होते हैं जो लगातार अपने आस-पास हो रही चीजों के बारे में सुराग जुटाते रहते हैं। आपने कभी गौर किया हो कि जब आप बात कर रहे होते हैं तो आपका बच्चा आपकी ओर बड़े ध्यान से देखता है, क्योंकि वह न सिर्फ मुंह से निकलने वाली ध्वनियों को ही समझ रहा होता, वह यह भी सीख रहा होता है कि वे ध्वनियां कैसे बनती हैं? डेवलपमेंटल साइंस में प्रकाशित हमारे हालिया अध्ययन से पता चलता है कि ध्वनियों को सीखने की यह ललक बच्चे में चार माह की उम्र में ही जागने लगती है। माना जाता रहा है कि बच्चे छह से 12 माह की उम्र के बीच अपनी

मूल भाषा सीखने के बाद ही ध्वनियों पर गौर करना शुरू करते हैं, लेकिन इस अध्ययन से यह धारणा भी टूट गई है। इससे हमें उन बच्चों को जल्द से जल्द समझने में मदद मिलेगी है जिनमें देरी से बोलना सीखने का खतरा हो सकता है।

ध्वनियों को समूह में बांटकर समझते हैं

एक साल का होने तक बच्चे अपनी स्थानीय भाषा की ध्वनियों के प्रति काफी समझ रखने लगते हैं जिसे परसेप्टिक अटैचमेंट कहा जाता है यानी उन्हें समस्वरता का बोध होने लगता है। इसे इस तरह से समझें कि उनका मस्तिष्क ध्वनियों के समूह में से उन ध्वनियों पर ध्यान केंद्रित करने का प्रयास कर रहा होता है जो सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं। लेकिन शुरूआती छह माह में बच्चे उन भाषाओं की ध्वनियों को भी पहचान सकते हैं जिन्हें उन्होंने कभी सुना भी नहीं है। उदाहरण के लिए वे हिंदी भाषा के कुछ भेदों को भी पहचान सकते हैं जो अंग्रेजी बोलने वाले व्यस्कों के लिए भी चुनौतीपूर्ण होता है या मंदारिन (चिनी भाषा) में विशिष्ट ध्वनि की पहचान कर सकते हैं चाहे वे अंग्रेजी बोलने वाले परिवार में पल रहे हों। यह अविश्वसनीय क्षमता हमेशा के लिए नहीं रहती। छह से 12 माह के बीच, बच्चे अपना ध्यान उन ध्वनियों पर देना शुरू कर देते हैं जिन्हें वे अक्सर सुनते हैं। स्वरों के मामले में यह तालमेल लगभग छह माह की उम्र में होता है जबकि व्यंजन के मामले में दस माह की उम्र में। इस तरह से समझें कि बच्चे उन ध्वनियों पर अधिक ध्यान देते हैं जो महत्वपूर्ण हैं, जैसे अंग्रेजी में आर और एल के बीच का अंतर, जबकि वे उन ध्वनियों के प्रति संवेदनशीलता खो देते हैं जिन्हें वे नियमित रूप से नहीं सुनते। अब तक, शोधकताओं का मानना था कि शिशुओं को अधिक जटिल भाषा कौशल सीखने के लिए यह संकुचन प्रक्रिया जरूरी थी जैसे कि यह पता लगाना कि बिन में बी और डिन में डी अलग-अलग हैं क्योंकि एक को बोलने के लिए होठों का ज्यादा इस्तेमाल होता है और दूसरे को बोलने में जीभ का। लेकिन हमारे अध्ययन में पाया गया कि चार माह की उम्र के बच्चे, इस संकुचन के शुरू होने से बहुत पहले ही यह सीख रहे होते हैं कि ध्वनियां कैसे बनती हैं?

लघु भाषाएं सीखना

इसे समझने के लिए एक उदाहरण दिया गया है। मान लीजिए कि आप किसी ऐसे व्यक्ति को सुन रहे हैं जो ऐसी भाषा बोल रहा है जिसे आप नहीं समझते। भले ही आपको शब्द समझ में न आ रहे हों, लेकिन आप देख सकते हैं कि ध्वनि निकालने के लिए उनके होंठ या जीभ कैसे हिलते हैं। चार माह के बच्चे भी ऐसा कर सकते हैं। इसे समझाने के लिए हमने माता-पिता की सहमति के बाद चार से छह माह की उम्र के 34 बच्चों के साथ एक प्रयोग किया। हमने दो काल्पनिक लघु-भाषाओं का उपयोग करके एक पैटर्न-मिलान खेल खेला। एक भाषा में होंठ के इस्तेमाल से बोले जाने वाले शब्द थे जैसे बी और वी, जबकि दूसरी में जीभ के इस्तेमाल से बोले जाने वाले जैसे डी और जेड। बिवावो या डिजालो जैसे प्रत्येक शब्द को एक कार्टून चित्र के साथ जोड़ा गया- होंठ के इस्तेमाल से बोले जाने वाले शब्दों के लिए एक जेलीफिश और जीभ के इस्तेमाल से बोले जाने वाले शब्दों के लिए एक केकड़ा। एक शब्द की रिकॉर्डिंग उसी समय बजाई गई जब शब्द के साथ जोड़ी गई उसकी तस्वीर दिखाई गई। कार्टून को ही इसीलिए चुना गया क्योंकि बच्चे हमें यह नहीं बता सकते कि वे क्या सोच रहे हैं, लेकिन वे अपने दिमाग में कड़ियां जोड़ सकते हैं। इन चित्रों से हमें यह देखने में मदद मिली कि क्या बच्चे प्रत्येक लघु भाषा को सही चित्र से जोड़ सकते हैं। जब बच्चों ने ये लघु भाषाएं सीख लीं और चित्रों का संयोजन सीख लिया, तो हमने चीजों को परखा।

सोना 84,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर स्थिर

NEW DELHI (BHASHA) : राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में शनिवार को सोने की कीमत 84,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर स्थिर बनी रही। अखिल भारतीय सराफा संघ यह जानकारी दी। शुक्रवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली इस बहुमूल्य धातु की कीमत में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में तेजी आई थी। घरेलू मांग में तेजी के कारण यह 1,100 रुपये उछलकर 84,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गई। एक जनवरी से अबतक सोने में 5,510 रुपये या सात प्रतिशत की तेजी आ चुकी है। उस दिन स्थानीय बाजार में सोने की कीमत 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोना भी 84,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के अपने सर्वोच्च स्तर पर स्थिर बना रहा। हालांकि, औद्योगिक इकाइयों और सिक्का निमार्ताओं के सतत उठाव के कारण लगातार चौथे दिन की तेजी के बाद आज चांदी 700 रुपये मजबूत होकर 95,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। शुक्रवार को चांदी 95,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। पिछले चार सत्रों में चांदी 2,700 रुपये बढ़कर 95,700 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है, जो 29 जनवरी को 93,000 रुपये प्रति किलोग्राम थी। वैश्विक स्तर पर, छुट्टियों के कारण जिंस बाजार बंद रहे। शुक्रवार को कॉमेक्स सोना वायदा 2,862.90 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। बाद में, इसने अपने लाभ को गंवा दिया और 2,835 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ।

समाचार सार

मधुसूदन स्कूल में 'एक्टिव लर्निंग' पर प्रशिक्षण

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर के आसनतलिया स्थित मधुसूदन पब्लिक स्कूल में एक्टिव लर्निंग विषय पर पांचवां इन हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। इसमें किसी भी विषय को बच्चों को समझाने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। प्रशिक्षुओं को 13 समूह में बांटकर विषय-वस्तु को प्रस्तुत किया गया। इसका उद्घाटन विद्यालय के प्राचार्य के. नागराजू, उप प्राचार्या आरती कोड़वार, विद्यालय प्रशिक्षण के नोडल समन्वयक (एसटीएनसी) दिनेश कुमार चक्रवर्ती व रिसोर्स पर्सन रंजन गोराई व एम सुनीता ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में परिचयात्मक भाषण शिक्षिका पायल सलूजा ने दिया। मंच संचालन विद्यालय के शिक्षक तुलसी नायक ने किया।

फाइलेरिया उन्मूलन को जागरूकता रैली

JAMSHEDPUR : फाइलेरिया उन्मूलन के लिए 10 से 25 फरवरी तक मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम चलाया जाएगा। अभियान के प्रति जनजागरूकता को लेकर समाहरणालय परिसर से एनसीसी कैडर द्वारा रैली निकाली गई, जिसे उपायुक्त अनन्य मित्तल एवं एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर ने शनिवार को झंडी दिखाकर रवाना किया। उपायुक्त ने बताया कि 10 फरवरी को चिह्नित बूथों पर, वहीं छूटे हुए लोगों को 11 से 25 फरवरी तक दवा प्रशासक घर-घर जाकर अपने सामने डीइसी व एल्बेंडाजोल की खुराक खिलाएंगे। पूर्वी सिंहभूम जिले में यह कार्यक्रम जमशेदपुर शहरी क्षेत्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जुगसलाई, पोटका व पटमदा में क्रियान्वित किया जाना है।

खाली पेट नहीं लेनी है दवा : उपायुक्त ने जिले के सभी लोगों से दवा लेने की अपील की है। अभियान के दौरान सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र व हेल्थ सब सेंटर, सदर अस्पताल पर लोगों को दवा खिलाई जाएगी। 1-2 साल तक के बच्चों को एल्बेंडाजोल की आधी गोली (200 एमजी) पानी में घोलकर, 2-5 वर्ष तक को डीइसी की एक गोली (100 एमजी), एल्बेंडाजोल की एक गोली (400 एमजी), 6 से 14 वर्ष तक डीइसी की दो गोली (200 एमजी), एल्बेंडाजोल की एक गोली, 15 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को डीइसी की तीन गोली 300 (एमजी) व एल्बेंडाजोल की एक गोली खिलाई जाएगी। जबकि 1 वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं व अत्यंत वृद्ध एवं गंभीर बीमार व्यक्तियों को दवा नहीं दी जाएगी। किसी को भी खाली पेट यह दवा नहीं लेना है।

योजनाओं व म्यूटेशन को दें प्राथमिकता : डीसी

HAZARIBAG : उपायुक्त नैन्सी सहाय ने शनिवार को बड़कागांव अंचल एवं प्रखंड कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान अपर समाहर्ता संतोष कुमार सिंह भी मौजूद रहे। अंचल कार्यालय के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कार्यालय का भ्रमण कर उपस्थिति पंजी, सामान्य रोकड़ पंजी, नामांतरण(म्यूटेशन),एनटीपीसी के लिए अर्जित भूमि का नामांतरण, भू लगान, भंडार कक्ष, कैशबुक, आवंटन पंजी, म्यूटेशन आदि भूमि से संबंधित अन्य मामलों की गहनता से जांच की। जांच के क्रम में कैश बुक,सीएल पंजी,जन शिकायत आदि महत्त्वपूर्ण पंजियों के अद्यतन करने का निर्देश दिया। लगान परिशोधन पोर्टल में आई शिकायतों का तेजी से निष्पादन करने को कहा। इसके साथ ही लगान वसूली लक्ष्य के अनुरूप करने का निर्देश दिया। एलए एक्ट के तहत आने वाली कंपनियों से संबंधित म्यूटेशन के कार्यों में गंभीरता बरतने का निर्देश दिया। 15वें वित्त के तहत योजनाओं के क्रियान्वयन पर कार्य करने को कहा। उन्होंने इस वित्तीय वर्ष प्राप्त आवंटनों के अनुरूप राशि के खर्च को पूर्ण करने का निर्देश दिया।

टाटानगर स्टेशन को मिला ईट राइट सर्टिफिकेशन

JAMSHEDPUR : चक्रधरपुर रेल मंडल के टाटानगर रेलवे स्टेशन को ईट राइट सर्टिफिकेशन मिला है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की ईट राइट स्टेशन पहल स्टेशनों पर सुरक्षित और स्वस्थ भोजन उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। अब तक टाटानगर समेत देश भर के 150 रेलवे स्टेशनों को ईट राइट स्टेशन के रूप में प्रमाणित किया गया है। ईट राइट स्टेशन प्रमाणन प्रक्रिया में खाद्य विक्रेताओं का कठोर ऑडिट, खाद्य संचालकों का प्रशिक्षण और सख्त स्वच्छता और सफाई प्रोटोकॉल का पालन करना शामिल है। टाटानगर रेलवे स्टेशन के कैटरिंग इंसपेक्टर राकेश कुमार ने बताया कि 27 नवंबर को चेन्नई से दो सदस्यीय टीम ने स्टेशन की खानपान व्यवस्था का आकलन करने के लिए स्टेशन का दौरा किया था। टीम ने स्टेशन के रेस्तरां और स्टॉल का निरीक्षण किया। इसके साथ ही रेलवे के नल के पानी की टीडीएस प्रतिशत के बारे में जानकारी भी जुटाई। ईट राइट पहल मुख्य रूप से स्टॉल की सफाई, विशेष पंजीकरण आवश्यकताओं के पालन और खानपान की वस्तुओं के उचित भंडारण के लिए लागू किए गए सुरक्षा उपायों पर केंद्रित थी। रेलवे की इस पहल से स्टेशन पर यात्रियों और खाद्य विक्रेताओं दोनों को लाभ होता है। खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों का पालन सुनिश्चित करके, विक्रेता अपनी विश्वसनीयता बढ़ाते हैं, अधिक संख्या में ग्राहकों को आकर्षित करते हैं, और परिणामस्वरूप, अपने व्यवसाय के प्रदर्शन के समग्र सुधार में योगदान करते हैं।

गोलमुरी के बावन रोड पर चाकू मार कर युवक की हत्या, साथी हुआ घायल

सहकर्मी की फेयरवेल पार्टी से लौट रहे थे सभी, स्कूटी व कार के बीच टक्कर से विवाद

PHOTON NEWS JSR: गोलमुरी थाना क्षेत्र के टिनप्लेट में बावन रोड पर एक व्यक्ति की चाकू मार कर हत्या कर दी गई है। जिस व्यक्ति की चाकू मार कर हत्या की गई है, उसका नाम मनदीप सिंह है। टिनप्लेट कंपनी का प्रशिक्षु मनदीप गोलमुरी के ढाला रोड का रहने वाला है। इस घटना में एक व्यक्ति घायल हुआ है।

घायल को टीएमएच में भर्ती कराया गया है, यहां उसका इलाज चल रहा है। हत्या की इस घटना के बाद गोलमुरी थाना की पुलिस फौरन मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दो संदिग्ध युवकों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। घटना शुक्रवार देर रात की है। इस मामले में केस दर्ज हो गया है। इसके मुताबिक, टिनप्लेट के पूर्व कर्मचारी अवतार सिंह, उनके पुत्र नवदीप सिंह व उनके साले बलबीर सिंह को नामजद किया गया है। अवतार सिंह ने एक दिन पहले वीआरएस लेकर पार्टी दी थी।

मृतक मनदीप की फाइल फोटो

कार सवार लोगों पर चाकू मारने का आरोप

परिजनों ने बताया कि मनदीप सिंह और रॉक्सन स्मिथ स्कूटी पर टीन प्लेट आ रहे थे, जबकि हमलावर कार पर थे। हमलावर तीन लोग थे। बताते हैं कि कार से स्कूटी को टक्कर लगी। इस पर मनदीप सिंह ने कार ठीक से चलाने को कहा। इसी पर विवाद हुआ और कार सवार लोगों ने उतरकर मनदीप की चाकू मार कर हत्या कर दी और रॉक्सन को घायल कर दिया।

दो संदिग्ध आरोपियों को लिया हिरासत में

घटना होने के बाद परिवार के लोग गोलमुरी थाना पहुंचे। परिवार के लोग आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। दूसरी तरफ पुलिस का कहना है कि उसने घटना से संबंधित दो संदिग्ध आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है।

टीएमएच में चल रहा रॉक्सन का इलाज

टिनप्लेट कंपनी में दो कर्मचारियों का फेयरवेल था। सभी लोग फेयरवेल में गए हुए थे। फेयरवेल पार्टी में सभी ने शराब पी थी। पार्टी खत्म होने के बाद सभी लोग अपने-अपने घर लौट रहे थे। तभी उनमें वाहन चलाने को लेकर झगड़ा हो गया। इसी बीच बताते हैं कि मनदीप पर चाकू से हमला कर दिया गया। मनदीप को चाकू मार कर घायल कर दिया गया। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मनदीप ने दम तोड़ दिया, जबकि एक अन्य व्यक्ति रॉक्सन स्मिथ को भी चाकू लगी है। रॉक्सन स्मिथ सिदगोड़ा में क्रॉस रोड 19 के एल बाई 26 क्वार्टर का रहने वाला है। वह गंभीर रूप से घायल है। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। उसे इलाज के लिए टीएमएच में भर्ती किया गया है।

गोलमुरी, आजाद नगर व जुगसलाई के थानेदार बदले

एसएसपी ने पुलिस महकमे में कई बदलाव किए हैं। इसमें डीएसपी हेडक्वार्टर-2 का प्रभार डीएसपी सीसीआर मनोज कुमार ठाकुर को मिला है। वहीं, तीन थानों के प्रभारी भी बदले गए हैं। गोलमुरी थाना प्रभारी वंश नारायण सिंह को पटमदा का अंचल निरीक्षक बनाया गया है। आजादनगर के थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक राकेश कुमार सिंह को बिष्टुपुर के यातायात थाना का प्रभारी बनाया गया है। साइबर अपराध थाना के पुलिस निरीक्षक वीरेंद्र कुमार को जुगसलाई यातायात थाना का प्रभारी बनाया गया है। वहीं यातायात थाना के पुलिस निरीक्षक राजन कुमार को गोलमुरी थाने की कमान सौंपी गई है। पुलिस केंद्र गोलमुरी से पुलिस निरीक्षक राजेंद्र मुंडा को हटाकर जमशेदपुर व्यवहार न्यायालय का सुरक्षा प्रभारी बनाया गया है। पुलिस निरीक्षक चंदन कुमार को आजादनगर थाना प्रभारी बनाया गया है।

अवैध बालू खनन के खिलाफ छापेमारी दो ट्रैक्टर जब्त

LATEHAR : खनन विभाग ने शनिवार को सिकनी कोलियरी के पास दो ट्रैक्टर को अवैध बालू परिवहन में जब्त किया। जिला खनन पदाधिकारी नदीम सफी ने बताया कि अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण करने वाले किसी भी कीमत पर बख्शे नहीं जाएंगे। अवैध खनन करने वालों पर विभाग पूरी नजर बनाए हुए है। अवैध खनन व परिवहन पर रोक लगाने के लिए अंचल अधिकारी बालूमाथ द्वारा कोयला वाहनों और अंचल अधिकारी महुआडांड द्वारा नदी घाटों और ट्रैक्टर की जांच की गई। लातेहार जिले में अंचलाधिकारियों द्वारा वाहन चालकों के ईझचालान की जांच की गई और दिशा-निर्देश दिया गया। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने कहा कि विभागीय अधिकारी अवैध खनन परिवहन एवं भंडारण करने वालों पर पैनी नजर बनाए रखें। इसमें संलग्न व्यक्तियों पर प्राथमिकी दर्ज करते हुए कठोर दंडात्मक कार्रवाई करें।

पुलिस ने 12 घंटे के अंदर किया लाखों की चोरी का खुलासा

JAMSHEDPUR : उलीडीह थाना क्षेत्र के सुभाष कॉलोनी में 31 जनवरी को चोरी की घटना की जानकारी पुलिस को मिली थी। यह चोरी की घटना कब हुई यह पता नहीं चल पाया था। भुक्तभोगी रिमझिम कुमारी की सूचना पर पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी थी। इस मामले का पुलिस ने 12 घंटे में खुलासा कर दिया है। सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने एसएसपी ऑफिस में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि चोरी की इस घटना में उलीडीह थाना की पुलिस ने उलीडीह थाना क्षेत्र के शांति नगर संजय पथ के रहने वाले आदित्य कुमार उर्फ हर्ष को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा एक किशोर को भी पकड़ा गया है। पुलिस ने आदित्य कुमार उर्फ हर्ष को प्रेस कांफ्रेंस करने के बाद एमजीएम अस्पताल में मेडिकल जांच करा के जेल भेज दिया है। इनके पास से चोरी गए सारे जेवरात बरामद हो गए हैं। इसमें सोने की एक चेन, एक नथ, एक मंगटीका, सोने की दो अंगूठी, एक नथ की चेन, सोने की एक छुंछी और एक जोड़ा सोने का झुमका बरामद किया गया है। सिटी एसपी ने बताया कि चोरी की घटना में 25,000 रुपये कैश भी था। उसका पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आरोपी को ले जाते पुलिसकर्मी

परीक्षा केंद्रों पर रहेगी मजिस्ट्रेट की निगरानी एसडीओ ने की समीक्षा

RAMGARH : 11 फरवरी से शुरू होने वाले मैट्रिक और इंटर की परीक्षा में सुरक्षा व्यवस्था काफी कड़ी होगी। शनिवार को रामगढ़ एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी ने जिले के सभी अंचल अधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी और दंडाधिकारियों की मौजूदगी में बैठक की। इस समीक्षा के दौरान उन्होंने परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा में मुस्तैद रहने का निर्देश दिया। किस तरीके से दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति रहेगी, प्रश्न पत्र कैसे समय पर परीक्षा केंद्रों पर पहुंचेगा और उत्तर पुस्तिका को जमा कराया जाएगा, इस पर विचार विमर्श किया गया। एसडीओ ने बताया कि तैयारियों को लेकर अभी लगातार निर्देश दिए जा रहे हैं। परीक्षा केंद्र पर दंडाधिकारी हर समय मौजूद रहेंगे। सुरक्षा पदाधिकारियों के साथ तालमेल बैठाकर शांतिपूर्ण माहौल में कदाचार मुक्त परीक्षा संपन्न करनी है।

लेन-देन के विवाद में हुई थी इमामुद्दीन की हत्या, तीन घंटे में केस हुआ सॉल्व

AGENCY PALAMU : पलामू जिले के हैदरनगर बाजार में शुक्रवार दिनदहाड़े हुई मो. ईमामुद्दीन की हत्या लेन देन के विवाद में हुई थी। पुलिस ने इस घटना का तीन घंटे में खुलासा करते हुए आरोपित मुमताज अहमद उर्फ लड्डू को गिरफ्तार किया है। इसके पास से घटना में इस्तेमाल 7.65 एमएम की एक देशी पिस्टल, दो मैग्जिन और आठ जिंदा गोली बरामद की गयी है। साथ ही घटना के वक्त पहने हुए कपड़े, दस्तावेज, मोबाइल भी बरामद हुआ है। जिले की एसपी रीष्मा रमेशन ने शनिवार अपने कार्यालय में पत्रकारों को बताया कि हैदरनगर बाजार में प्रमोद मेडिकल के समीप बरेवा टोला बहेरवाखाड़ के मो. इमामुद्दीन की शुक्रवार को गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। कांड के त्वरित उदभेदन एवं घटना में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए हुसैनाबाद के एसडीपीओ एस मोहम्मद याकूब के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। अनुसंधान के दौरान पता चला कि मृतक और आरोपित एक दूसरे से परिचित हैं और अगल बगल के गांव में रहते हैं। कार्रवाई के क्रम में जपला रेलवे स्टेशन से आरोपित मुमताज को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपित ने बताया कि मो. इमामुद्दीन उसके साथ उटपटांग बातें करता था एवं धमकी देता था। दोनों के बीच लेनदेन का विवाद था। मृतक लेबर सप्लाई का काम करता था। आरोपित मुमताज को क्रेन ऑपरेटर की नौकरी सूरत में दिलवाई थी। एसपी ने बताया कि हत्या से एक घंटा पहले पुराने मामले को लेकर बाजार में मो. इमामुद्दीन और मुमताज अहमद के बीच विवाद हुआ था। विवाद के तुरंत बाद मुमताज घर जाकर पिस्टल लेकर आया और फिर आते ही ताबड़तोड़ फायरिंग कर इमामुद्दीन की हत्या कर दी।

जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

सर्च अभियान में नौ किलो का आईईडी और देसी कट्टा बरामद

AGENCY PALAMU : 15 लाख के इनामी माओवादी नक्सली नितेश यादव और 10 लाख के ईनामी नक्सली संजय यादव की मौजूदगी की सूचना पर पुलिस की ओर से चलाये गये सर्च अभियान के दौरान पुलिस ने नौ किलो की एक आईईडी बरामद किया है। इस जगह से आईईडी मिली, वहां से एक देसी कट्टा भी मिला। आईईडी और देशी कट्टा को जमीन में गाड़ कर रखा गया था। जमीन से आईईडी निकालने के बाद उसे मौके पर ही विस्फोट करके नष्ट कर दिया गया। घटनास्थल पलामू जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत दुधिया गांव में बताया गया है।

पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने शनिवार को बताया कि 15 लाख के इनामी माओवादी नक्सली नितेश यादव और 10 लाख के इनामी नक्सली संजय यादव की मौजूदगी पर हुसैनाबाद-हैदरनगर, पांडू, मोहम्मदगंज, विश्रामपुर थाना पुलिस के अलावा जगुआर, सैट, जैप की अलग अलग टीम संबंधित थाना क्षेत्रों में अभियान चला रही थी। एक टीम हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के दुधिया गांव से होकर गुजर रही थी। इसी क्रम में सड़क से सटे बरगद के पेड़ के नीचे नई मिट्टी खुदी हुई दिखी। सर्च करने पर जमीन के अंदर गाड़कर रखा गया नौ केजी की आईईडी बरामद की गयी। बरामद आईईडी स्टील के केन में बम लगाया गया था, वह नया था। एसपी ने बताया कि आईईडी में तार नहीं लगा हुआ था और संभावना है कि उसे छुपाकर रखा गया होगा। विस्फोट करने के लिए लगाने की संभावना नहीं लगती है। एसपी ने बताया कि कुछ दिनों से उपरोक्त इलाके में दोनों इनामी नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिल रही थी। अभियान अभी भी चलाया जा रहा है।

मौके से बरामद विस्फोटक व कट्टा ● फोटोन न्यूज

सड़क दुर्घटना का मुआवजा देने में खूंटी राज्य में पहले नंबर पर

KHUNTI : होटल रेडीशन ब्लू रांची में 31 जनवरी को आयोजित राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सेमिनार में सड़क दुर्घटना से संबंधित मुआवजा निर्गत करने में जिला परिवहन कार्यालय, खूंटी (सड़क सुरक्षा) को झारखंड में प्रथम स्थान मिला है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सेमिनार 2025 का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं एवं उससे होनेवाली मृत्यु को कम करना है। इस कार्यक्रम में परिवहन विभाग के सचिव कृपानंद झा, एडीजी झारखंड पुलिस, रोड सेफ्टी सेल के डीआइजी, संयुक्त परिवहन आयुक्त प्रवीण प्रकाश कुमार, सभी जिलों से आये जिला परिवहन पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक, पथ निर्माण, स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

ईसाई धर्म अपना चुके हो समाज के सात सदस्यों ने की घर वापसी

फिर अपने धर्म को अपनाते हो समाज के लोग ● फोटोन न्यूज

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के नोवामुंडी प्रखंडअंतर्गत कुदमसदा गांव में लगभग एक साल पूर्व ईसाई धर्म अपनाने वाले हो समाज के सात सदस्यों ने सरना धर्म में वापसी की है। सभी को गांव के मुख्य दिउरी सीरपुती लागुरी व सहायक दिउरी बुरजू मेराल ने धर्म वापसी की है। उन्होंने अपने घरों को भी पवित्र किया। ग्राम मुंडा निर्मल लागुरी व आदिवासी हो समाज युवा महासभा के जगन्नाथपुर अनुमंडल अध्यक्ष बलराम लागुरी की उपस्थिति में बुधराम मेराल, उनकी पत्नी सुंदरी करोवा मेराल, कुई पति एवं अन्य चार ने सरना धर्म में वापसी की है। सरना धर्म में वापसी करने वाले 30 वर्षीय बुधराम मेराल ने बताया कि हमारे पिता व परिवार के सदस्य बार-बार बीमार होते थे।

बेटियों व गांव की महिलाओं ने पार्थिव शरीर को दिया कंधा

GHATSILA : पलायन का दर्द झेलने वाले राज्यों में झारखंड का नाम ऊपर आता है. इसका ताजा उदाहरण सामने आया है। घाटशिला प्रखंड में पलायन के कारण गांव के सभी पुरुष रोजगार के लिए दूसरे राज्य में चले गए हैं। यहां रह रहे इकलौते पुरुष की मौत पर महिलाओं ने अर्थी को कंधा दिया। कालचिती पंचायत के रामचंद्रपुर गांव में 28 सबर परिवार रहते हैं। आबादी महज 80 लोगों की है। जंगल के बीच बसे इस गांव के सभी पुरुष तमिलनाडु और केरल में काम करते हैं। इस संबंध में जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू ने बताया कि गांव के एकमात्र पुरुष जुआ सबर (40 वर्ष) की बुधवार की रात मौत गई थी। मृतक की अर्थी को उसकी बेटियों और गांव की महिलाओं ने कंधा देकर अंतिम यात्रा निकाली। मुर्मू ने कहा कि कम से कम 20 युवा रोजगार की तलाश में दूसरे राज्य में पलायन कर गए हैं। बस्ती में जो भी पुरुष है वो बीमार व लाचार हैं। सबरों के आवास जर्जर हो गए हैं। आदिम जनजातियों के प्रति राज्य सरकार संवेदनहीन है। प्रधानमंत्री जनमन योजना से भी सबरों का विकास नहीं हो रहा है। बिचौलियों के कारण सबरों की दुर्दशा हुई है। सबरों की आवास योजना से बिचौलिया को दूर रखना जरूरी है।

शव को ले जातीं बच्चियां

अभियान नशे की खेती के खिलाफ झारखंड पुलिस का बड़ा एक्शन

पुलिस ने 22.5 एकड़ में लगी अफीम पर चला दिया ट्रैक्टर

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले के नक्सल प्रभावित जंगलों में पुलिस का अवैध अफीम की खेती को नष्ट करने का सिलसिला जारी है। शनिवार को नक्सल प्रभावित घने जंगलों में 22 .5 एकड़ में लगी अफीम की फसल को ट्रैक्टर चलाकर नष्ट किया गया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को बंदगांव प्रखंड के टेबो थाना की पुलिस बल ने ग्राम जोनकोपाई में करीब 14 एकड़ मैं लगे पोस्तो की खेती पर ट्रैक्टर चलाकर नष्ट किया। इसके अलावा कराईकेला थाना अंतर्गत ग्राम नवादा, सांडीसाई, उदय नारायणपुर में करीब 5 एक-ड़ और टोकलो थाना क्षेत्र में ग्राम हेसालकुटी, कुदापि में करीब 03.5 एकड़ में फैली अफीम की खेती पर ट्रैक्टर चलाकर नष्ट किया गया।

इस संबंध में पश्चिमी सिंहभूम जिले के एसपी आशुतोष शेखर ने कहा कि मादक पदार्थ का उत्पादन,भंडारण पर अंकुश लगाने के निर्देश के आलोक में लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही अफीम का खेती ना कर ग्रामीणों को पारंपरिक खेती के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अगर इसके बाद भी यदि कहीं से अवैध अफीम की खेती से संबंधित जानकारी मिलती है तो वैसे ग्रामीणों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जागरूक अभियान के लिए ग्राम सभा का भी आयोजन किया जा रहा है।

टेबो थाना क्षेत्र में फसल को रौंदता ट्रैक्टर ● फोटोन न्यूज

अफीम की खेती पर मनातू पुलिस की बड़ी कार्रवाई

PALAMU : मनातू थाना अंतर्गत ग्राम टंडवा कुशहा टोला में गैरमजरूआ भूमि पर लगभग 1.5 एकड़ में अवैध रूप से की जा रही अफीम की खेती को मनातू पुलिस, वन विभाग एवं अंचल अधिकारी, मनातू के संयुक्त अभियान के तहत शनिवार को नष्ट किया गया। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई, जिसमें संबंधित विभागों की टीम ने मौके पर पहुंचकर पूरी फसल को नष्ट कर दिया। अफीम की खेती से जुड़े अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। नशा कारोबार एवं नशीले पदार्थों की खेती के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। पुलिस प्रशासन क्षेत्र में नशीले पदार्थों की अवैध खेती, व्यापार और तस्करी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई कर रहा है तथा आम जनता से सहयोग की अपील करता है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को दें।

पुलिस ने अफीम की खेती को किया नष्ट

KHUNTI : उपायुक्त लोकेश मिश्रा के निर्देश पर जिले में अफीम की खेती को विनष्ट करने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत शनिवार को अड़की, मुरहू प्रखंड सहित अन्य प्रखंडों में अफीम के पौधों को नष्ट किया गया। विनष्टिकरण की कार्रवाई में ट्रैक्टर और अन्य संसाधनों का उपयोग कर अफीम की फसलों को पूरी तरह से नष्ट किया। कार्रवाई में पुलिस पदाधिकारी समेत अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। अफीम की खेती करने के मामले में संलिप्त लोगों को चिह्नित कर एफआइआर समेत अन्य कार्रवाई की जा रही है। उपायुक्त ने अफीम की खेती में संलिप्त लोगों से अपील की है कि अफीम की खेती सहित अन्य अवैध गतिविधियों को त्यागकर वैकल्पिक खेती को अपनाएं, ताकि जिले को अफीममुक्त बनाया जा सके। उन्होंने कहा है कि वैकल्पिक खेती करने के लिए कृषकों को जिला प्रशासन द्वारा हर संभव सहयोग किया जाएगा।

कला-साहित्य

कोलकाता और मंदारमणि की यादगार यात्रा

घुमक्कड़ की पाती

हवाई अड्डे से निकलते ही कोलकाता की अद्वितीय ऊर्जा और वहाँ की गाढ़ी संस्कृति का एहसास हुआ। मैंने सबसे पहले हावड़ा ब्रिज का नजारा लिया, जो इस शहर की पहचान है। शाम के समय पुल की रोशनी और उसके नीचे बहती हुगली नदी का दृश्य मेरे दिल में बस गया। इसके बाद विक्टोरिया मेमोरियल में बिताए गए पल इतिहास को छूने जैसा अनुभव था। दक्षिणेश्वर काली मंदिर में गंगा के किनारे की शांति और आध्यात्मिकता ने मुझे पूरी तरह से मोहित कर लिया।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

SCAN ME

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

यात्राएं हमेशा जीवन को नया दृष्टिकोण देती हैं और जब यात्रा में प्रकृति के अद्भुत नजारे और समुद्र की लहरों का संगीत जुड़ जाए तो अनुभव अविस्मरणीय हो जाता है। मेरी यह यात्रा दिल्ली से शुरू हुई, कोलकाता में रुकी और मंदारमणि के अद्भुत समुद्री तटों तक पहुंची। यह एक ऐसा अनुभव था, जिसे शब्दों में बांधना मुश्किल है लेकिन मैं कोशिश करूंगा कि इस यात्रा वृतांत में आपको उस खूबसूरती का अहसास करा सकूं। मेरी यात्रा का पहला पड़ाव दिल्ली से कोलकाता था। मैंने हवाई यात्रा का विकल्प चुना, क्योंकि यह सबसे तेज और सुविधाजनक था। दिल्ली की हलचल भरी जिंदगी से निकलकर कोलकाता का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक माहौल बेहद खास लगा।

हवाई अड्डे से निकलते ही कोलकाता की अद्वितीय ऊर्जा और वहाँ की गाढ़ी संस्कृति का एहसास हुआ। मैंने सबसे पहले हावड़ा ब्रिज का नजारा लिया, जो इस शहर की पहचान है। शाम के समय पुल की रोशनी और उसके नीचे बहती हुगली नदी का दृश्य मेरे दिल में बस गया। इसके बाद विक्टोरिया मेमोरियल में बिताए गए पल इतिहास को छूने जैसा अनुभव था। दक्षिणेश्वर काली मंदिर में गंगा के किनारे की शांति और आध्यात्मिकता ने मुझे पूरी तरह से मोहित कर लिया।

कोलकाता का खाना मेरे लिए एक अलग ही आकर्षण था। रसगुल्ले की मिठास और माछेर झोल की तीव्रता ने मेरे स्वाद को पूरी तरह संतुष्ट कर दिया। एक दिन कोलकाता में बिताने के बाद, मैंने सुबह-सुबह मंदारमणि के लिए रवाना होने का निर्णय लिया। मंदारमणि कोलकाता से लगभग 180 किलोमीटर दूर है। मैंने सड़क मार्ग का सहारा लिया और यह यात्रा हरे-भरे खेतों, छोटे गांवों और नदी के किनारे के सुंदर दृश्यों के बीच से गुजरी। रास्ते में बंगाल के ग्रामीण जीवन की झलकियां देखना एक अनोखा अनुभव था। लगभग चार घंटे के सफर के बाद, जैसे ही मैं मंदारमणि पहुंचा, समुद्र की ठंडी हवा और लहरों की आवाज ने मेरा स्वागत किया।

मंदारमणि एक ऐसा स्थान है, जहाँ समय जैसे रुक सा जाता है। समुद्र का अनंत विस्तार और शांत वातावरण हर यात्री का दिल जीत लेता है। मैंने समुद्र तट पर काफी समय बिताया, जहाँ लहरें लगातार रेत को छूने आती थीं। वहाँ का सूर्यास्त ऐसा था जैसे प्रकृति खुद अपने कैनवास पर रंग भर रही हो। मंदारमणि के पास स्थित मोहना, जहाँ नदी और समुद्र का संगम होता है, वह दृश्य बेहद अद्भुत था। वहाँ मैंने कुछ यादगार तस्वीरें खींचीं और प्राकृतिक सौंदर्य का भरपूर आनंद लिया। समुद्र तट के पास शंख और सीप की दुकानों पर घूमना भी मेरे लिए खास अनुभव रहा। इन दुकानों से मैंने कुछ खूबसूरत गहने और सजावटी वस्तुएं खरीदीं। इसके अलावा, मंदारमणि से थोड़ी दूरी पर स्थित डिगा का समुद्र तट भी देखने लायक था। वहाँ का माहौल परिवार के साथ समय बिताने के लिए बेहतरीन था। मंदारमणि में रहने के लिए मैंने समुद्र के पास स्थित एक रिसॉर्ट चुना। वहाँ से समुद्र का दृश्य अद्भुत था। सुबह की चाय समुद्र की लहरों की आवाज के साथ पीना एक अलग ही आनंद देता है। रिसॉर्ट में सुविधाएं अच्छी थीं और स्टाफ काफी मददगार थे।

मंदारमणि में बिताए दिन मेरे जीवन के सबसे सुकून भरे दिनों में से एक थे। समुद्र की लहरों के साथ खेलना, रेत के किले बनाना और सूरज के ढलने का अद्भुत दृश्य देखना, ये सब अनुभव मेरे दिल में हमेशा के लिए बस गए हैं। वापसी के समय मैंने कोलकाता में कुछ और समय बिताया और वहाँ के बाजारों से बंगाली साड़ियां और हस्तशिल्प खरीदे। यह यात्रा न केवल एक प्राकृतिक अनुभव थी, बल्कि यह आत्मा को तरोताजा करने वाला भी था। दिल्ली की हलचल भरी ज़िंदगी से निकलकर मंदारमणि की शांति ने मुझे नई ऊर्जा दी। यदि आप भी समुद्र की लहरों और प्राकृतिक सौंदर्य के बीच कुछ समय बिताना चाहते हैं तो मंदारमणि आपके लिए एक परफेक्ट डेस्टिनेशन हो सकता है। यह जगह न केवल आपको सुकून देती है, बल्कि आपकी थकान भी मिटा देती है।

डिगा समुद्र तट भी अद्भुत

मंदारमणि से थोड़ी दूरी पर स्थित डिगा समुद्र तट भी मेरे यात्रा कार्यक्रम में शामिल था। डिगा की चहल-पहल और यहाँ के रंग-बिरंगे बाजार इसे मंदारमणि के शांत वातावरण से अलग बनाते हैं। मैंने यहाँ ताजे नारियल पानी का आनंद लिया और स्थानीय बाजार से कुछ हस्तशिल्प खरीदे।

शांतिनिकेतन की नीरवता

मंदारमणि के पास स्थित शांतिनिकेतन पार्क ने मुझे अपने आकर्षक हरियाली और शांतिपूर्ण वातावरण से मोहित कर लिया। यह जगह परिवार के साथ समय बिताने के लिए परफेक्ट है। मैंने यहाँ प्रकृति की गोद में समय बिताया और पेड़ों की छांव तले किताब पढ़ने का आनंद लिया।

मन मोह लेगी वास्तुकला

मंदारमणि के पास स्थित चंदनेश्वर मंदिर धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व का स्थल है। इस मंदिर की वास्तुकला और यहाँ का शांत माहौल दिल को सुकून देता है। मैंने यहाँ पूजा-अर्चना की और स्थानीय लोगों से इस स्थान की कहानियाँ सुनीं। यह जगह मेरे यात्रा अनुभव को आध्यात्मिक रूप से भी समृद्ध कर गई।

समुद्री भोजन का आनंद

खाने की बात करें तो मंदारमणि के समुद्री भोजन का कोई जवाब नहीं। ताजा मछलियाँ, झींगे और केकड़े के व्यंजन यहाँ के खास आकर्षण हैं। मैंने चिंगरी माछेर मालाई करी और इलिश माछ का आनंद लिया और फिर घूमने की शुरूआत हुई। इस यात्रा के दौरान मैंने कई प्रमुख स्थानों का सैर किया जो मेरी यात्रा को और भी यादगार बना गए। सबसे पहले मंदारमणि समुद्र तट पर गया और पाया कि इसकी खूबसूरती के बारे में जितना सुना था, वह उससे कहीं ज्यादा था। जैसे ही मैंने तट पर कदम रखा, समुद्र की ठंडी हवा और लहरों का संगीत मेरे दिल को छू गया। यहाँ का सूर्यास्त मेरे लिए यात्रा का सबसे खूबसूरत हिस्सा था। आसमान में बिखरे रंग और समुद्र की शांत लहरों के बीच बैठकर समय बिताना एक अनोखा अनुभव था। मोहना, जहाँ नदी और समुद्र का संगम होता है एक प्राकृतिक अजूबा है। इस जगह पर जकार तो मेरा मन खुशी से झूम उठा। मैंने यहाँ नाव की सवारी का आनंद लिया और संगम स्थल की सुंदरता को करीब से निहारा। यह जगह पक्षी प्रेमियों के लिए भी खास है, क्योंकि यहाँ कई दुर्लभ पक्षी प्रजातियाँ देखने को मिलती हैं।

राकेश कुमार पाण्डेय
सहायक प्राध्यापक/ रंगकर्मी

आज का दौर

देखो आया है दौर कैसा,
सबसे ऊपर हुआ पैसा।

दोस्ती यारी रिश्तेदारी,
खत्म हो रहे हैं सारे।
पैसों से खरीदे संबंध से
होते वारे न्यारे।।

रोटी ने ममता छीनी,
पैसों ने नम्रता।
आधुनिकता ने नाते छीने,
तकनीक ने गुणवत्ता।

परिस्थितियों ने शब्द छीने,
विचारों ने भाव।
संपन्नता ने विनम्रता छीने,
पद ने स्वभाव।।

चाची, मामी, बुआ, मौसी,
फूफा, मामा, मौसा, चाचा।
अंकल आंटी में ही सबको,
निपटा देता बच्चा।

माता मॉम हुई पिता डैड,
अपने रिमूव, सपने ऐड।
हैंडशेक उत्तम हुआ,
चरण स्पर्श बैड।।

धर्म को गाली देना प्रगति,
पूजा पाठ अंधविश्वास!
दूसरों के चक्कर में करते,
अपनों का उपहास।।

कहे राकेश देखो दुनिया,
रंग दिखाती कैसे कैसे।
मानवता को रौंद कर,
लोग कमाते पैसे।।

अपने स्वार्थ में हमने,
आवरण जो यह ओढ़ा है।
संवेदनाओं की राह में,
सबसे बड़ा रोड़ा है।।

समय नहीं रहा अब,
बाबू भइया का।
प्रभाव बढ़ गया है।
यहां रुपया का।।

व्यंग्य ■ बर्बरीक

पापा नहीं मानेंगे

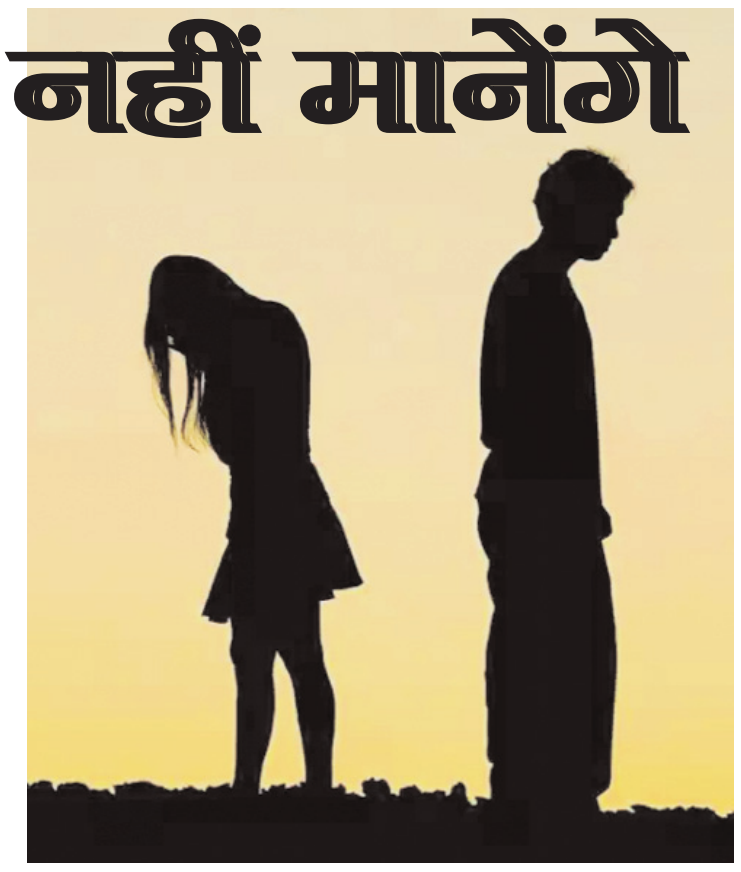

दिलीप कुमार

एक उस्ताद शायर की ये मानीखेज पंक्तियां बरसों बरस तक आशिकों के जुबानों पर दुआ बनकर आती रहीं थीं, गोया ये बद्दुआ ही थी। इन मरदूद आशिकों को ये इल्म नहीं था कि खुदा किसी को खाक करने की बद्दुआ कभी कुबूल नहीं करते, अलबत्ता इश्क करने वालों को तो खुदा का ही आसरा रहा है, अपनी दुआ, बद्दुआ, इल्तजा सब खुदा के हवाले। मगर ये उस दौर की कहानी थी, जब लड़कियों के पिता की सख्त निगरानी में लड़की से संपर्क करना मुश्किल था। लेकिन, अब दौर दूसरा है, कोई भी किसी से सम्पर्क कर सकता है, अपनी बात कह सकता है। ईमेल, फेसबुक, वाट्सएप मैसेंजर में हाल ए दिल कह सकता है और तुरंत जवाब भी पा सकता है, बिना लड़की के पापा के बीच में आये। एक वक्त था जब लोग इश्क का इजहार करते थे और लड़की की उसमें रुचि नहीं रहती थी तो वो डरते-डरते कहती थी कि 'पापा जान जाएंगे तो?' यानी उसके बाद ठुकाई, कुटाई और ना जाने क्या क्या? लेकिन, अब दौर बदल गया है, अब इश्क में भी ऑप्शन का जमाना है, गये वो जमाने जब इश्क के लिये एक अदद प्यारे दिल की ही जरूरत हुआ करती थी। जिंदगी दो जून की रोटी, सिर छुपाने की छत और तन ढकने के दो कपड़ों पर इश्क परवान चढ़ा करता था, तब पापा जान जाएंगे, से पहले लोग फरार हो जाते थे और उत्साह से कहते थे कि नदिया किनारे रहेंगे और रूखी-सूखी खाकर दुनिया की नजरों से दूर रहेंगे, ताकि पापा जान ना जाएँ हम कहाँ हैं?

फाकामस्ती में मंजनू गाया करते थे

'ये गिजा मिलती है लैला तेरे दीवाने को
खूने दिल पीने को और लख्ते जिगर खाने को'

लेकिन जिस तरह से आर्थिक उदारीकरण ने आर्थिक मंदी का दंश दिया, वैसे ही बदलते दौर में पापा फिर नए तरीके से आए।पापा जान जाएंगे, से पापा नहीं मानेंगे, का रास्ता यूँ ही नहीं तय हुआ। पापा यूँ ही नहीं हैं ऐसे, पापा ने वक्त की चक्की में, जरूरत के पाटों में हर वादे को पिसते देखा है और जमाने से जूझते पापा अपनी औलाद के बेहतर भविष्य के लिए, बकौल पापा-

'मेरे सर पे है जब तक जिम्मेदारियों का पहाड़
मेरे बच्चे मुझे बूढ़ा नहीं होने देते'

यकीनन ये दौर ही ऐसा है जब पापा, बेटी-बेटा दोनों से उसकी जिन्दगी को सेटल करने में राय-मशवरा करते हैं। लेकिन, ये समस्या सिर्फ औलाद की हो, कि पापा उसकी बात नहीं मानेंगे, बल्कि पापा भी कभी-कभी सर्वथा औलाद को अपनी विरासत देने में एड़ी चोटी का जोर लगा देते हैं। पापा नहीं माने, तभी तो गावस्कर ने अपने बेटे को बैटिंग, बच्चन ने अपने बेटे को एक्टिंग कराई, भले ही उसका नतीजा कुछ भी हो। पापा के ना मानने की जिद थी कि यश चोपड़ा के बेटे उदय चोपड़ा और अभिनेत्री तनूजा की बेटी, तनिष्का मुखर्जी ने कुछ साल पहले एक फिल्म बनायी थी

'नील एन निक्की' यशराज बैनर की इस कालजयी फिल्म को देखने के बाद फिल्म क्रिटिक्स ने लिखा था कि तीन घंटे की इस पूरी फिल्म देखने को लिए विशेष प्रोत्साहन राशि की घोषणा करनी चाहिए थी और इसके अलावा फिल्म को बगैर सोए सफलता पूर्वक देखने के लिए ऐसे उत्साही सिने प्रेमियों के लिए दादा साहब फाल्के सम्मान के समान किसी पुरस्कार की घोषणा करनी चाहिए। जब पापा नहीं मानते और मेहनत से हासिल की गयी अपनी राजनीतिक विरासत अपनी संतान को ही सौंपते हैं, भले ही उसमें नेतृत्व के गुण हों या ना हों। लेकिन, राजा की अंतिम इच्छा यही होती है कि राजा अपने बेटे को ही राजा बनाए। हमारा इतिहास इन पापाओं के बात न मानने से रक्तरंजित होता रहा है, लेकिन इतिहास से किसने सबक लिया था। पिता दशरथ के दो वर,अपनी जुबान की लाज रखने के लिए उनके जी का जंजाल बन गए और अंततः उनके प्राण लेकर ही माने। मेघनाथ ने रावण को लाख समझाया कि सीता जी को राम को वापस करके उनसे संधि कर लें, लेकिन पापा रावण कहाँ माने, अपनी जिद से अपना और अपने कुल का नाश कराया। पापा नहीं माने तभी तो महाभारत के बीज पड़े, पहले देवव्रत ने अपने पिता की इच्छा पूरी करने के लिए भीष्म प्रतिज्ञा की और फिर उनकी यही भीष्म प्रतिज्ञा तमाम अधर्म के कृत्यों का आवरण बनी। कहीं पापा नहीं माने, कहीं बेटा नहीं माने। जब-जब राष्ट्र पर पापा की बुद्धि पर पुत्र मोह हावी हुआ, तब-तब कहीं ना कहीं महाभारत हुई। वरना हमारी दुनिया इस रक्तपात से रक्तरंजित ना हुई होती। जॉर्ज बुश सीनियर के बेटे जॉर्ज बुश जूनियर ने इस दुनिया को अपने एडवेंचर के लिए इन जंगों में न झोंका होता। जूनियर बुश के पापा सीनियर बुश नहीं माने, पहले अरब में आग लगायी और फिर वॉर ऑन टेरर के नाम पर पूरे मध्य एशिया और दक्षिण एशिया को कुरुक्षेत्र बना रखा है। पापा नहीं माने, तभी तो पूर्वी भारत के एक बहुत बड़े नेता वर्षों से जेल में हैं, मगर खुद को अपनी पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित करवा लिए। वैसे इनके मेधावी पुत्र अपने अंग्रेजी ज्ञान और इतिहास के ज्ञान से देश के लोगों का खासा मनोरंजन करते रहते हैं। ये पापा की बेटे को राजा बनाने वाली पूरे देश के हर प्रान्त में है और पापा हैं कि मानते ही नहीं। यहां हम माँ के लॉडलों का जिक्र इसलिए नहीं करेंगे, क्योंकि माँ के लॉडलों को 'ममा,ज बॉय' कहकर माफ कर दिया जाता है, वरना इतिहास में इस अनुभवहीनता बात का जिक्र बड़ी दबी जुबान में होता है, जब अपने ही देश से गए लोगों को रेस्क्यू करने के बजाय उनको मारने के लिये सेना भेज दी गयी हो,

'लम्हों ने खता की थी, सदियों ने सजा पायी'

पापा लोगों की भी समस्या है आजकल कोई समय से रिटायर ही नहीं होता, मरते दम तक राज भोगना चाहता है। कुछ समय पहले तक छत्तीस राजनैतिक पद वाले एक परिवार में भी ये समस्या आन खड़ी हुई थी, नए को राज लेना था, पुराना छोड़ने को तैयार नहीं था। रुस्तम और सोहराब आमने सामने, ना कम रघुवर, ना कम कन्हैया (नॉट कुमार)। बड़ा धर्मसंकट था,,

'कैद ये है कि बज्म में हो होंठ सिले
हुक्म ये है कि हर बात जुबानी कहिये'

इसको निपटाने के लिये एक बीच का रास्ता निकाला गया, रुस्तम राष्ट्रीय अध्यक्ष... सोहराब... कार्यकारी अध्यक्ष..., तुम्हारी भी जै-जै, हमारी भी जै-जै, ना तुम हारे,ना हम हारे ,, तो फिर हारा कौन,,,? इस आधुनिक समर में कोई कुछ नहीं खोता, कुछ खोती है तो सिर्फ जनता, अपने सपने,अपनी उम्मीदें।

वरना जिस विचारधारा को लेकर पश्चिम भारत में लोगों ने अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया, जिनसे लड़ने-जूझने के लिए ही जो बने थे, वही विचारधारा दूसरी विचारधारा से ऐसे घुल मिल गयी जैसे दूध में शक्कर। दूध में शक्कर मिल जाए तो अगली स्टेज रबड़ी मलाई ही होती है, लेकिन जिन्होंने लाठियाँ खायीं,संन्घर्ष किया उनका क्या, वो हैरान हैं, दूसरे हैरान शख्स ने उसे समझाया है कि

'तुझे कसम है ,खुदी को बहुत हलाक ना कर
कि तू इस मशीन का पुर्जा है ,पूरी मशीन नहीं'

लोग कहते हैं कि पुत्रों को पापा, पिता और मम्मी की विचारधारा को मानना चाहिये, ये बहुत सही बात है, बड़ों का आदर करना ही चाहिए। पापा मानें या ना मानें, पापा तो मना ही लिए जाते हैं जैसे बिलावल भुट्टो, आसिफ अली जरदारी को इस बात को मनाने के लिए तैयार कर ले गए हैं कि जरदारी जेल में ही रहेंगे, मगर स्विस खातों की डिटेल सरकार को नहीं देंगे।

पापा नहीं मानेंगे के अपने-अपने मायने हैं सियासत, फिल्म, खेल के अलावा अब ये साहित्य में भी अपना जलवा बिखेर रहा है। क्रॉनिक बैचलर और किस्सों की सड़क के लेखक भी इस क्रॉनिक डिजीज से त्रस्त हैं। सूत्र बताते हैं कि बचपन में लड़कियां उनका टिफिन खा लेती थीं और अपनी बारी आने पर टिफिन शेयर करने से मना कर देती थीं, ये कहकर कि पापा नहीं मानेंगे। लेखक मिजाज को विज्ञान पढ़वा डाला कि तुम पढ़ लो, तब मैं मिलूंगी, वरना पापा नहीं मानेंगे। लड़का पढ़-लिख कर नौकरी करने लगा और जब-जब उन सबको उनकी अहद याद दिलाता है तो पहले तो शमार्ती हैं लेकिन थोड़ी देर बाद 'पापा नहीं मानेंगे' कहकर गुडबॉय कर जाती हैं। सुना है, वो किस्सागो पापा नहीं मानेंगे, के ताबड़तोड़ हमलों से त्रस्त होकर अगली पुस्तक शायरी की लिखेगा, जिसमें इस टाइप के शेर होंगे

'भूल शायद बहुत बड़ी कर ली
दिल ने इक बेवफा से दोस्ती कर ली
वो मोहब्बत को खेल समझती रही
हमने बर्बाद जिंदगी कर ली'

खुदा या खैर इस लेखक पर।

अचानक मेरी पत्नी ने मुझसे पूछा 'सुनो, तुमने पापा से बात की थी ना, वो जो मम्मी वाला बड़ा सा हार फालतू में रखा है उसे मैं तुड़वा कर नए डिजाइन के गहने बनवा लूँ... मेरे मुंह से बेसाख्ता निकल पड़ा 'पापा नहीं मानेंगे'।

शांति, संस्कृति एवं शिक्षा का महापर्व है बसंत पंचमी

ललित गर्ग

बसंत पंचमी के साथ, बसंत ऋतु की शुरूआत होती है, जो फसलों की कटाई के लिए एक अच्छा समय है। फाग के राग की शुरूआत भी इसी दिन होती है। फाल्गुन का अर्थ ही है मधुमास। वो ऋतु जिसमें सर्वत्र माधुर्य ही माधुर्य हो, सौन्दर्य ही सौन्दर्य हो। वृक्ष नये पत्तों से सज गये हो, कलियां चटक रही हों, कोयल गा रही हो, हवाएं बह रही हो। ऐसे मधुर मौसम में सरस्वती पूजन वसंत की शुचिता एवं सिद्धि का प्रतीक है, एक ऊर्जा है, एक शक्ति है, एक गति है।

बसंत पंचमी या श्री पंचमी हिन्दुओं का प्रमुख सांस्कृतिक एवं धार्मिक त्यौहार है। इस दिन विद्या की देवी सरस्वती, कामदेव और विष्णु की पूजा की जाती है। यह प्रकृति के सौंदर्य, नई शुरूआत, और सकारात्मकता का उत्सव भी है। इस दिन देवी सरस्वती की पूजा से मन में शांति और ज्ञान का संचार होता है। यह पर्व हमें सिखाता है कि जीवन में शिक्षा, कला, सौन्दर्य और प्रकृति का सम्मान करना कितना महत्वपूर्ण है। शास्त्रों में बसंत पंचमी को ऋषि पंचमी से उल्लेखित किया गया है। प्राचीन भारत और नेपाल में पूरे साल को जिन छह ऋतुओं में बांटा जाता था उनमें बसंत लोगों का सबसे मोहक, मनोरम एवं मनचाहा मौसम था। बसंत पंचमी मन की, जीवन की, संस्कृति की, साहित्य की, संगीत की, प्रकृति की असीम कामनाओं का अनूठा एवं सौन्दर्यमय त्योहार है, जो हर वर्ष माघ मास में शुक्ल पक्ष की पंचमी के दिन मनाया जाता है। दूसरे शब्दों में बसंत पंचमी का दूसरा नाम सरस्वती पूजा भी है। माता सरस्वती को ज्ञान-विज्ञान, सूर-संगीत, कला, सौन्दर्य और बुद्धि की देवी माना जाता है। कहा जाता है कि देवी सरस्वती ने ही जीवों को वाणी के साथ-साथ विद्या और बुद्धि दी थी। इसलिए वसंत पंचमी के दिन हर घर में सरस्वती की पूजा की जाती है, मां सरस्वती की पूजा करने से मां लक्ष्मी और देवी काली भी प्रसन्न होती हैं। बसंत पंचमी के 40 दिन बाद होली का पर्व मनाया जाता है, इसलिए बसंत पंचमी से होली के त्योहार की शुरूआत मानी जाती है।

मान्यता है कि बसंत पंचमी को देवी सरस्वती का जन्म हुआ था। इसी दिन वह हाथों में पुस्तक, वीणा और माला लिए श्वेत कमल पर विराजमान होकर प्रकट हुई थीं। कहा जाता है कि देवी सरस्वती की पूजा सबसे पहले भगवान श्रीकृष्ण ने की थी। मां सरस्वती को बागीश्वरी, भगवती, शारदा, वीणावादनी और वाग्देवी सहित अनेक नामों से पूजा जाता है। देवी भागवत में उल्लेख है कि माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी को ही संगीत, काव्य, कला, शिल्प, रस, छंद, शब्द, स्वर व शक्ति की प्राप्ति जीव-जगत को हुई थी। इसीलिये मां सरस्वती को प्रकृति की देवी की उपाधि भी प्राप्त है। पद्मपुराण में मां सरस्वती का रूप प्रेरणादायी है। धर्मशास्त्रों के अनुसार मां सरस्वती का वाहन सफेद हंस है। यही कारण है कि देवी सरस्वती को हंसवाहिनी भी कहा जाता है। देवी सरस्वती विद्या की देवी हैं। देवी का वाहन हंस यही

संदेश देता है कि मां सरस्वती की कृपा उसे ही प्राप्त होती है जो हंस के समान विवेक धारण करने वाला होता है। केवल हंस में ही ऐसा विवेक होता है कि वह दूध का दूध और पानी का पानी कर सकता है। हंस दूध ग्रहण कर लेता है और पानी छोड़ देता है। इसी तरह हमें भी बुरी सोच को छोड़कर अच्छाई को ग्रहण करना चाहिए।

सफेद रंग शांति और पवित्रता का प्रतीक है। यह रंग शिक्षा देता है कि अच्छी विद्या और अच्छे संस्कारों के लिए आवश्यक है कि आपका मन शांत और पवित्र हो। सभी को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। मेहनत के साथ ही माता सरस्वती की कृपा भी उतनी आवश्यक है। मां सरस्वती हमेशा सफेद वस्त्रों में होती हैं। इसके दो संकेत हैं पहला यह कि हमारा ज्ञान निर्मल हो, विकृत न हो, अहंकारमुक्त हो। जो भी ज्ञान अर्जित करें वह सकारात्मक हो। दूसरा संकेत हमारे चरित्र को लेकर है। कोई दुर्गुण हमारे चरित्र में न हो। मां ने शुभ्रवस्त्र धारण किए हैं, ये शुभ्रवस्त्र हमें प्रेरणा देते हैं कि हमें अपने भीतर सत्य, अहिंसा, क्षमा, सहनशीलता, करुणा, प्रेम व परोपकार आदि सद्गुणों को बढ़ाना चाहिए और क्रोध, मोह, लोभ, मद, अहंकार आदि का परित्याग करना चाहिए। मां सरस्वती को पीले रंग प्रिय है, मान्यतानुसार पीला रंग सुख-समृद्धि और ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। पीला रंग बसंत पंचमी का मुख्य प्रतीक है। पीले रंग को सरस्वती मां का प्रिय रंग भी कहा जाता है। पीले फूलों को मां पर अर्पित किया जाता है, पीले रंग की साज-सज्जा की जाती है और पीले रंग के चावल माता को भोग में चढ़ाने शुभ माने जाते हैं।

बसंत पंचमी एक उत्सव ही नहीं बल्कि एक प्रेरणा भी है। बसंत पंचमी सिखाती है कि पुराने के अंत के साथ ही नए का सृजन भी होता है। असल में अंत और शुरूआत एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। बसंत ऋतु के आने से पहले पतझड़ का उदास मौसम होता है, लेकिन बसंत पंचमी के साथ ही बसंत ऋतु भी दस्तक देती है और बसंत ऋतु में पतझड़ से खाली हुए पेड़ पौधों में फिर से एक चमक, एक सुंदरता उतर आती है। जीवन का दस्तूर भी कुछ ऐसा ही है। पतझड़ की तरह खालीपन आता है लेकिन सब्र का दामन ना छोड़ें तो बसंत की बहार भी आती है। पूरे मन एवं आस्था से सरस्वती की पूजा एवं साधना करें ताकि आपकी वाणी मधुर हो, स्मरण शक्ति तीव्र हो, सौभाग्य की प्राप्ति हो, विद्या की प्राप्ति हो। सरस्वती पूजा से पति-पत्नी और बंधुजनों का कभी वियोग नहीं होता है तथा दीर्घायु एवं निरोगता प्राप्त होती है। इस दिन भक्तिपूर्वक ब्राह्मण के द्वारा स्वस्ति वाचन कराकर गंध, अक्षत, श्वेत पुष्प माला, श्वेत वस्त्रादि उपचारों से वीणा, अक्षमाला, कमण्डल, तथा पुस्तक धारण की हुई सभी अलंकारों से अलंकृत सरस्वती का पूजन करें।

बसंत पंचमी के साथ, बसंत ऋतु की शुरूआत होती है, जो फसलों की कटाई के लिए एक अच्छा समय है। फाग के राग की शुरूआत भी इसी दिन होती है। फाल्गुन का अर्थ ही है मधुमास। वो ऋतु जिसमें सर्वत्र माधुर्य ही माधुर्य हो, सौन्दर्य ही सौन्दर्य हो। वृक्ष नये पत्तों से सज गये हो, कलियां चटक रही हों, कोयल गा रही हो, हवाएं बह रही हो। ऐसे मधुर मौसम में सरस्वती पूजन वसंत की शुचिता एवं सिद्धि का प्रतीक है, एक ऊर्जा है, एक शक्ति है, एक गति है। लोकमन के आह्लाद से मुखरित वसंत ही महक और फाल्गुनी बहक के स्वर इसका लालित्य है, यही इस त्योहार की परम्परा का आह्वान है, यही इसका अलौकिक सौन्दर्य है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, ऐसा माना जाता है कि भगवान ब्रह्मा ने इसी दिन ब्रह्मांड का निर्माण किया था। सृष्टि की रचना करके जब उन्होंने संसार में देखा तो उन्हें चारों ओर सुनसान निर्जनता एवं नीरसता ही दिखाई दी। वातावरण बिल्कुल शांत एवं नीरस लगा जैसे किसी की वाणी ही न हो। यह सब देखने के बाद ब्रह्माजी संतुष्ट नहीं थे तब ब्रह्माजी ने भगवान विष्णुजी से अनुमति लेकर अपने कमंडल से पृथ्वी पर जल छिड़का। जल छिड़कने के बाद एक देवी प्रकट हुई। देवी के हाथ में वीणा थी। भगवान ब्रह्मा ने उनसे कुछ बजाने का अनुरोध किया ताकि पृथ्वी पर सब कुछ शांत न हो। परिणामस्वरूप, देवी ने कुछ संगीत बजाना शुरू कर दिया। तभी से उस देवी को वाणी, वीणा और ज्ञान की देवी सरस्वती के नाम से जाना जाने लगा। उन्हें वीणावादिनी के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि देवी सरस्वती ने वाणी, बुद्धि, बल और तेज प्रदान किया। इसीलिये बसंत पंचमी का सांस्कृतिक और धार्मिक दोनों ही महत्व है। यह ज्ञान, संगीत, कला, सौंदर्यशास्त्र की देवी सरस्वती का त्योहार है। महाभारत के शांति पर्व में उन्हें वेदों की माता कहा गया है। वह अज्ञानता, अविद्या और अंधकार को दूर कर गर्मी, चमक, प्रकाश, माधुर्य, सद्भाव, पवित्रता और प्रसन्नता का संचार करती है।

(यह लेखक के व्य??क्तिगत ?विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ?निवार्य नहीं है)

संपादकीय

राहुल की दलित नीति

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी जब भी कुछ कहते हैं तो वह बहुत से लोगों को बहुत तरह से सोचने का मसाला भी दे देते हैं। कभी-कभी इतना अटपटा बोल देते हैं कि वह गैर कांग्रेसियों के बीच मजाक बन जाते हैं और फिर पूरी कांग्रेस को क्षतिपूर्ति के अनुष्ठान में लग जाना पड़ जाता है। चाहे उनका लोक सभा चुनाव के दौरान दिया गया शक्ति वाला बयान हो या हरियाणा चुनाव के दौरान दिया गया जलेबी के कारखाने वाला बयान हो। वह प्रायः अपने बयानों की गंभीरता को बनाए नहीं रख पाते। इस बार उन्होंने एक बार फिर अपनी पार्टी को कठघरे में खड़ा कर दिया है। दलित बुद्धिजीवियों के सम्मेलन में आमंत्रित वक्त के रूप में उन्होंने कहा कि जब तक दलित और पिछड़े कांग्रेस के साथ थे तब तक आरएसएस सत्ता से दूर रहा, लेकिन 1990 के बाद यानी नरसिंह राव के शासनकाल में कांग्रेस दलित और पिछड़ों को अपने साथ जोड़कर नहीं रख सकी। अब वह कांग्रेस की इस गलती को सुधारना चाहते हैं। दलित और पिछड़ों की भागीदारी बढ़ाने के लिए कांग्रेस के भीतर ही क्रांति करेंगे। आशा यह है कि दलित-पिछड़ों को अपनी पार्टी में जगह देकर दलित-पिछड़े समूह को अपनी पार्टी से जोड़ेंगे और अपना खोया हुआ जनाधार फिर से प्राप्त करेंगे और उनके बल पर संघ और भाजपा को सत्ता से बाहर करेंगे। इसके लिए उन्होंने यह आशंका भी जताई है कि अपनी पार्टी में विरोध भी सहना पड़ सकता है लेकिन वह इस इरादे को पूरा करने के लिए किसी की भी नहीं सुनेंगे। यह हास्यास्पद स्थिति है कि कांग्रेस का शीर्षस्थ नेता एक नीतिगत प्रश्न को एक सामान्य बैठक में इस तरह से प्रस्तुत करे। पहले उन्हें अपनी पार्टी के भीतर यह बात रखनी चाहिए थी पार्टी में दलित और पिछड़ों को क्या जगह दी जाए, कैसे दी जाए इसकी प्रक्रिया तय करनी चाहिए थी और जब एक स्पष्ट रणनीति निर्धारित हो जाती तो उसे जनता के सामने स्पष्टतः रखना चाहिए था। उन्हें यह भी समझना चाहिए था कि जो दलित और पिछड़े समूह स्वयं शक्तिशाली होकर इस या उससे गठजोड़.करने की स्थिति में हैं, वे राहुल गांधी की कृपा पर क्यों रहेंगे। लेकिन राहुल गांधी तो राहुल गांधी हैं। अब उनकी पार्टी तय करेगी कि उनके इस नीति वक्तव्य का वह क्या करे।

चिंतन-मनन

पशुवध निंदनीय-दंडनीय कर्म

सतोगुण में किये गये पुण्यकर्मो का फल शुद्ध होता है, अतएव वे मुनिगण, जो समस्त मोह से मुक्त हैं, सुखी रहते हैं। लेकिन रजोगुण में किये गये कर्म दुख का कारण बनते है। भौतिक सुख के लिए जो भी कार्य किया जाता है, उसका विफल होना निश्चित है। उदाहरणार्थ, यदि कोई गगनचुम्बी प्रासाद बनवाना चाहता है, तो उसके पूर्व अत्यधिक कष्ट उठाना पड़ता है। मालिक को धन-संग्रह के लिए कष्ट उठाना पड़ता है और प्रासाद बनाने वाले श्रमिकों को श्रम करना होता है। अतएव भगवद्गीता का कथन है कि रजोगुण के अधीन होकर जो भी कर्म किया जाता है, उसमें निश्चित रूप से महान कष्ट भोगने होते हैं।

इससे यह मानसिक तृप्ति हो सकती है कि मैंने यह मकान बनवाया या इतना धन कमाया, लेकिन यह वास्तविक सुख नहीं है। जहां तक तमोगुण का सम्बन्ध है, कर्ता को कुछ ज्ञान नहीं रहता, अतएव उसके समस्त कार्य उस समय दुखदायक होते हैं और बाद में उसे पशु जीवन में जाना होता है। पशु जीवन सदैव दुखमय है, यद्यपि माया के वशीभूत होकर वे इसे समझ नहीं पाते। पशुओं का वध भी तमोगुण के कारण है। पशु-बधिक यह नहीं जानते कि भविष्य में इस पशु को ऐसा शरीर प्राप्त होगा, जिससे वह उनका वध करेगा। यही प्रकृति का नियम है। मानव समाज में यदि कोई किसी मनुष्य का वध कर दे तो उसे प्राणदंड मिलता है।

यह राज्य का नियम है। अज्ञानवश लोग अनुभव नहीं करते कि संसार परमेश्वर द्वारा नियंत्रित एक पूरा राज्य है। प्रत्येक जीवित प्राणी परमेश्वर की संतान है और उन्हें एक चींटी तक का मारा जाना सह्य नहीं हैं। इसके लिए मनुष्य को दंड भोगना पड़ता है। अतएव स्वाद के लिए पशु-वध में रत रहना घोर अज्ञान मनुष्य को पशुओं के वध की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि ईश्वर ने अनेक अच्छी वस्तुएं प्रदान की हैं। यदि कोई किसी कारण मांसाहार करता है, तो यह समझना चाहिए कि वह अज्ञानवश ऐसा कर रहा है और अपने भविष्य को अंधकारमय बना रहा है।

बजट भाषण उपरांत शेयर बाजार गिरने के निहितार्थ

डॉ हिदायत अहमद खान

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला पूर्ण बजट 2025-26 पेश कर दिया है। इसे लेकर जहां सत्ता पक्ष खासा खुश है तो वहीं विपक्ष इसे आंकड़ों की जादूगरी बताकर इसकी आलोचना भी कर रहा है। आरोप तो यह भी है कि यह बजट बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए बिहार केंद्रित कर दिया गया। ज्यादातर योजनाओं के जरिये बिहार को बहुत कुछ उपलब्ध कराने की बात कही जा रही है। इससे पहले की बात करें तो संसद में बजट पेश होता उससे पहले शेयर बाजार सकारात्मक रुख के साथ खुला, लेकिन बजट भाषण जैसे ही खत्म हुआ इसमें गिरावट देखने को मिली। इससे संदेश यह गया कि बजट में शेयर बाजार और निवेशकों के लिए कुछ खास नहीं है। इस कारण बाजार में गिरावट देखने को मिली है। विशेष रूप से रक्षा क्षेत्र के शेयरों में 9 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई, जिसका प्रमुख कारण बजट में रक्षा क्षेत्र को अपेक्षाकृत कम आवंटन बताया जा रहा है। एचएएल, बीईएल और बीएचईएल जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों और निजी रक्षा कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आ गई। इस बजट में सरकारी पूंजीगत व्यय में मामूली बढ़ोतरी की गई है, जिससे यह 11.2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। हालांकि, यह निवेशकों की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहा, जिससे बाजार में नकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली। वहीं, एफएमसीजी, ऑटोमोबाइल और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर को इस बजट से सकारात्मक लाभ मिलने की संभावना है, जिससे इन क्षेत्रों के शेयरों में मजबूती देखी जा सकती है। वैसे सत्ता पक्ष ने इस बजट को टैक्स सुधार की श्रेणी में रखते हुए आम जनता को राहत देने वाले बजट के तौर पर प्रस्तुत किया है। वित्त मंत्री सीतारमण ने अपने बजट भाषण के दौरान नए इनकम टैक्स बिल का ऐलान किया है, जिसे अगले हफ्ते संसद में पेश किया जाएगा। इस नए टैक्स स्ट्रक्चर के तहत, 12 लाख रुपये तक की आमदनी पर सशर्त कोई टैक्स नहीं लगेगा। दरअसल बिना किसी निवेश के 0-4 तक की आय में कोई टैक्स नहीं देना होगा, जबकि 04-8 लाख रुपये तक की आय पर 5 फीसदी टैक्स लगेगा, 8 से 12 लाख रुपये तक आमदनी पर 10 फीसदी टैक्स देना होगा। यदि निवेश किया जाता है तो 12 लाख रुपये तक की आमदनी पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। वहीं 12-16 लाख तक की आय पर 15 फीसदी टैक्स, 16-20 लाख तक की आय पर 20 फीसदी टैक्स और 20 से 24 लाख रुपये तक की आय पर 25 फीसदी टैक्स के साथ ही 24 लाख रुपये से अधिक की आमदनी पर 30 फीसदी टैक्स देना होगा। इसके अलावा बुजुर्गों के लिए टैक्स में राहत दी गई है, जिसमें टीडीएस की सीमा को बढ़ाकर 1 लाख रुपये तक कर दिया गया है। वहीं टीसीएस की सीमा को भी 7 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये किया गया है। इस प्रकार टैक्स में नयापन लाने और आमजन को लाभ पहुंचाने का प्रयास जरुर किया गया है। सरकार का उद्देश्य कर ढांचे को सरल और पारदर्शी बनाना है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग टैक्स भुगतान के प्रति जागरूक हों। इन सुधारों से करदाताओं को राहत मिलेगी और उनकी क्रय शक्ति में वृद्धि होगी। गौरतलब है कि बजट पेश किए जाने से पहले तक यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि सरकार नई टैक्स प्रणाली को अधिक बढ़ावा देगी और कर ढांचे में संभावित बदलाव कर सकती है। करदाताओं को उम्मीद थी कि नए स्लैब के तहत टैक्स दरों में कुछ संशोधन किए जाएंगे, जिससे उनकी कर देनदारी कम होगी और बचत बढ़ेगी। हालांकि, बजट के बाद शेयर बाजार की नकारात्मक प्रतिक्रिया यह दशार्ती है कि अनेक क्षेत्रों की सरकार से जो अपेक्षाएं थीं वो पूरी नहीं हो सकी हैं। बजट में घोषित इन बदलावों से जहां एक ओर बचत को बढ़ावा मिलेगा, वहीं दूसरी ओर उपभोक्ताओं की खर्च करने की क्षमता भी बढ़ेगी। खासतौर पर मध्यम वर्ग और कम आय वर्ग के लोगों को राहत मिलेगी, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है। हालांकि, निवेशकों को सरकार की नीतियों से और अधिक स्पष्टता की उम्मीद थी, खासकर रक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर और विनिर्माण क्षेत्रों में। बहरहाल कहा जा सकता है कि यह बजट कुछ क्षेत्रों को लाभ पहुंचाता है, जबकि कुछ अन्य सेक्टर इससे प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकेंगे। वित्त मंत्री सीतारमण का यह बजट आम जनता के लिए राहत देने वाला साबित हो सकता है, लेकिन शेयर बाजार में तुरंत इसका सकारात्मक प्रभाव नहीं दिखा, जो वाकई चिंतनीय है। बाजार की दीर्घकालिक प्रतिक्रिया इस बात पर निर्भर करेगी कि सरकार बजट के क्रियान्वयन में कितनी प्रभावी साबित होती है।

राजनीतिः दिल्ली में किसकी सरकार

अमरेंद्र कुमार राय

दिल्ली में पांच फरवरी को मतदान है, और आठ तारीख को नतीजों की घोषणा। तीन तारीख तक चुनाव प्रचार बंद हो जाएगा। बावजूद इसके कोई भी बताने की स्थिति में नहीं है कि दिल्ली में किसकी सरकार बनने जा रही है। इसकी कुछ वजहें हैं। जो कुछ पिछले लोक सभा चुनाव, हरियाणा विधानसभा चुनाव और उससे भी बढ़ कर महाराष्ट्र चुनाव में हुआ, उसके बाद किसी की हिम्मत नहीं हो रही है कि खुल कर बता दे कि दिल्ली में किसकी सरकार बनने जा रही है। किसको कितनी सीटें मिल रही हैं।

इससे पहले आप ने देखा था कि चुनाव से बहुत पहले से कई सर्वे एजेंसियां बताने लगती थीं कि अमुक पार्टी या गठबंधन को बढ़त है, और फलां को इतनी सीटें मिल रही हैं। लोक सभा चुनावों में कुछ एजेंसियों ने बीजेपी के अकेले 350 से ज्यादा सीटें जीतने की घोषणा की लेकिन बीजेपी 240 पर ही अटक गई। बाद में यह भी सामने आया कि चुनाव आयोग ने खेल न किया होता, निष्पक्ष चुनाव हुए होते तो बीजेपी की सीटों की संख्या 180 पर सिमट गई होती। हरियाणा के चुनाव में कोई सर्वे एजेंसी नहीं कह रही थी कि बीजेपी जीत भी सकती है, बल्कि वे कांग्रेस की बंपर जीत और बीजेपी की बुरी हार का दावा कर रही थीं। लेकिन नतीजे बिल्कुल विपरीत आए। बीजेपी ने 48 सीटें जीत कर रिकॉर्ड बना दिया। 2014 के चुनावों में जब नरेन्द्र मोदी की आंधी चल रही थी तब भी बीजेपी हरियाणा में 45 सीटें पार नहीं कर पाई थी। 2019 के चुनाव में तो वह 40 सीटों पर ही सिमट गई थी। लेकिन 2024 में उसकी निश्चित हार, वह भी बुरी तरह दिख रही थी, के आकलन के बावजूद उसने 48 सीटें जीत कर रिकॉर्ड बना दिया। महाराष्ट्र में तो और भी बुरा हाल हुआ। कुछ महीने पहले हुए लोक सभा चुनाव में जिस कांग्रेस, शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट और एनसीपी शरद पवार वाले गुट ने एनडीए को बुरी तरह पटखनी दी थी, वह विधानसभा चुनाव में बुरी तरह हार गया। कहां तो इनके दो सौ सीटें जीतने की भविष्यवाणी की जा रही थी और कहां ये सब मिल कर पचास सीटें भी नहीं पा सके। इसमें भी चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठे। माना जा रहा है कि हरियाणा और महाराष्ट्र में जनता की जीत नहीं, बल्कि चुनाव आयोग के खेल की जीत है। इसीलिए अब हर सर्वे एजेंसी दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीती जाने वाली सीटों की संख्या घोषित करने में घबरा रही है।

बहरहाल, दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर तीन बातें कही जा रही हैं। एक यह कि जमीन पर आम आदमी पार्टी (आप) मजबूत है और बाकी पार्टियों पर बढ़त बनाए हुए है। इसकी सीटों की संख्या पिछले दो विधानसभा चुनावों की तुलना में कम जरूर हो जाएगी लेकिन सरकार बनाने लायक बहुमत आसानी से पा जाएगी। दूसरी बात यह कही जा रही है कि पिछले दस साल सरकार चलाने के बाद लोगों में आप को लेकर नाराजगी है, और इस बार वे सरकार बदलने के मूड में हैं, और इसका लाभ बीजेपी को मिल सकता है। तीसरी बात यह है कि पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पांच प्रतिशत से भी कम पर सिमट गई थी। इस बार वह जोर लगा रही है। इसलिए अपने वोटों का प्रतिशत बढ़ा कर दस के आसपास कर सकती है। इससे उसकी सीटों का खाता तो शायद न खुले लेकिन निराशा से वह जरूर बच सकती है। वह अपने कार्यकताओं को सपना दिखा सकती है कि इस बार हम वोट बढ़ा सकते हैं तो आगे जीत कर सरकार भी बना सकते हैं। कुछ लोग बीजेपी की जीत और आप की हार में कांग्रेस के वोटों में बढ़ोतरी ही देख रहे हैं।

कुछ कांग्रेस समर्थकों की यह भी सोच है कि मुस्लिम और दलितों में कांग्रेस के प्रति रुझान है। ये दोनों वर्ग मिला कर दिल्ली की आबादी में 30 प्रतिशत हैं। अगर इन दोनों वर्गों ने कांग्रेस का साथ दिया और राहुल गांधी ने आक्रामक प्रचार किया तो कांग्रेस 15 प्रतिशत के आसपास वोट भी पा सकती है, विधानसभा चुनाव में वह आठ-दस सीटें भी जीत सकती है, और ऐसा हुआ तो त्रिशंकु विधानसभा आएगी और फिर कांग्रेस दिल्ली में पुनर्जीवित हो उठेगी। हालांकि इसकी संभावना न के बराबर है। हर चुनाव के बाद खासकर बीजेपी की जीत का एक नरेशन गढ़ा जाता है। जैसे हरियाणा के नतीजों के बाद नरेशन गढ़ा गया कि लोक सभा चुनाव में संघ ने बीजेपी के लिए काम नहीं किया था। हरियाणा के चुनाव में उसने काम किया और हारी बाजी जीत में पलट दी। कांग्रेस की गुटबाजी को भी उसकी हार की वजह बताया गया। महाराष्ट्र के चुनावों में महिलाओं को बांटे जाने वाले रुपये को जीत का आधार बताया गया। उसे सही ठहराने के लिए झारखंड और मध्य प्रदेश की महिलाओं के लिए चलाई गई योजनाएं और उनके नतीजे सामने रखे गए। आपको याद होगा कि गुजरात विधानसभा के पिछले चुनाव में बीजेपी ने रिकॉर्ड जीत हासिल की थी। तब नरेशन गढ़ा गया कि वहां आप ने कांग्रेस के ज्यादातर वोट काट लिए। इसलिए ऐसा नतीजा आया। तो दिल्ली में भी इसकी संभावना है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

DeepSeek's rise signals end of AI monopoly

In a remarkable turn of events, DeepSeek, a Chinese-developed artificial intelligence application, has rapidly ascended to the top of global tech discussions, shaking up the AI industry and posing unprecedented challenges to established giants.Its popularity has directly impacted the stock prices of major US tech companies, including Microsoft, Meta, Nvidia and Alphabet. Collectively, these companies have experienced a loss exceeding $1 trillion in market value. Nvidia saw its shares drop by 17.5 per cent, resulting in a $600-billion decline in market capitalisation.The President of the US, Donald Trump, described DeepSeek's advancements as a "wake-up call", underscoring the need for the US to be competitive in AI development. Industry leaders, including Microsoft CEO Satya Nadella and OpenAI CEO Sam Altman, acknowledged DeepSeek's achievements, with Altman calling the model "super impressive."So, what is this DeepSeek? DeepSeek is an advanced artificial intelligence project developed in China. It is based on the large language model (LLM) that leverages deep learning and transformer-based architecture to generate human-like text, perform reasoning tasks and enhance AI-driven applications. It has challenged the dominance of western AI models, such as OpenAI's GPT-4 and Google's Gemini.

DeepSeek was founded by Liang Wenfeng in May 2023 as a spin-off from High-Flyer AI, a hedge fund managing agent which is designed to leverage AI algorithms for trading financial instruments. The company remained largely unnoticed until it released a paper introducing an innovative load balancer for connecting elements within its mixture of experts (MoE) foundation model.

Later, during the holiday season, DeepSeek-AI unveiled the architectural details of its DeepSeek-V3 foundation model. It features 671 billion parameters — of which only 37 billion are active per generated token — and was trained on a dataset of 14.8 trillion tokens. On January 21, 2025, DeepSeek launched DeepSeek-R1, featuring two additional reinforcement learning stages and two supervised fine-tuning stages to improve reasoning.Large Language Models are massive transformer-based neural networks designed for solving the next-word prediction problem. The breakthrough for these models came in 2017, when the introduction of transformer architecture revolutionised text generation. These models are typically enormous, requiring substantial computational resources — often necessitating hundreds of thousands of graphics processing units (GPUs) — to undergo multiple training cycles, using vast amounts of text data sourced from across the internet. Through this iterative learning process, LLMs refine their ability to predict and generate text with increasing accuracy.

As AI research progressed, a race emerged among leading tech companies to develop ever-larger models, training them on increasingly extensive datasets to achieve superior performance. This race fostered the belief that AI supremacy depended on access to powerful computational infrastructure and larger models. Consequently, a market monopoly began to form, where only the wealthiest organisations with access to cutting-edge hardware could dominate AI advancements with their larger proprietary models.

However, DeepSeek has disrupted this narrative with its innovative model. Unlike conventional approaches that prioritise sheer computational scale, DeepSeek-R1 leverages optimised methodologies that enable high performance without the need for excessive hardware resources. For example, DeepSeek-V3 is trained on a cluster of 2048 Nvidia H800 GPUs, which achieves nearly the same or better accuracy as that of the traditional one.This presents a formidable challenge to the existing AI monopoly, demonstrating that groundbreaking AI development is possible outside the constraints of infrastructure supremacy. Unlike traditional AI infrastructures that require immense power consumption, DeepSeek's model significantly reduces energy demands and carbon emissions. This environmentally conscious optimisation presents a sustainable alternative, reinforcing DeepSeek's role in advancing AI while minimising its ecological footprint.

For once, AAP on the defensive in Delhi

The BJP's strategy has been marked by a personal attack on ex-CM Kejriwal

The Delhi Assembly elections continue to pivot around Arvind Kejriwal and the Aam Aadmi Party (AAP), thanks to its two full terms (and a little more) in power since 2013. Although Atishi is currently the Chief Minister, leading the House with an overwhelming majority of AAP legislators, she has made it abundantly clear that she only sits there in the interregnum, and it is Kejriwal who holds the reins of power. To further buttress Kejriwal's pre-eminence, the electoral promises made this time are being referred to as "Kejriwal ki guarantee".

As for the ruling party, it is defending its record of governance — what it calls the 'Delhi model' centred around vastly improved government schools and mohalla clinics, topped up with dollops of free electricity and water supply for those at the bottom of the economic pyramid. The broader canvas of pro-poor governance is somewhat invisible to the more affluent citizenry of Delhi, portrayed popularly as "dilwaali dilli", happy and feisty in its spirit.So, how is AAP defending its long tenure in power — and countering the general setting in of anti-incumbency and the corruption charges that landed then CM Kejriwal and his deputy Manisha Sisodia in jail? Has the BJP been able to launch a counter-offensive sharp enough to dislodge the incumbents? And finally, what role does the Congress play in this frayed pitch where it must oppose AAP in Delhi, but is ideologically committed to not let the BJP come to power? The dilemma for the Congress deepens further as it is the leader of the INDIA bloc, whereas its alliance partners Mamata Banerjee, Hemant Soren and Akhilesh Yadav are open in their support for Kejriwal.The current AAP is dramatically different from what it was in 2013, when it was a new party emerging from a people's movement against corruption, appropriately named 'India Against Corruption'. The target of the attack then was the Congress, led by Manmohan Singh at the Centre and Sheila Dikshit in the state. The allocation of the telecom spectrum, the coal scam, then CAG Vinod Rai's report, the mismanagement of the Commonwealth Games and finally the Nirbhaya tragedy created a popular storm against the Congress. Having grabbed power from the Congress in the national capital, Kejriwal became the face of its pro-poor governance. AAP developed national ambitions and even challenged the BJP. The party's runaway success in Punjab was its crowning glory.By 2024, however, it had become a far more weakened AAP, with the BJP leading an assault on the party, levying corruption charges in the 'liquor scam'; the excise policy did not see the light of day but is presumed to have accorded partisan benefits to AAP. Even more scandalous were the social media revelations of Kejriwal's 'Sheesh Mahal' — the CM's official residence that he got renovated at a considerable cost to the exchequer. The CAG audit put the cost at Rs 33 crore, while BJP leaders claimed that it was above Rs 70 crore. Social media circulated photographs of this palatial bungalow, bringing considerable disrepute to him and his party.The now-forgotten case of his own Rajya Sabha MP and trusted party colleague Swati Maliwal entering Kejriwal's residence and levying charges of misconduct by his personal assistant did further damage. Kejriwal was quick to make a turnaround — he resigned from the CM's post soon after his release from jail and vacated the bungalow. Since then, he has returned to the people's court and his party cadres. The resignation also reduced the likelihood of Kejriwal's confrontation with the Lieutenant Governor (L-G), since it is now a milder and younger Atishi dealing with the L-G.

The BJP's offensive has largely been a personal attack on Kejriwal — over corruption charges and for pretending to be an "aam aadmi" whereas he lived the life of royalty. The BJP also believes that there is a definite anti-incumbency against Kejriwal, especially as the party had a steady base of over 38 per cent vote back even in 2020, when it won only eight seats. Besides, nearly 17 seats were won or lost by very narrow margins at the time, despite an AAP wave. Given the BJP's extraordinary performance in Delhi in the 2024 Lok Sabha elections, the party and its cadres have been in a buoyant mood — although the party has lost some of its sheen among poorvanchalis and the upper castes with unbecoming comments from Shehzad Poonawalla.

Launching Parvesh Verma to confine Kejriwal to his own seat has been key to the BJP's strategy. Its offer of Rs 2,500 to women — Rs 400 more than what AAP currently gives to them — is another significant element. For the woman voter, it is not just about which party gives more money; rather, it is about whom she trusts more.

Kejriwal's government has given women free bus passes and posted women marshals for security. Besides, women consider good schools an investment in their children's future, a rare opportunity for social mobility for the underclass in the city. The "Kejriwal guarantee" now talks about jobs for the youth.Lastly, the Congress seems weak on many counts — it is not seen as the party that can dislodge AAP. Rahul Gandhi has not been personal in his attack on Kejriwal. Many of its leaders such as Arvinder Singh Lovely or the poorvanchali Mahabal Mishra have made their home in other political parties. A sombre Sandeep Dikshit has been criticising AAP, but is largely seen as the third candidate in the New Delhi constituency. Yet, it's a city that elects different parties for the Centre and the state and will have to contend with pitched battles in at least 17 of the 70 seats.

Merit vs domicile

SC levels the field in PG medical courses

India faces an acute shortfall of doctors both in terms of quantity as well as quality; the situation is even worse when it comes to specialists. A major stumbling block has been domicile-based reservation under the state quota in postgraduate (PG) medical courses; it has brazenly undermined the primacy of merit. Righting a grave wrong, the Supreme Court has ruled that such reservation is unconstitutional. Allowing it would infringe upon the fundamental rights of many students, the court has rightly said. Indeed, giving aspirants a raw deal because they belong to a different state runs counter to Article 14 (equality before the law) of the Constitution. This equality is guaranteed to every Indian citizen across the length and breadth of the country. Now, the playing field has been levelled for medical graduates who opt for specialisation to boost their career prospects.The bottom line is that merit cannot be compromised at the PG level, even as residence-based reservation can be permissible to an extent in undergraduate or MBBS courses. India's ailing healthcare system cannot afford to be crippled by the presence of below-par specialists. According to the Health Dynamics of India 2022-23 report, which was released by the Union Health Ministry in September last year, the problem is severe in rural areas, where there is nearly 80 per cent shortage of specialist doctors at community health centres. No wonder countless patients rush to multi-speciality hospitals in nearby or even distant cities, thereby putting these overstretched institutions under greater strain. The widespread reluctance of some medical professionals to serve in the hinterland is another issue that needs to be urgently addressed.

Competent specialists can make all the difference when it comes to giving timely and effective medical treatment. They are needed in every part of the country, not just in their hometown. The apex court has shown the way by doing away with the parochial and flawed consideration of residence for PG admissions.

Britain's lone wolf crisis exposes a counter-terrorism failure

Misinformation through 27 million social media posts generated an impression that Axel's parents were Muslim migrants waiting to regularise their papers.

After the 26/11 Mumbai terror attacks, the then Union Home Minister P Chidambaram outlined a new national counter-terrorism strategy in his Intelligence Bureau Centenary Lecture on December 23, 2009, by proposing a centralised model. That was the creation of a National Counter-Terrorism Centre (NCTC) as its pivot to "prevent, contain and respond" to terrorism as well as "to perform functions relating to intelligence, investigation and operations."However, this rigid structure of the Centre taking over the states' responsibility prescribed under Schedule 7 of the Constitution was not accepted. At present, counter-terrorism is handled by the state police and the National Investigating Agency (NIA), which was created in 2008 with the help of Central intelligence agencies and Central and subsidiary intelligence coordinating bodies. Simultaneously, wherever necessary, the states also started "de-radicalisation" efforts to wean vulnerable sections of society away from extremism. This flexible pattern is working well.

On the other side of the spectrum is Britain's rigid, statutes-based counter-terrorism policy named "CONTEST" (Counter-Terroism Strategy) started on July 18, 2003, wherein, besides the police, local authorities like education, social services, charities and health services participate. CONTEST has four strands of "P": Prevent, Pursue, Protect and Prepare. According to a deposition at the House of Commons in 2013, CONTEST was to be only for five years, but it was extended from time to time.

While 'Prevent' is done to spot persons inclined towards terrorism with the help of educational and voluntary bodies, 'Pursue' is done through intelligence and law and order agencies. 'Protect' is also done through government agencies and 'Prepare' is implemented by the government with the help of official and voluntary agencies.

Of all these, 'Prevent' is the most difficult task, with risks of infringing on several laws, including privacy. 'Channel' and 'Prevent Multi-Agency Panel (PMAP)' guidance are a part of the 'Prevent' programme.

Sections 36 to 41 of the Counter-Terrorism and Security Act 2015 cast a duty on local authorities and partners of local panels to provide support for people vulnerable to being drawn into any form of terrorism.However, in 2016, David Anderson, UK's Independent Reviewer of Terrorism Legislation, told a Home Affairs Parliamentary Committee that a lack of confidence in the 'Channel' programme among British Muslims was "undeniable".

Also, the "Do it yourself" or "Lone Wolf" terrorism inspired by the Islamic State changed the entire gamut of the problem. Had 'Channel' been effective, British citizens, including 140 women and 50 minors, would not have been able to go abroad to join the dreaded Islamic State, as reported in 2018 by the International Centre for the Study of Radicalisation of the King's College, London.

It was in this context that Britain's Prime Minister Keir Starmer announced on January 21 a promise to undertake the Sisyphean task of framing new laws to get into the minds of "lone wolves" with a history of "extreme individualised violence." This was just before 17-year-old British national Axel Rudakubana, born of parents from Rwanda, was sentenced on January 23 to 52 years in prison for stabbing to death three young girls on July 29, 2024 and injuring 11 others, eight of whom were children, in what is called "2024 South Port stabbing".Axel, described by the media as a "shy son of evangelical Christians", had a background of being obsessed with violence and, hence, was referred four times in three years to undergo the 'Prevent' programme, but each time he was "judged below the threshold to act."Starmer said that his government would act faster to change the law to include "loners, misfits, young men in their bedroom" so that genocide aficionados like Rudakubana could be brought within the ambit of preventive law.Several factors, including bureaucratic hold-up in releasing the identity of Axel, led to a serious situation, including communal riots. The BBC said on January 22 that "senior police officers became frustrated that the Crown Prosecution Service (CPS) was advising them to withhold many details they felt should be made public, due to false claims online." As a result, misinformation through 27 million social media posts generated an impression that Axel's parents were Muslim migrants waiting to regularise their papers.It also said that the police wanted to announce these charges and "reveal the discovery of the ricin and manual 11 days earlier, on 18 October 2024 but there was a hold-up as the CPS and the police negotiated over what could be said publicly." It was found that Rudakubana had stored ricin (a highly potent toxin produced in the seeds of the castor oil plant, Ricinus communis) and studied a file entitled "Military Studies in the Jihad against the Tyrants, the al-Qaeda training manual".As a result, a mob suddenly attacked the Southport Mosque on July 30, 2024 and set fire to a police car. Nearly 39 police officers were injured, 27 hospitalised, some with serious injuries. The perpetrators were allegedly members of the legally extinct 'English Defence League', a far-right organisation. Riots had spread to other cities, too.he Prime Minister's announcement has not been received favourably by counter-terrorism experts. Neil Basu, former counter-terrorism chief of the London Metropolitan Police, while speaking to Radio 4's 'Today' programme, said that the new move "would be a mistake" to make, a "bad legislation" in haste "in response to shocking incidents", as it would result in "unintended consequences." He also felt that this would increase the burden on the police officers, who are already constrained through several legal and departmental checks.Rudakubana's case flies in the face of what William Shawcross, independent reviewer on the 'Prevent' programme, had said in his report for 2023 addressed to the British Parliament, updated till February 20, 2024. While he praised 'Prevent', he added that the programme "is overly focused on issues such as mental health and social isolation as drivers of radicalisation." Rudakubana has disproved it.The moral of the story is clear: Give the police, who are ultimately responsible for counter-terrorism action.

Busy Bee Airways to reach out to Go First lenders

NEW DELHI. Busy Bee Airways on Friday informed the insolvency appellate tribunal NCLAT that it will try to reach out to the lenders of Go First. Travel portal EaseMyTrip's co-founder Nishant Pitti is the majority shareholder in Busy Bee Airways.

Busy Bee had earlier challenged the liquidation of the grounded carrier. During the insolvency resolution process, Busy Bee Airways, along with SpiceJet chief Ajay Singh, and Sharjah-based aviation entity Sky One had made bids for Go

First. It also told the National Company Law Appellate Tribunal (NCLAT) that it is ready to acquire Go First as a going concern as it still has valuable assets and a license from the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) to operate.Meanwhile, counsel appearing from the liquidator of Go First has agreed to file the minutes of the 37th meeting of the Committee of Creditors (CoC) of Go First before the National Company Law Appellate Tribunal (NCLAT), along with the additional affidavit.The appellate tribunal was hearing two petitions filed by Busy Bee Airways and Bhartiya Kamgar Sena Mumbai, challenging the order of the Delhi bench of the NCLT, which, on January 20, ordered the liquidation of the low-cost carrier.

Budget 2025: New Income Tax Bill To Be Introduced In Parliament Next Week

New Delhi. Finance Minister Nirmala Sitharaman announced the government will introduce a new Income Tax Bill next week. The new Income Tax Code would be announced next week, with the I-T Department to "trust first, scrutinize later", said Sitharaman while presenting Budget 2025-26.FM also announced that there will be no income tax payable for incomes up to Rs 12 lakh. However this limit will be Rs 12.75 lakh for salaried tax payers, due to standard deduction.

"This is reflective of our Government's trust on the middle-class tax payers. I am now happy to announce that there will be no income tax payable upto income of Rs 12 lakh (i.e. average income of Rs 1 lakh per month other than special rate income such as capital gains) under the new regime. This limit will be Rs 12.75 lakh for salaried tax payers, due to standard deduction of Rs 75,000," FM added.In the new tax regime, the revised tax rate structure is Rs 0-4 lakh (zero tax), Rs 4-8 lakh (5 per cent), Rs 8-12 lakh (10 per cent), Rs 12-16 lakh (15 per cent), Rs 16-20 lakh (20 per cent), Rs 20-24 lakh (25 per cent), and above Rs 24 lakh (30 per cent).The Finance Minister has announced a 100% increase in the FDI limit for the insurance sector, applicable to those who invest the entire premium. The government introduced faceless assessment, faster tax returns, and five 'Vivad Se Vishwas' schemes earlier.

Sensex, Nifty Surge Over 1 Per Cent Ahead Of Union Budget 2025

NEW DELHI. Domestic benchmark indices saw a bull rally early on Saturday, ahead of the much-anticipated Union Budget 2025-26, while continuing their rise for another trading session this week. At 9.36 a.m., the Sensex was trading almost 1.17 per cent or 898 points up at 77,657.84 while the Nifty was up 305 points or 1.30 per cent up at 23,557.05.Sun Pharma, Airtel, Bharat Electronics and NTPC were among major gainers on the Nifty, while losers were ONGC, Hero Motocorp, BPCL and Nestle. According to Prashant Khemka, fund manager at Fort Capital, a lot of heavy lifting is expected by the RBI during the Budget session.

This year's Union Budget is expected to maintain the government's focus on promoting economic growth while ensuring equity. The government is expected to prioritise improving the quality of life in rural areas to ensure equitable and inclusive development.

Finance Minister Nirmala Sitharaman is also expected to continue with the government's policy of stepping up investments in big ticket infrastructure projects to spur growth and create more jobs in the economy in the Budget for 2025-26.In early trade, broader indices outperformed with Nifty Smallcap 250 rising 0.5 per cent and Nifty Midcap 100 rising 0.3 per cent. The foreign institutional investors (FIIs) remained net sellers on January 31, as they sold equities worth Rs 1,188.99 crore, while domestic institutional investors (DIIs) purchased equities worth Rs 2,232.22 crore on the same day.

The Economic Survey 2024-25, which was tabled in Parliament by Union Finance Minister Nirmala Sitharaman, pegs India's GDP growth at 6.3-6.8 per cent for 2025-26.According to the survey, the Modi 3.0 government will continue its emphasis on micro, small, and medium enterprises (MSMEs) and good rabi crop production to accelerate growth and employment in the economy.

Centre Expands Aadhaar Authentication To Boost Good Governance, Ease Of Living

The amendment enables both government and non-government entities to avail Aadhaar authentication service for providing various services in the public interest for related specific purposes like enablement of innovation, spread of knowledge, promoting ease of living of residents and enabling better access to services for them.

NEW DELHI. In a bid to help improve transparency and inclusivity in the decision-making process, the Centre on Friday expanded Aadhaar authentication to government and private entities for providing various services in the public interest boosting innovation, knowledge and public service enhancement. The IT Ministry notified the Aadhaar Authentication for Good Governance (Social Welfare, Innovation, Knowledge) Amendment Rules, 2025 under the Aadhaar (Targeted Delivery of Financial and Other Subsidies, Benefits and Services) Act, 2016.

According to the ministry, the amendment seeks to enhance the scope and utility of Aadhaar authentication to further promote good governance, social welfare, innovation, and knowledge dissemination allowing the usage of Aadhaar for improving service delivery and, thereby, enhancing ease of living for residents and enabling better access to various services for them.The amendment would help people seamlessly avail the services of e-commerce, travel, tourism, hospitality and health sector etc. being provided by entities other than government entities also.

The amendment enables both government and non-government entities to avail Aadhaar authentication service for providing various services in the public interest for related specific purposes like enablement of innovation, spread of knowledge, promoting ease of living of residents and enabling better access to services for them.

"This will help both the service providers as well as the service seekers to have trusted transactions," according to the MeitY.Any entity seeking Aadhaar authentication will be required to apply with the details of intended requirements to the concerned ministry or department of the Central or the State government in a format being made available on a portal for this purpose.

"The applications will be examined by UIDAI and MeitY will issue the approval based on the recommendation of UIDAI. The concerned ministry or department of the Central or State Government will notify the entity for Aadhaar usage after receiving confirmation from MeitY," the ministry informed.

'Toy-ing' With Budget: Sitharaman Gives Push To PM Modi's Clarion Call

NEW DELHI. Union Finance Minister Nirmala Sitharaman, presenting the eight consecutive Budget of the NDA government, shared the blueprint of a 'Viksit Bharat' and made key announcements, centering primarily on four key segments - women, youth, farmers and the poor. The Finance Minister announced implementation of schemes to facilitate and scale up toy manufacturing, thus giving an impetus to the 'Make in India' campaign. She also announced the setting up of a toy manufacturing ecosystem and clusters for creating skilled labour. Moreover, PM Narendra Modi encouraged Indians especially

start-ups to be "vocal for local toys", citing the nation's rich heritage and traditions that could drive innovations in the global toy industry. FM Sitharaman highlighted that this is the budget to meet the aspirations of the GYAN (Garib, Yuva, Annadata and Nari shakti) the poor, farmers, women and the youth. Underlining the government's focus on empowering the marginalised, she announced a new scheme for 5 lakh women, SCs, STs, where first-time entrepreneurs will be given loans up to Rs 2 crore.She announced social security for 1 crore gig workers and also informed that ID cards would be issued to gig workers to avail government services. For the agriculture sector, she announced measures, aimed at benefitting 1.75 crore farmers in the country"Motivated by the success of the Aspirational Districts Programme, the Centre in collaboration with state governments, will launch the Prime Minister Krishi Yojana to enhance.

Budget decoded | How Rs 12 lakh can turn tax free; new tax slabs

NEW DELHI: Finance Minister Nirmala Sitharaman in her Budget speech did announce the much-expected overhaul in personal income tax income rules. Not only did she increase the income cap for no tax from Rs 7 lakh to 12 lakh, she has also changed the income tax slabs under the New Tax regime.Under the new tax regime, there is no tax till Rs 4 lakh and from Rs 4 lakh to Rs 8 lakh there will be 5% slab and from Rs 8 lakh to Rs 12 lakh, slab rate will be 10%.From Rs 12,00,001 to Rs 16 lakh, there will be 15% tax slab and from R 16,00,001 to Rs 20 lakh, there will be 20 tax slab.

From Rs 20,00,001 to Rs 24 lakh, tax slab will be 25%. For those who are earning above Rs 24 lakh, tax slab will be 30%.So, anyone whose annual taxable income is more than Rs 12 lakh, in fact Rs

12.75 lakh, will be taxed as per the new tax slab.

A tax payer in the new regime with an income of Rs 12 lakh will get a benefit of Rs 80,000 in tax (which is 100% of tax payable as per existing rates).A person having income of Rs 18 lakh will get a benefit of Rs 70,000 in tax (30% of tax payable as per existing rates).

A person with an income of Rs 25 lakh gets a benefit of Rs 1,10,000 (25% of his tax payable as per existing rates).

No changes were announced in the old tax regime, where the basic exemption limit remains at Rs 2.5 lakh.Amit Maheshwari, Tax Partner, AKM Global, a tax and consulting firm, says: "Taxpayers all across have been benefited to a greater extent with changes in slab and rebates. Notable point, no announcement is made in old tax regime."Meanwhile, the FM also announced that the New direct tax bill will be introduced in the budget session of parliament.

"The new income-tax bill will carry forward the same spirit of "Nyaya"," said the FM adding that the new bill will be clear and direct in text with close to half of the present law, in terms of both chapters and words.It will be simple to understand for taxpayers and tax administration, leading to tax certainty and reduced litigation.

India to develop 100 GW of nuclear energy by 2047 for energy transition: FM Nirmala Sitharaman

NEW DELHI. The government will develop at least 100 GW of nuclear energy by 2047 for energy transition, said Finance Minister Nirmala Sitharaman on Saturday.Sitharaman, while presenting the Budget 2025, also mentioned that these nuclear power plants will be established in partnership with private players.

"Development of at least 100 GW of nuclear energy by 2047 is essential for our energy transition efforts. For an active partnership with the private sector towards this goal, amendments to the Atomic Energy Act and the Civil Liability for Nuclear Damage Act will be taken up," said the finance minister.

In addition, the Finance Minister revealed plans for a Nuclear Energy Mission, focusing on the research and development of Small Modular Reactors (SMRs). The mission will be allocated a budget of Rs 20,000 crore, with the goal of having at least five indigenously developed SMRs operational by 2033.Currently, nuclear energy production in India is largely controlled by government-run entities.

India aims to achieve net zero emissions by 2070. As of November 30, 2024, the country had successfully established an installed electricity generation capacity of 213,701 megawatts from non-fossil fuel sources, accounting for 46.8 per cent of total capacity.

India aims to achieve 50 per cent non-fossil fuel generation capacity by 2030, with significant advances in nuclear, hydro, and renewable energy sources.

The Minister also announced plans to incentivize electricity distribution reforms and the augmentation of intra-state transmission capacity by states. This, she said, would improve the financial health and capacity of electricity companies.Additionally, she confirmed that states would be allowed additional borrowing of 0.5 per cent of GSDP, contingent upon the implementation of these reforms."We will incentivize electricity distribution reforms and augmentation of intra-state transmission capacity by states. This will improve financial health and capacity of electricity companies. Additional borrowing of 0.5 per cent of GSDP will be allowed to states, contingent on these reforms," said Sithraman.

Sugar production is expected to be 49 lakh tonnes less than the previous year

Moreover, the sugar recovery rate is also lower than last year

NEW DELHI. As the sugarcane crushing season nears its end, the prospect of sugar production remains bleak. Both total sugar production and the sugar recovery rate have been lower than last year. Experts attribute this to changing climatic conditions in sugarcane-producing regions, which have severely impacted production.The national sugar production is now estimated to reach only 270 lakh tonnes by the end of the year, a decrease of 49 lakh tonnes compared to last year's final sugar production of 319 lakh tonnes.

Moreover, the sugar recovery rate is also lower than last year. The average sugar recovery at the national level stands at 8.91 percent, which is 0.79 percent lower than the 9.70 percent recovery rate at this time last year.

According to the latest sugarcane crushing progress report, a total of 494 factories across the country have participated in the crushing season, 23 fewer than the 517 factories that operated last year. As of now, 1855 lakh tonnes (LT) of sugarcane have been crushed, which is 76 LT less than the 1931 lakh tonnes crushed by this time last year.As a result, 165 LT of new sugar has been produced nationwide by January 31, 22 lakh tonnes less than the 187 lakh tonnes produced by the same date last year.

This year's 2024-25 sugar season started late due to both political and climatic reasons. Due to election and polling dates, the Maharashtra state government delayed the start of the sugarcane crushing season until after November 15. The season in Karnataka and Gujarat also began later than usual. In the northern states, the crushing season only fully kicked off after mid-November, following the retreat of the monsoon rains and the Diwali festival.

"This year's season is facing unusual circumstances due to the changing weather cycle," said Harshvardhan Patil,

President of the National Federation of Cooperative Sugar Factories (NFCSF).

"After the drought-like conditions earlier, excessive rain followed, and in some areas, the standing sugarcane has flowered in parts of Maharashtra and Karnataka. As a result, the growth of sugarcane has slowed, and its sugar content has decreased. This is expected to cause the crushing season in these areas to end earlier than anticipated," Patil added.

Consequently, there are signs of a reduction in the initially expected sugar production by the end of the season.State-wise production data shows that Uttar Pradesh has produced 93 LT, down from 98 LT last year. Maharashtra has produced 86 LT so far, 1 LT less than last year. Karnataka has produced 41 LT, which is 5 LT lower than last year, while other states have contributed 50 LT, which is either higher or the same as last year.

However, the government has allowed the export of 10 LT of sugar and increased the price of ethanol, which is expected to have a favorable impact on the sugar industry.

"It will help factories settle their outstanding bills with sugarcane growers and ensure that other ancillary expenses can be paid on time," said Patil.

"We Are Amazed": Supreme Court As Man Facing Case Flees India Despite Passport

New Delhi. In a unique case, the Supreme Court has ordered an inquiry and arrest of a man who faces contempt proceedings but fled to the US despite his passport lying in court custody. A bench of Justices Sudhanshu Dhulia and Prashant Kumar Mishra asked additional solicitor general K M Nataraj to assist the court and apprise how the man was permitted to leave this country without a passport."We are amazed as to how can the alleged contemnor/respondent leave for the USA or for that matter for any country without a passport, as his passport is in the custody of this court. Be that as it may, now today we have no option but to issue non-bailable warrant against the alleged contemnor," said the bench and issued non bailable warrant against him.

The man is locked in a custody battle with his former wife over their child.The top court directed the home ministry to take every possible step under the law to arrest the respondent and bring him to justice.The order came after senior advocate Vikas Singh, appearing for the contemnor, informed he had left for the foreign country."In this regard we request K M Nataraj, ASG to assist this court. Nataraj shall apprise this court as to how the respondent was permitted to leave this country without a passport and leave of this court. With the assistance of Home Ministry, Govt of India, he may also enquire and apprise this court as to who assisted the respondent in escaping from the country and who are the officials and other persons involved in this," the bench said and posted the hearing on February 19.

The bench on January 29 made it clear that any business transaction, including any deal relating to his property in India, during the contempt proceedings or later would be subject to the order of the top court.The top court was hearing a contempt plea filed by the wife against her estranged husband.They married on February 8, 2006, and moved to the US and have a 10-year-old child. However, owing to a marital discord, the man obtained a divorce decree on September 12, 2017 from a court in Michigan, US.

The wife, on the other hand, initiated multiple proceedings against the estranged husband in India.A settlement was arrived at between the parties before the top court on October 21, 2019 with one of the grounds being that the man should give the child's custody to his estranged wife.As he failed to do it, contempt proceedings were initiated on a plea moved by the woman.

Following the September 26, 2022 and November 10, 2022 orders, the man was asked to appear in court and he virtually appeared on December 13, 2022.On January 17, 2024, the court asked him to remain present in all proceedings but he did not appear on January 22 and 29, when the hearings took place.

Dense fog blankets Delhi, over 100 flights delayed due to reduced visibility

New Delhi.A 'dense' fog blanketed the national capital on Saturday, hitting flight operations due to low visibility recorded at the Delhi airport, with at least 140 flights being delayed.The visibility recorded at the Indira Gandhi International (IGI) airport was 50 metres at 8 am, while the visibility at the Hindon commercial airport dropped to zero on Saturday morning.At least 125 flights departing from IGI airport were delayed with an average delay time of half an hour, while seven flights were cancelled at 8 am, according to flight tracking website, Flightradar 24.

Additionally, 21 flights arriving at Delhi were delayed, and seven flights were cancelled, as per Flightradar 24.The Delhi Airport issued a passenger advisory at 8 am, stating that flights

which don't have the mechanism to land or take off in low visibility conditions might be affected.

An 'orange' alert was issued in Delhi on Saturday by the India Meterological Department (IMD) due to 'dense' fog at most places and 'very dense' fog at isolated places.The IMD forecasted a minimum temperature of 10 degrees Celsius and a maximum temperature of 26 degrees Celsius for Saturday.The weather department has predicted dense to moderate fog for Saturday and Sunday, while it has forecasted 'rain' and 'thunderstorms' for February 3 and February 4 respectively in Delhi-NCR.The minimum temperature is expected to be around 11 degrees Celsius for the following week, while the maximum is set to hover around 23 degrees Celsius.The national capital has witnessed a warm January so far with the month's maximum temperature touching 21.1 degrees Celsius, a notch higher than the long-standing average of 20.1 degrees Celsius.Meanwhile, the air quality recorded from Delhi's Okhla weather station at 7 am stood at 354, which falls under the 'very poor' category.

Cruiser car carrying 12 plunges into canal in Haryana due to dense fog, 10 missing

NEW DELHI. Ten people were missing after a cruiser car, carrying 12 passengers, plunged into the Bhakra canal amid dense fog in Haryana's Fatehabad on Friday night. The rescue operations continued late into the night, with officials managing to save a 10-year-old boy and recovering the body of a 55-year-old man.The passengers were returning after taking part in a program in Punjab. Around 10 pm, while crossing a bridge near Sardarewala village, the driver reportedly lost control due to poor visibility due to the thick fog. As a result, the

vehicle veered off the bridge and fell into the canal.

The driver of the vehicle, identified as Jarnail Singh, jumped out of the vehicle just before it plunged into the water, escaping unhurt.

However, 12 other passengers were still inside the vehicle when it fell into the canal. Rescue teams managed to save 10-year-old Armaan, while the body of Balbir Singh, 55, was recovered from the canal.After getting the information about the accident, local residents, along with police, rushed to the site to assist in the rescue efforts. Divers and rescue personnel continued their search throughout the night.

Indian Railways Releases 'SwaRail SuperApp' For Testing. See Details

New Delhi. The Railway Ministry has released an application called SuperApp, a one-stop solution offering multiple public-facing services, on Google Play Store for testing on Friday, an official said.

"Only 1,000 users can download it. We will assess the response and feedback. After that, it will be made available for 10,000 downloads for further suggestions and comments," a Board official said.He added that the app provides easy access to services like reserved and unreserved ticket bookings, platform and

parcel bookings, train inquiries, PNR inquiries, help through RailMadad and more.

"The core emphasis of the app is to enhance user experience through a seamless and clean user interface. It not only combines all services in one place but also integrates several services to provide users with a complete package of Indian Railway services," Dilip Kumar, Executive Director of Information and Publicity at the Railway Board, said.He added, "The Centre for Railway Information Systems (CRIS), on behalf of the Ministry of Railways, has released the SuperApp to the public for beta testing on 31-01-2025. Users can download the app from the Play Store/App Store, as shared by CRIS."

36 life-saving medicines fully exempted from custom duty: Finance Minister

NEW DELHI. In a significant move to alleviate the financial burden on patients, Finance Minister Nirmala Sitharaman announced in the Union Budget 2025-26 that 36 life-saving medicines will be fully exempted from customs duty.This initiative is part of a broader strategy aimed at reducing the cost of essential healthcare treatments, particularly for cancer patients, who have long advocated for more affordable options.

The announcement, made on February 1, 2025, includes a proposed 5% concessional duty on these medicines, along with a complete exemption from customs duties for their manufacturing.

This is expected to make critical medications more accessible to millions of patients across India.In February 2024, the government slashed GST (Goods and Services Tax) from three major cancer drugs: Trastuzumab Deruxtecan, Osimertinib and Durvalumab. Health experts have been saying that this move should extend to targeted therapy drugs as well as advanced cancer treatment equipment like radiotherapy machines and robotics, most of which have around 37% in customs duties.

The medical sector has been vocal about the need for reduced costs in cancer treatment, and this latest budget aligns with those demands, providing much-needed relief to families facing the high expenses associated with cancer care.

Sitharaman emphasised that this decision reflects the government's commitment to improving healthcare affordability and accessibility. The exemption is particularly crucial given the rising number of cancer cases in India. With many patients requiring long-term treatment, reducing the financial strain is vital for improving health outcomes.

The finance minister also announced provisions to set up cancer care centers in all districts of India during her presentation of the Union Budget for 2025-26.

Truck carrying gas cylinders catches fire in UP, triggers multiple explosions

New Delhi. A massive fire erupted in a truck carrying gas cylinders at Bhopura Chowk on Delhi-Waziabad Road in Ghaziabad, leading to a series of explosions. No casualties or injuries have been reported.Chief Fire Officer Rahul Kumar said fire brigade personnel were at the scene but initially could not reach the truck as the cylinders continued to explode. "The sound of the blasts can be heard for several kilometres," he was quoted as saying by news agency ANI.

Speaking with news agency ANI, Councillor Om Pal Bhatti said that the fire started at around 3.30 am. "No casualties have been reported. Police and fire fighting teams came on time and are working

to control the fire," he said.

Meanwhile, a local resident claimed the fire began later, at around 4.30 am. "Many cylinders exploded. A nearby wooden godown has been affected, and a house also caught fire," he was cited by ANI on its official X handle.

Another resident described further carnage. "The nearby hotel has been damaged, the mirrors have broken. There is a lot of panic among the public," he said.Footage from the area shows explosions occurring, with videos capturing the sounds from a distance of two to three kilometres.

Over 900 cases of Model Code of Conduct violations registered ahead of Delhi Assembly polls

NEW DELHI. Ahead of the February 5 assembly polls, more than 900 cases of alleged violations of the Model Code of Conduct (MCC) have been registered, an official said on Friday. The cases were lodged between January 7, when the MCC came into force, and January 30.A total of 29,172 people have been arrested during this period under various legal provisions, including those under the Excise Act, according to a statement. Ahead of the much-awaited polls, the police have intensified vigilance at border checkpoints and conducted crackdowns on illegal activities, including the smuggling of arms, liquor and drugs.

Delhi Police has recorded 916 cases of alleged MCC violations and confiscated 426 illegal firearms and 487 cartridges with 439 people arrested under the Arms Act, the statement said.

The police have also seized 99,285 litres of liquor and arrested 1,194 people, 166.993 kg of drugs worth over `75.4 crore with more than 1,200 banned injections and arrested 162 people so far.

The law enforcement agencies have also seized Rs 10.10 crore in cash and 37.39 kg of silver, the statement added.Meanwhile, the police has seized `3.05 lakh during vehicle checking in Southwest's Dasrathpuri area, an official said on Friday. The cash was recovered from the storage compartment of a scooter during the routine checks on Thursday.Polling for the 70-member Delhi Assembly will be held on February 5, with the votes set to be counted on February 8.

Wildlife photographer Yogesh Bhatia captures untamed passion of snow leopards in Spiti Valley

New Delhi. This month a viral video of two snow leopards frolicking in Ladakh's Zanskar valley won over the internet. Captioned the 'Fleeting Dance of Wild Joy', it showed these elusive cats playfully chasing each other at lightning speed amidst the snow-clad mountains. If a digital screen can mesmerise viewers, witnessing them live is pure adrenaline.Delhi-based wildlife photographer Yogesh Bhatia, felt it when he captured a snow leopard last month in Spiti Valley. Braving -15 degrees, he embarked on a gruelling 10-day expedition at an altitude of 18,000 feet to capture their untamed passion.

"I had to stay at a spot for eight hours in the harsh cold to finally click it. It has been the most challenging chase of my lifetime. But the thrill is what I live for," he says, adding, "The snow leopard was on another side of the mountain, and there was a deep gorge and valley between us and him. I was able to capture his various movements as I was far from it."

Bhatia was up there with a 10-member group. They stayed at a base camp in Kaza, a remote town in the Western Himalayas, when a professional mountain trekker informed them about the wild cat's presence. Bhatia also managed to capture the rare Himalayan blue sheep and red fox. TMS speaks to the photographer on the tips and tricks that have got him brilliant captures of deadly carnivores like lions, cheetahs and tigers to vulnerable bird species like the great Indian hornbill.

An active lifestyle

Bhatia's childhood visits to the Delhi Zoo and a fascination for animals got him interested in wildlife photography. But he actively took it up after retiring from his business. "By 60 when I retired and all my children were settled, it gave me

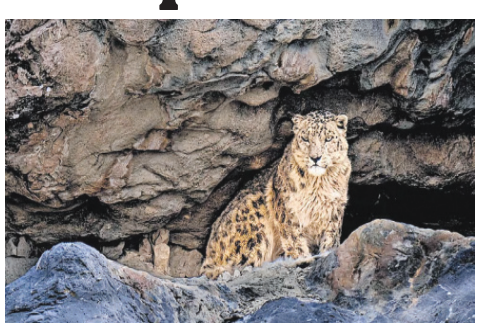

free time to dive into my passion. Age is just a number, in fact, travelling to capture wildlife gives me a kick," he tells TMS on how he backpacks to over 20 plus trips in a year.Enduring harsh temperatures, rugged terrain, and uncertain situations in jungles requires mental grit and peak health. Bhatia stays fit as a fiddle with an active lifestyle — his day starts at six in the morning, followed by running and daily exercise, complemented by a clean diet. For mental stimulation, he takes photography workshops and stays up-to-date with new camera models and equipment. "While I teach students about camera angles, settings, and how to survive the wild, in return, I also learn a lot from them as they are equipped with new-age tools," he says.

The fruit of patience

Bhatia's lens immortalises nature's raw drama. Last year, he captured a striking image of a tiger mid-roar at Ranthambore National Park. At Kaziranga National Park, he captured a powerful composition; a rhinoceros and a tiger on either side of the mighty Brahmaputra. In another magical frame clicked at Jim Corbett National Park, a tiger wades through the Ramganga river with Sambar deer in the background bathed in the golden light on a misty morning.

NEWS BOX

Fire breaks out at South Korea's language museum

SEOUL. A museum in South Korean which showcases the history of Korean alphabet caught fire on Saturday, producing dramatic plumes, officials said.

The fire broke out on the rooftop of the National Hangeul Museum of Korea at around 8:40 am (2340 GMT), said the local district office in central Seoul in charge of the area where the museum is located.

The blaze produced a "large amount of smoke," according to the Yongsan district office.

Dramatic TV footage showed large, dark grey smoke spreading into the sky from the rooftop of the building.No details on casualties were immediately available, but local broadcaster YTN reported one firefighter was taken to a hospital.

The district office warned nearby residents to keep their windows shut."Residents in the vicinity are advised to keep their windows closed and refrain from visiting the area," the Yongsan district office said in an emergency text message sent to residents.

The state-run institution located in the centre of the capital Seoul, houses priceless materials and relics related to the unique Korean alphabet, which was first invented in 1443.The incident comes days after an Air Busan plane caught fire at the Gimhae International Airport Tuesday, prompting 176 to evacuate and leaving seven injured.

Trying to foment religious bigotry against Hindus': Tulsi Gabbard defends religious freedom during confirmation hearing

world. During her confirmation hearing for the position of Director of National Intelligence (DNI) on Thursday, Tulsi Gabbard, President Donald Trump's nominee for the post, faced intense scrutiny over various aspects of her political views and past actions.The discussion became particularly contentious when it turned to her religious beliefs and her connection to the Science of Identity Foundation (SIF), a Hindu religious group.

In a pointed remark, Gabbard addressed questions about her faith, specifically defending the principle of religious freedom enshrined in the US Constitution."Unfortunately, there are some Democrat senators who still don't understand the principle of freedom of religion and Article 6 of the Constitution," she said, referring to the clause that states, "no religious test shall ever be required as a qualification to any office or public trust under the United States."Gabbard went on to accuse certain senators of fostering religious bigotry, claiming they were targeting her Hindu faith. "They're once again using the religious bigotry card, but this time trying to foment religious bigotry against Hindus and Hinduism," she added.Gabbard also invited those interested in her spiritual path to learn more about her beliefs on her X account. "If anyone is sincerely interested in knowing more about my own personal spiritual path of Hinduism, I welcome you to go to my account on X where I'll share more on this topic."

The hearing, which lasted more than two hours, saw Gabbard grilled by senators on her past statements and actions. One of the key points of contention was her 2017 meeting with Syrian leader Bashar Assad, as well as her comments regarding Russia's invasion of Ukraine.

Six detained Americans in Venezuela released

world. Six Americans who had been detained in Venezuela were freed after a meeting between President Nicolás Maduro and a senior Trump administration official, Richard Grenell, on Friday.

Grenell, appointed as an envoy for special missions by US President Donald Trump, shared a photo on social media showing himself with the released Americans aboard an aircraft.We are wheels up and headed home with these 6 American citizens. They just spoke to @realDonaldTrump and they couldn't stop thanking him", Grenell wrote in the shared post.

The meeting was part of broader efforts by the Trump administration to secure the release of detained US citizens and address migration issues with Venezuela.

Grenell's visit marked a significant shift, as it came as a surprise to many, with some Venezuelans expecting Trump to continue his "maximum pressure" campaign against Maduro.sd

The focus of the mission, however, was on deporting Venezuelan criminals from the US back to their home country and ensuring the return of detained Americans, as outlined by White House press secretary Karoline Leavitt. The US has been working to deport Venezuelans, particularly members of criminal groups, back to Venezuela.

The visit also comes amid heightened tensions in Venezuela, where Maduro was recently sworn in for a third term despite disputed election results. The US does not recognise Maduro's victory and has expressed concerns over the legitimacy of his government.While Grenell's meeting with Maduro was part of a specific diplomatic effort, some Republicans criticized it, fearing that it could legitimize Maduro's rule.

Peace prospects look bleak in Myanmar as civil war rages

BANGKOK. Peace prospects look bleak in Myanmar as a civil war rages despite international pressure on the military four years after it seized power from an elected civilian government.The political situation remains tense with no negotiation space in sight between the military government and the major opposition groups fighting against it.The four years after the army's takeover on Feb. 1, 2021, have created a profound situation of multiple, overlapping crises with nearly half the population in poverty and the economy in disarray, the U.N. Development Program said.

The U.N. Human Rights Office said the military ramped up violence against civilians last year to unprecedented levels, inflicting the heaviest civilian death toll since the army takeover as its grip on power eroded.The army launched wave after wave of retaliatory airstrikes and artillery shelling on civilians and civilian populated areas, forced thousands of young people into military service, conducted arbitrary arrests and prosecutions, caused mass displacement, and denied access to humanitarians, even in the face of natural disasters, the rights office said in a statement Friday."After four years, it is deeply distressing to find that the situation on the ground for civilians is only getting worse by the day," U.N. human rights chief Volker Türk said. "Even as the military's power wanes, their atrocities and violence have expanded in scope and intensity," he said, adding that the retaliatory nature of the attacks were designed to control, intimidate, and punish the population.The United States, United Kingdom, European Union and others criticized the military takeover in a statement that also called for the release of ousted leader Aung San Suu Kyi and other political prisoners.They said nearly 20 million people need humanitarian assistance and up to 3.5 million people are displaced internally, an

increase of nearly 1 million in the last year. They also expressed concern about increased cross-border crime in Myanmar such as drug and human trafficking and online scam operations, which affect neighboring countries and risk broader instability."The current trajectory is not sustainable for Myanmar or the region," the countries said in the joint statement that also included Australia, Canada, South Korea, New Zealand, Norway and Switzerland.

The status of the fighting

The military's 2021 takeover prompted widespread public protests, whose violent suppression by security forces triggered an armed resistance that has now led to a state of civil war. Ethnic minority militias and people's defense forces that support Myanmar's main opposition control large parts of the country, while the military holds much of central Myanmar and big cities including the capital, Naypyidaw.

The Assistance Association for Political Prisoners, which keeps detailed tallies of arrests and casualties linked to the repression of the military government, said that at least 6,239 were killed and 28,444 were arrested since the takeover. The actual death toll is likely to be much higher since the group does not generally include deaths on the side of the military government and cannot easily verify cases in remote areas.They said nearly 20 million people need humanitarian assistance and up to 3.5 million people are displaced internally.

Taiwan bans government agencies from using DeepSeek

DeepSeek sparked panic on Wall Street this week with its powerful new chatbot that is thought to have matched US companies in its abilities but at a fraction of the cost.

TAIPEI. Taiwan has banned workers in the public sector and at key infrastructure facilities from using DeepSeek, saying it was a Chinese product and could endanger national security.DeepSeek launched its R1 chatbot last month, claiming it matches the capacity of artificial intelligence pace-setters in the United States for a fraction of the investment.

Countries including South Korea, Ireland, France, Australia and Italy have raised questions about the Chinese AI startup's data practices.

Taiwan's Ministry of Digital Affairs said Friday all government agencies and critical infrastructure should not use DeepSeek because it "endangers national information security"."DeepSeek AI service is a Chinese product," the ministry said in a statement."Its operation involves cross-border transmission and information leakage and other information security concerns."Taiwan has long accused China of using "grey zone" tactics -- actions that fall short of an act of war -- against the island, including cyberattacks, as Beijing presses its claims of sovereignty over the island.

Since 2019, Taiwan has banned government agencies from using information and communication technology products and services that pose a threat to "national information security".DeepSeek sparked panic on Wall Street this week with its powerful new chatbot that is thought to have matched US companies in its abilities but at a fraction of the cost.

hat's despite a strict US regime prohibiting Chinese firms from accessing the kinds of advanced chips needed to power the massive learning models used to develop AI.

Taiwan's restriction came as data watchdogs in South Korea and Ireland said they would ask DeepSeek to clarify how it manages users' personal information.Earlier this week, Italy launched an investigation into the R1 model and blocked it from processing Italian users' data.

Health data, entire pages wiped from federal websites as Trump officials target 'gender ideology'

World Public health data disappeared from websites, entire webpages went blank and employees erased pronouns from email signatures Friday as federal agencies scrambled to comply with a directive tied to President Donald Trump's order rolling back protections for transgender people.The Office of Personnel Management directed agency heads to strip "gender ideology" from websites, contracts and emails in a memo sent Wednesday, with changes ordered to be instituted by 5 p.m. Friday. It also directed agencies to disband employee resource groups, terminate grants and contracts related to the issue, and replace the term "gender" with "sex" on government forms.Some parts of government websites appeared with the message "The page you're looking for was not found." Some pages disappeared and came back intermittently.

Asked by reporters Friday about reports that government websites were being shut down to eliminate mentions of diversity, equity and inclusion, Trump said he didn't know anything about it but that he'd endorse such a move."I don't know. That doesn't sound like a bad idea to me," Trump said, adding that he campaigned promising to stamp out such initiatives.Much public health information was taken down from the Centers for Disease Control and Prevention's website: contraception guidance; a fact sheet about HIV and transgender people; lessons on building supportive school environments for transgender and nonbinary kids; details about National Transgender HIV Testing Day; and a set of government surveys showing transgender students suffering higher rates of depression, drug use, bullying and other problems.

Eliminating health resources creates dangerous gaps in scientific information, disease experts said. The Infectious Diseases Society of America, a medical association, issued a statement decrying the removal of information about HIV and people who are transgender. Access is "critical to efforts to end the HIV epidemic," the organization's leaders said.A Bureau of Prisons web page originally titled "Inmate Gender" was relabeled "Inmate Sex" on Friday. A breakdown of transgender inmates in federal prisons was no longer included.The State Department on Friday removed the option to select "X" as a gender on passport applications for nonbinary applicants. It also replaced the word "gender" from the descriptor with the word "sex." Nonetheless, the online passport application form was no longer available late Friday, linking simply to a message that said the system was "undergoing maintenance."All State Department employees were ordered to remove gender-specific pronouns from their email signatures. The directive, from the acting head of the Bureau of Management, said this was required to comply with Trump's executive orders and the department was also removing all references to "gender ideology" from websites and internal documents."All employees are required to remove any gender identifying pronouns from email signature blocks by 5:00 PM today," said.

Hamas to release three hostages; Israel to free dozens of Palestinian prisoners under ceasefire

DEIR AL-BALAH. Hamas-led militants are set to free three more hostages — all men — on Saturday, and Israel will release dozens of Palestinian prisoners as part of a fragile agreement that has paused fighting in the Gaza Strip after more than 15 months of war.The hostages to be released, according to Hamas and Israel, are: Yarden Bibas, 35; American-Israeli Keith Siegel, 65; and French-Israeli Ofer Kalderon, 54. All were abducted during the Hamas-led attack on Israel on Oct. 7, 2023, that sparked the war.It will be the fourth swap of hostages for prisoners since the ceasefire began on Jan. 19. Fifteen hostages and hundreds of prisoners have already been freed in that time.

Also on Saturday, wounded Palestinians are expected to be allowed to leave Gaza for Egypt through the Rafah crossing. It had been the only exit point for Palestinians during the war before Israel closed it in May. A European Union civilian mission was deployed Friday to prepare for the reopening of the crossing.The reopening would mark another key step in the first phase of the ceasefire, which calls for the release of 33 hostages and nearly 2,000 prisoners, the return of Palestinians to northern Gaza and an increase in humanitarian aid to the devastated territory.

The imminent release of Bibas has brought renewed attention to — and concern for — the fate of his wife, Shiri,

and their two young sons. All four were captured from Kibbutz Nir Oz.

video of their abduction by armed men showed Shiri swaddling in a blanket her two redheaded boys — Ariel, 4, and Kfir, 9 months old at the time.

Kfir was the youngest of about 250 people taken captive on Oct. 7, and his plight quickly came to represent the helplessness and anger the hostage-taking stirred in Israel, where the Bibas family has become a household name.

Hamas has said Shiri and her sons were killed in an Israeli airstrike. Israel has not confirmed that, but a military spokesman recently acknowledged serious concern about their fates.

Yarden Bibas is believed to have been held separately from his family. Photos taken during his abduction appeared to show him wounded.Like Bibas, Kalderon was also captured from Kibbutz Nir Oz. His two children and ex-wife, Hadas, were also taken, but they were freed during the 2023 ceasefire.Keith Siegel, originally from Chapel Hill, North Carolina, was taken hostage from Kibbutz Kfar Aza, along with his wife, Aviva Siegel. She was released during the 2023 ceasefire and has waged a high-profile campaign to free Keith and other hostages.The dozens of Palestinian prisoners to be released by Israel on Saturday include people serving lengthy and life sentences.More than 100 hostages were released during a weeklong ceasefire in Nov. 2023. About 80 more hostages are still in Gaza, at least a third of them believed dead. Israel says Hamas has confirmed that eight of the 33 to be released in the first phase of the ceasefire are dead.

Medical transport jet with six people aboard crashes in Philadelphia, setting homes ablaze

PHILADELPHIA. A medical transport jet crashed in a residential neighborhood of Philadelphia on Friday evening, setting homes ablaze and scattering debris just 30 seconds after takeoff. The crash, which occurred near a shopping mall and a major roadway, left residents rattled as they witnessed the aircraft plummet from the sky in a streak of white before exploding on impact.The Federal Aviation Administration confirmed that two people were on board the Learjet 55 when it crashed less than three miles from Northeast Philadelphia Airport. The aircraft, registered to a company operating as Med Jets, had taken off at 6:06 p.m. en route to Springfield, Missouri, and quickly disappeared from radar after reaching an altitude of 1,600 feet.Footage captured by a doorbell camera showed the aircraft descending rapidly before erupting into flames upon impact. Jim Quinn, the owner of the camera, described the moment, stating, "All we heard was a loud roar and didn't know where it was coming from. We just turned around and saw the big plume."

The crash site, near Roosevelt Mall in the Rhawnhurst neighbourhood, quickly became a scene of chaos. First responders blocked traffic as onlookers gathered at street corners, watching as emergency crews worked to contain the fire. A witness's cell phone video captured the devastation, showing debris scattered across an intersection, thick black smoke rising, and sirens blaring in the background.Michael Schiavone, a resident of the nearby Mayfair neighborhood, described feeling what seemed like a small earthquake when the jet hit the ground. After reviewing his home security footage, he said the impact looked like a missile descending. "There was a large explosion, so I thought we were under attack for a second," he said.Governor Josh Shapiro announced that state resources were being offered to assist in the response

efforts. The city's emergency management office confirmed that several roads in the area had been closed.The aircraft's owner, Jet Rescue, is a Mexico-based company specializing in global air ambulance services. The company had previously transported baseball Hall of Famer David Ortiz to Boston after he was shot in the Dominican Republic in 2019 and played a role in airlifting critically ill COVID-19 patients. A request for comment was sent to Jet Rescue's U.S. headquarters in Boca Raton, Florida.

The Federal Aviation Administration stated that the National Transportation Safety Board would lead the investigation into the crash. The NTSB confirmed it was gathering information as officials worked to determine the cause of the accident.

The Philadelphia crash comes just two days after the country's deadliest aviation disaster in nearly 25 years. On Wednesday night, an American airlines jet carrying 60 passengers and four crew members collided midair with a U.S. Army helicopter carrying three soldiers over Washington, D.C. There were no survivors in that tragedy.

As investigators begin their work, the Philadelphia community remains in shock, grappling with the devastation left in the wake of yet another fatal air disaster.

NEWS BOX

Jos Buttler's sarcastic remark on India's concussion substitute move

NEW DELHI. England captain Jos Buttler disagreed with India's brilliant move of using Harshit Rana as a concussion replacement for half-centurion Shivam Dube, which allowed the hosts to win the fourth game of the five-match T20I series in Pune on Friday by a margin of 15 runs.After Dube, who scored 53 from 34 balls, was struck on the helmet by a delivery from Jamie Overton in the 19.5th over, the concussion procedure was implemented.

Go Beyond The Boundary with our YouTube channel. SUBSCRIBE NOW!

"We don't agree with concussion substitute. It's not a like for like replacement," Jos Buttler said at the post match media conference.

Ultimately, Rana played a crucial role, taking three wickets, including Liam Livingstone's, and Buttler questioned if the concussion regulation was actually adhered to.

Buttler was sarcastic in calling out the dummy sold by India."I think either Shivam Dube put

on 25 mph with the ball or Harshit Rana has improved a lot with his batting," the skipper said.A like-for-like replacement is permitted by the concussion protocol, and Rana was a rapid substitute for medium pacer Dube, who CSK use as an impact player in the IPL.

For the record, Rana does have a Ranji Trophy hundred.All they did, according to Indian bowling coach Morne Morkel, was assign a name to match referee Javagal Srinath.

"We only gave a name to match referee. After that it's out of our hands. Harshit was having dinner. He had to quickly get up and go out. I thought he did an excellent job," Morkel said.

ndia has long been adept in using the gray area of like-for-like replacement in the case of concussion substitutes.India last employed the strategy in a T20I match against Australia during the 2020-21 series.Yuzvendra Chahal took Ravindra Jadeja's place as a concussion substitute after the former was struck only on the head and his hamstring became more of a problem.

Kevin Pietersen extends support to Harshit Rana after concussion-sub controversy

Former England cricketer turned commentator Kevin Pietersen extended support to India fast bowler Harshit Rana after his concussion substitute controversy in the 4th T20I against England on Friday, January 31. Rana, who was not a part of the playing XI at the toss, was brought in as a concussion substitute for Shivam Dube, who got hit on his helmet in the last over of the Indian innings.As a result, Rana made his debut T20I debut, becoming the first player from India to do so in such a manner. However, there was widespread controversy on the matter, with several experts claiming that Rana was not a like-for-like replacement for Dube. The fast bowler went on to take three wickets and played a pivotal role in India's 15-run win.Following his marvellous debut, Pietersen praised the young speedster for

assessing the conditions well and said that it was not his fault that he was chosen as the concussion substitute."No, Harshit's performance was great. I thought that he delivered his skill excellently. I thought that he was brilliant in the way that he assessed a couple of the batters. The way that he assessed the conditions where he went out wide and on a couple of occasions. He was brilliant. And for his cricket, he was outstanding, and it's not his fault that he was the one who ended up being the concussion substitute. He went there and he bowled his heart and he bowled to a victory," Pietersen said while speaking on Star Sports after the Pune T20I.

Rana played a crucial role for the team with his regular strikes in the middle overs. He made an immediate impact in the game, dismissing Liam Livingstone on just his second ball and further got rid of Jacob Bethell and Jamie Overton to finish with figures of 3/33 in four overs. As a result, India successfully defended their score of 181 and won the match by 15 runs to take an unassailable 3-1 lead in the five-match series.

Concussion controversy: Who said what as India captain keeps mum after 4th T20I

India captain Suryakumar Yadav kept mum on the concussion substitute controversy after the hosts clinched the T20I series in Pune on Friday, January 31. Take a look at what the experts and top players said, as an odd set of circumstances left a sour taste despite the series win.

New Delhi Neither Suryakumar Yadav nor Jos Buttler were asked about the concussion substitute controversy that took place in the 4th T20I of the 5-match series between India and England on Friday, January 31. Playing at the Maharashtra Cricket Association Stadium in Pune, India beat England by 15 runs to clinch the series.However, it left a sour taste for the visiting side after India opted to field Harshit Rana as a concussion substitute for Shivam Dube in the second innings of the game. Dube was forced to leave the ground after being hit on his helmet late in the innings. India replaced Dube with Harshit Rana, despite having the option of Ramandeep Singh later in the game.na, a specialist fast bowler on debut, picked up 3 crucial wickets in India's defence of 181 runs, helping the side win the game and, in turn, clinch the series. As per International Cricket Council rules, only like-for-like replacements can be fielded by teams when one of the players gets concussed on the field. Clause 1.2.7.3.4 of the rule states that the replacement player must be like-for-like in nature.Neither Suryakumar Yadav nor Jos Buttler were asked about the concussion substitute controversy that took place in the 4th T20I of the 5-match series between India and England on Friday, January 31. Playing at the Maharashtra Cricket Association Stadium in Pune, India beat England by 15 runs to clinch the series.

However, it left a sour taste for the visiting side after India opted to field Harshit Rana as a concussion substitute for Shivam Dube in the second innings of the game. Dube was forced to leave the ground after being hit on his helmet late in the innings. India replaced

Dube with Harshit Rana, despite having the option of Ramandeep Singh later in the game.Rana, a specialist fast bowler on debut, picked up 3 crucial wickets in India's defence of 181 runs, helping the side win the game and, in turn, clinch the series. As per International Cricket Council rules, only like-for-like replacements can be fielded by teams when one of the players gets concussed on the field. Clause 1.2.7.3.4 of the rule states that the replacement player must be like-for-like in nature.Jos Buttler got out in frustration because he was not happy with the substitution. Ask anybody in the world if Harshit Rana is a like-for-like replacement. I'm not so sure that anybody would say that he is. I think there is going to be a very big discussion if Harshit Rana picks up four for nothing," Pietersen said.

"It is a different matter if he is like-for-like or not, but an entirely different discussion if they can turn this into their strength," he added while commentating.

RANA SAYS DREAM DEBUT

After the match, Harshit spoke to the broadcaster and shrugged off the controversy, stating that it was still a good game for him. Pietersen also agreed that it was not Rana's fault that he was asked to debut under odd sets of circumstances.

"It is still a dream debut for me. When Dube came back, after two overs I was informed I would be the concussion substitute. It is not just for this series; I have been waiting for an opportunity for a long time and I wanted to prove I belong here. I have bowled well in the IPL and was just following the same here," Rana told the broadcasters after the Pune T20I.

Absolute madness: Harshit Rana concussion sub move in Pune puzzles Alastair Cook

New Delhi Alastair Cook claimed that Harshit Rana coming in as a concussion substitute during the 4th T20I between India and England made 'no sense' as the hosts sealed the series in Pune. Harshit came in as a substitute for the injured Shivam Dube, who was hit on the helmet during the final over of the Indian innings.Harshit made an instant impact on the game as he claimed the catch to dismiss Jos Buttler before picking up 3 wickets for 33 runs in his 4 overs. The decision to bring Harshit for Dube has been widely debated as the ICC rules state that only like-for-like replacements can be fielded by teams when one of the players gets concussed on the field.Speaking to TNT Sports, Cook stated that he was puzzled by the decision to see a big-hitting batting all-rounder being replaced by someone who doesn't bat well and bowls heavy seam.The former England skipper pointed out that India had the choice to bring Washington Sundar in and said Harshit shouldn't have played the match.

"You've got to love cricket because it throws up so many stories. At half time you would

never have thought that story would have been a concussion sub. He made such a big impact on the game."

"Replacing a big-hitting batting all-rounder, who has bowled one over in the IPL, with a guy who can't bat and bowls heavy seam makes no sense to me whatsoever."

"England should have still won the game and would have probably preferred a seamer to a spinner but I don't understand it. They had Washington Sundar who got replaced because they wanted more batting in the side."It seems absolute madness that you are allowed to do it, but credit to the lad on debut, but he shouldn't be allowed to play there," said Cook.

'Headline isn't about concussion sub'

While Cook admitted that fielding Harshit may have been a wrong call, he was critical of England's performance, claiming that the visitors should have won the game.

"It gave the captain another brilliant option. They also had Abhishek Sharma, another spinner, who didn't bowl in this game. Harshit Rana has absolutely helped the India side."We can rant about it all we like, it was the wrong call, but England should have won the game. The headline isn't about the concussion sub," said Cook.England captain Jos Buttler was critical of the move made by India during his press conference after the match.

How India fielded Harshit as concussion substitute for DubeMorne Morkel reveals

New Delhi India's bowling coach Morne Morkel has shared the details of what transpired in the dressing room as they decided to name Harshit Rana as a concussion substitute for Shivam Dube in the 4th T20I against England in Pune. India replaced Dube with Rana midway through the second innings after he was hit on his helmet in the last over of the Indian innings.The replacement sparked widespread reactions from experts, who claimed that Rana was not a like-for-like replacement for Dube. The speedster went on to play a crucial role in India's 15-run win, picking three wickets on his debut. Following his match winning performance, Morne Morkel addressed the controversy surrounding Rana's inclusion in the playing XI and revealed that Dube had a headache after returning to the dressing room.

He further said that the team gave Rana's name as the replacement, and it was the match referee who made the call.a"As far as I'm aware Shivam Dube obviously took the knock against the head and came off the field during the innings break with mild headache symptoms. We took a name forward to the match referee in terms of a suitable substitution and from there it's up to the referee to take that decision. So a decision was made," said Morkel in the post-match press conference.Furtherm ore, the Indian bowling coach mentioned how Rana had to quickly get ready and once again asserted that it was the referee's decision that allowed them to field Rana as a replacement.

We can only take the name forward: Morkel

"Harshit was having dinner. He had to get himself ready as quickly as possible to get on to the field and bowl. Yeah, I thought he did an excellent job. No, like I said that it goes to the powers above me, match referee, he made the decision. We can only take the name forward and from there it's out of our hands. We got the green light to go with that and we gave him the opportunity," he added.Coming back to the match, after being put in to bat first, India were left reeling at 12/3 as Saqib Mahmood bowled a triple wicket maiden in the second over itself. Shivam Dube (53 off 34) and Hardik Pandya (53 off 30) rescued the Indian innings to help them post a good score of 181/9 in 20 overs. In reply, England were bundled out for 166 in 19.4 overs and lost the match by 15 runs.

All-round India win 4th T20I match, secure series against England

CHENNAI. In the end it was a stroll in the park for the hosts. The evening did not start as India would have liked. They were reeling at 12/3 after two overs with England pacer Saqib Mahmood striking thrice in his first over of the fourth T20I at the Maharashtra Cricket Association Stadium in Pune on Friday. Then came a minor recovery. Abhishek Sharma (29) and Rinku Singh (30) though provided some solidity in the middle but departed in quick successions as the hosts were reduced to 79/5 inside 11 overs.

This was followed by big stand when Hardik Pandya joined forces with Shivam Dube, who made it to the playing XI replacing all-rounder Washington Sundar. The duo after settling in plundered runs at will as India amassed 102 runs from the remaining nine overs to post a formidable total of 181/9 in 20 overs. The total proved enough for them as England fell short by 15 runs. Pandya had been struggling for big knocks and this would have given him the necessary boost.

It was Pandya, who led the onslaught hammering four sixes and as many fours to shift the momentum in India's favour. Dube's innings was laced with seven fours and two

sixes. It all began in the 13th overs with Pandya despatching pacer Brydon Carse for two consecutive fours. Dube then hit Adil Rashid for a four and a six in the next over as India crossed 100 runs. Mahmood was in the firing line next as Pandya launched him for two huge sixes. Jofra Archer conceded 17 runs in the next over while Jamie Overton went for 20 after him. The last ball of the over, however, saw Pandya being dismissed much to the relief of the England. Both Pandya and Dube scored 53 runs each.

In reply, England started well scoring 62 in the powerplay. However, openers Phil Salt and Ben Duckett got out soon after to hand over advantage to India. The hosts also saw pacer Harshit Rana replace Dube as concussion substitute and it worked in their favour with the former claiming three wickets. Whether it was a like to like substitute remained debatable. Spinner Ravi Bishnoi scalped three while in-form tweaker Varun Chakravarthy bagged two wickets.

Earlier, the hosts made three changes to their side bringing in Rinku, who missed two matches with injury, in place of Dhruv Jurel. Arshdeep Singh replaced Mohammed Shami while Dube came in for Sundar. England, meanwhile, rested Mark Wood for Mahmood and brought back Jacob Bethell for Jamie Smith.nce skipper Jos Buttler won the toss, he had no hesitation in inviting India to bat. Mahmood.

Virat Kohli wicket most important of my life: Himanshu Sangwan relishing dismissal

Himanshu Sangwan calls Virat Kohli's dismissal the most important wicket of his life, as the Railways pacer shined in the Ranji Trophy clash, turning heads across the Indian cricketing fraternity.

New Delhi Himanshu Sangwan, a 29-year-old pacer from Railways, has become the toast of Indian cricket fans after claiming what he calls the most important wicket of his career—dismissing none other than Virat Kohli. The much-anticipated return of Kohli to the Ranji Trophy after nearly 13 years became the talk of the cricketing world. However, his comeback was cut short as Sangwan clean-bowled the Indian maestro for just 6 runs during the Delhi vs Railways clash at the Arun Jaitley Stadium.The atmosphere at the stadium, which had been electric with chants of "Kohli, Kohli," turned to stunned silence when Sangwan shattered Kohli's stumps. The dismissal marked a significant moment, not only for the game but also for Sangwan's career. Speaking after Day 2's play, Sangwan reflected on the wicket, describing it as the most memorable moment of his cricketing journey.

"It is the most important wicket of my life. It goes without saying. Virat Kohli is an inspiration to the whole country," "First time in life I saw so many people turning up for a Ranji Trophy game. It was special for all of us," Himanshu said."We did not plan for one particular batter. The majority of the Delhi

batters like to attack so our plan was stick to channel bowling and draw the outside edge," he added.Fans who had gathered in droves to watch Kohli soon started leaving the stadium after his early departure. The spotlight, however, shifted firmly onto Sangwan, whose name began trending across cricket discussions and internet searches.

At that stage, Delhi was left reeling at 86/3, trailing Railways by 155 runs. However, captain Ayush Badoni's valiant 99-run knock and Sumit Mathur's impressive 86 helped Delhi recover, as they were eventually bowled out for 374, securing a 133-run lead. Despite the early setback, Kohli will have another chance to make his mark in Delhi's second innings.The pressure is mounting on Kohli, with fans and selectors eagerly anticipating a strong performance in what has been a rare domestic appearance for the Indian stalwart. As for Sangwan, the historic wicket has catapulted him into the limelight, with many now watching his career with newfound interest.

Priyanka Chopra

Recalls A Director's Shocking Comment At 19: 'I Need To See Her Panties'

Priyanka Chopra, a global star with an illustrious career in both Bollywood and Hollywood, once opened up about a disturbing incident from the early days of her acting journey. Speaking at the Forbes Power Women's Summit, Priyanka recalled a shocking and "dehumanising" experience when she was just 19 years old and new to the film industry.The Citadel actress shared that during the shoot of a film, she had a distressing encounter with the director. "I was speaking to the director and I said, would you speak to my stylist and just explain to him what you want in terms of clothes and stuff. I'm standing right next to him," Priyanka said.

Recalling the director's comments, she continued, "He picks up the phone and goes, 'Listen, people are going to come into the movies to watch her when she shows her panties. So it needs to be really short so that I can see her panties. You know those people sitting up front? They should be able to see her panties.' And he said it like four times. And it's not even pretty in Hindi. It's worse."

Priyanka, who was just 18 or 19 at the time, was heartbroken by the incident. "I went back home that night and said, 'Mom, I can't look at his face. If that's what he thinks of me, if

that's how small I am, there's no space for growth.' And I just walked out of the movie and said, 'I'm sorry, I can't work.' And I've till date never worked with him."

She continued, "Whatever I decide to be will be my choice. How I want to be perceived will be my choice. Perception is reality and my perception is going to be my identity."This wasn't the first time Priyanka spoke about the struggles she faced in her career. She previously recounted a "dark phase" following a surgery to remove a nasal polyp that altered her appearance, leading to severe mental health struggles.Speaking on The Howard Stern Show on May 1, Priyanka said, "This thing happens, and my face looks completely different, and I went into a deep, deep depression."

Priyanka credited her father, Ashok Chopra, and Bollywood director Anil Sharma for helping her overcome that challenging period and rebuild her confidence in the industry.

Mahira Sharma

Makes First Red Carpet Appearance Amid Mohammed Siraj Dating Rumours

Mahira Sharma, best known for her stint on Bigg Boss 13, made a stunning appearance on the red carpet at a recent event amid swirling rumours about her alleged romance with Indian cricketer Mohammed Siraj.The actress dazzled in a striking black saree with shimmering metallic hues, paired with a chic sheer blouse featuring intricate lace details. With her hair styled in soft waves and minimal makeup enhancing her radiant look, Mahira oozed hotness

as she posed for the paparazzi, flashing her signature smile.

The appearance comes just a day after reports surfaced claiming Mahira and Siraj were romantically involved. An insider close to the alleged couple reportedly told ETimes that the two are dating and getting to know each other. However, neither Mahira nor Siraj has addressed or confirmed these speculations.Meanwhile, Mahira's mother, Saniya Sharma, firmly dismissed the dating rumours. In an interview with Times Now, she called the reports "completely false" and criticised those spreading baseless stories about her daughter.

"People say anything. Now that my daughter is a celebrity, people will link her name with anyone, so should we believe them?" Saniya remarked.

Mahira previously dated actor Paras Chhabra, whom she met inside the Bigg Boss 13 house. Their relationship was a topic of much discussion among fans. However, the two called it quits in 2023, with Mahira unfollowing Paras on social media. Paras later confirmed their breakup, explaining that a fight over "petty issues" led to the split. "Aisi fights toh hamari hamesha hoti rahi hain," Paras shared with ETimes, reflecting on their turbulent relationship.On the other hand, Mohammed Siraj, who recently made headlines for his stellar performances on the cricket field, was previously linked to Asha Bhosle's granddaughter, Zanai Bhosle. Their dating rumours were swiftly debunked when Zanai clarified on social media that Siraj was like a "dear brother" to her, a sentiment Siraj echoed by calling her "sister."

Keerthy Suresh Shares Pre-Wedding Moments With Antony Thattil, Calls Herself 'Tamil Girl'

Keerthy Suresh recently delighted fans by sharing stunning moments from her pre-wedding festivities with her now-husband Antony Thattil. The celebrated actress took to social media to post vibrant pictures from the joyous celebrations, referring to herself as a "Tamizh Ponnu" (Tamil girl) and describing the theme as "Tamizh Marudani meets Bollywood Kitsch."The pictures showcased Keerthy donning colorful traditional attire, complete with a unique accessory—earrings that read "Manamagal," meaning bride in Tamil. Antony, too, sported bright festive wear, complementing Keerthy's fashion statement.

A heartwarming highlight from the festivities was the presence of Keerthy's mother, former actress Menaka Suresh, who was seen applying mehendi on her daughter's hands.This glimpse into the couple's pre-wedding festivities comes after Keerthy had earlier shared pictures from her post-wedding celebrations. In those images, the actress embraced her inner Malayalee self, wearing an elegant white-and-gold ensemble.

Keerthy introduced Antony Thattil, her long-time boyfriend, to the public last year, surprising fans by making their relationship official with a social media post. The couple tied the knot in Goa on December 12, 2024, in a grand ceremony that followed both Hindu and Christian traditions. The wedding saw several celebrities in attendance, including Thalapathy Vijay, Trisha Krishnan, Malavika Mohanan, Nani, and more.

On the professional front, Keerthy Suresh was last seen in the lead role of Baby John, co-starring Varun Dhawan. Directed by Kalees, the film is a remake of the 2016 Thalapathy Vijay starrer Theri, helmed by Atlee. In addition to Varun and Keerthy, the movie featured Wamiqa Gabbi, Zara Zyanna, Jackie Shroff, and others in pivotal roles, with Salman Khan making a special cameo appearance.

Looking ahead, Keerthy is gearing up for an exciting year with films like Revolver Rita and Kannivedi set for release.

Aditya Roy Kapur Calls Prep For Raj & DK's Rakt Brahmand 'Intense', Learns Sword Fighting And Horse Riding

The handsome hunk Aditya Roy Kapur is back and this time he is teaming up with filmmaker duo Raj Nidimoru and Krishna DK. After his OTT outing The Night Manager, Aditya has now collaborated with Raj & DK for Rakt Brahmand – The Bloody Kingdom, an action-fantasy series set in a fantastical kingdom. It will stream on Netflix and is directed by Rahi Anil Barve, who has helmed Tumbbad before.The first schedule of the shoot of Rakt Brahmand wrapped up in Mumbai recently. But it was no easy feat for Aditya. To get under the skin of his character he's playing, the actor had to undergo three months of rigorous training in physical art forms like sword fighting, weaponry, horse riding and archery.

Raj and DK told Hindustan Times, "At the heart of Rakt Brahmand is a character that demands strength, intensity and a bit of wackiness, and

Aditya brings all of that as the lead. And for his part, he's been training very hard to meet the demands of the character. Our goal with this show is to create a world that is both original and evokes the fantastical tales we grew up hearing."

Aditya Roy Kapur added, "I've been a fan of Raj and DK's work and they are always finding ways to tell stories in new and exciting ways. The passion they have for this project is infectious and the vision they have for is so unique and genre-bending."The actor is returning to the action genre after the 2020 film Malang. He said, "The prep has been intense but one of the most enjoyable perks of being an actor is to be able to pick up new skills and this show has me doing that in spades, with everything from sword fighting to archery and horse riding. But possibly even more important than the physical work,there is a huge amount of mental preparation which I've been relishing."